सोमवार
22 जुलाई 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र का आज से, सत्र हंगामेदार होने के आसार

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

सियासत: सर्वदलीय बैठक में नीतीश की पार्टी ने फिर से दोहराई पुरानी मांग

बिहार को मिले विशेष राज्य का दर्जा: जदयू

♦ बिहार को स्पेशल पैकेज दिलाने और बाढ़ की समस्या का समाधान निकालने की जनता दल यूनाइटेड ने मांग की

एजेंसी/नई दिल्ली

बजट सत्र से एक दिन पहले रविवार को केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या स्पेशल पैकेज दिलाने और बाढ़ की समस्या का समाधान निकालने की मांग की। राज्यसभा सांसद एवं जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने बताया कि विशेष राज्य के दर्जे की मांग पार्टी की लंबे समय से रही है। साथ ही बिहार में बाढ़ की वजह से सरकार के हर साल हजारों करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। इसका समाधान निकालने के लिए भारत सरकार को नेपाल से बातचीत करनी चाहिए।

संजय झा ने रविवार को नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत में कहा कि हम लोगों ने सर्वदलीय बैठक में बिहार के लिए खासकर दो मांगें उठाईं। सबसे पहले तो बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसके लिए गांधी मैदान से लेकर



रामलीला मैदान तक रैलियां कीं। अगर केंद्र सरकार को लगता है कि इसमें तकनीकी समस्या है तो विशेष पैकेज ही दे दिया जाए। झा ने कहा कि इसके अलावा बिहार में बाढ़ एक गंभीर समस्या है। हर साल बाढ़ की वजह से राज्य सरकार का एक बड़ा बजट खर्च हो जाता है, जिसका विकास कार्य में उपयोग हो सकता था। इसमें सबसे बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय सीमा नेपाल से जो पानी आता है, वो है। ऐसे में भारत सरकार को नेपाल से बातचीत कर जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए। जब तक यह समाधान नहीं होता, तब तक बिहार की सीमा में कुछ काम होना चाहिए। इसके लिए केंद्र सरकार ने हाल ही में एक टीम भी बिहार भेजी है।

संसद का मॉनसून सत्र सोमवार से शुरू होने वाला है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नई एनडीए सरकार अपना पहला पूर्णकालिक बजट पेश करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार 23 जुलाई को संसद में केंद्रीय बजट पेश करेंगी। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बजट में बिहार को विशेष दर्जा या स्पेशल पैकेज मिल सकता है। मॉनसून सत्र से पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें पक्ष और विपक्ष की सभी पार्टियों के नेता मौजूद रहे। बैठक के बाद बीजद सांसद डॉ. सस्मित पात्रा ने कहा, 'बीजू जनता दल की ओर से हमने सर्वदलीय बैठक में कई मांगें रखी हैं। ओडिशा दो दशकों से भी अधिक समय से विशेष राज्य का दर्जा पाने से वंचित है। बिहार और आंध्र प्रदेश के राजनीतिक दलों ने भी अपने-अपने राज्यों के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांगा है। बीजद ने ओडिशा के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांगा है। दूसरा मुद्दा ओडिशा राज्य के लिए कोयला रॉयल्टी में संशोधन न किया जाना है। हमने केंद्र से मिलने वाले धन के घटते हस्तांतरण और इस दिशा में काम करने की आवश्यकता का मुद्दा भी उठाया। साथ ही ओडिशा के राज्यपाल के बेटे के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ओडिशा राज्य में कानून का पालन नहीं किया जा रहा है। गौरतलब है कि ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास के बेटे पर राजभवन के कर्मचारी से मारपीट का आरोप है।

वाईएसआरसीपी ने आंध्र के लिए मांगा विशेष श्रेणी का दर्जा

संसद में सर्वदलीय बैठक के बाद वाईएसआरसीपी सांसद विजय साई रेड्डी ने कहा, 'सर्वदलीय बैठक में वाईएसआरसीपी ने आठ मुद्दे उठाए हैं। हमने आंध्र प्रदेश के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा मांगा है। राज्य को मिलने वाले करों में भी वृद्धि करने की मांग की गई है। हम विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के निजीकरण का विरोध कर रहे हैं। दक्षिण तटीय रेलवे जोन के लिए भूमि आवंटित की जानी चाहिए। ऑनलाइन जुए को रोकने के लिए उचित कानून बनाया जाना चाहिए।' वाईएसआरसीपी सांसद ने आंध्र प्रदेश में कानून व्यवस्था के बिगड़ने के आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार से राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। वाईएसआरसीपी ने कहा कि टीडीपी राज्य के मुद्दे नहीं उठा रही है और उसने समझौता कर लिया है।

आप ने ईडी-सीबीआई के दुरुपयोग का मामला उठाया

समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्ग पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर नामपट्टिकाओं का मुद्दा उठाया। आप सांसद संजय सिंह ने कहा, 'ईडी और सीबीआई का खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है, केजरीवाल जी को जेल में रखा गया है। मैंने ये पूरा मामला उठाया, हमारे दो मंत्रियों को गिरफ्तार करके जेल में रखा गया है, मैंने वो मुद्दा भी उठाया। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के दौरान नामपट्टिका लगाने का मामला भारत के संविधान के खिलाफ है। ये इस देश के दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों के खिलाफ है।

संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन में धुआं उठने के बाद मची अफरा-तफरी

समस्तीपुर स्टेशन की घटना, कोई हताहत नहीं



केटी न्यूज/पटना

समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर बिहार संपर्क क्रांति ट्रेन में फायर इक्विपमेंट अचानक लीक हो गया। जनरल बोगी में रखे फायर इक्विपमेंट लीक होने के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद ट्रेन से यात्री कूदने लगे। लोगों को लगा की ट्रेन में आग लग गई है। प्लेटफार्म से खुल रही ट्रेन में अचानक हुए इस हादसे को देखकर चालक ने सूझबूझ का परिचय दिया और ट्रेन को तत्काल रोक दिया। इस दौरान मौके पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने स्थिति को नियंत्रित किया। लीक हो रही फायर इक्विपमेंट को बंद किया गया।

घटना की सूचना मिलते ही मैकेनिकल विभाग समिति रेलवे के अधिकारी स्टेशन पर पहुंचे व मामले की जांच की। इसके बाद सब कुछ ठीक-ठाक देख ट्रेन को 10:30 बजे मुजफ्फरपुर के लिए रवाना किया गया। इस दौरान किसी भी तरह का हताहत नहीं हुआ। बताया गया है कि दरभंगा- नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस आज रविवार को 09:21 बजे समस्तीपुर स्टेशन पर आयी। लगभग 09:45 बजे जब ट्रेन प्रस्थान करने वाली थी तभी सामान्य कोच संख्या 205056/सी में धुआं की शिकायत मिली। प्लेटफॉर्म/गाड़ी में कार्यरत रेलवे कर्मियों द्वारा मौके पर पहुंच कर जांच की गयी तो पाया गया कि कोई यात्री अग्निरोधक यंत्र पर बैठ गया था जिससे यंत्र दब गया और यंत्र क्रियाशील हो गया। इससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

नीट पेपरलीक केस के तीन आरोपी गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

सीबीआई ने नीट पेपरलीक केस में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने पटना से शनिवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें से दो (मंगलम विश्नोई और दीपेंद्र शर्मा) सॉल्वर बताए जा रहे हैं। दोनों भरतपुर मेडिकल कॉलेज के छात्र हैं। इन दोनों पर चार मई को हजारीबाग में रहकर नीट का पेपर सॉल्व करने का आरोप हैं। वहीं तीसरे आरोपी की पहचान शशिकांत पासवान के रूप में हुई है। वह पंकज कुमार और रॉकी उर्फ राकेश का सहयोगी बताया जा रहा है। इतना ही नहीं सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी इस केस के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया के भी करीबी बताए जा रहा है।

इधर, सीबीआई की टीम इन तीनों को आरोपी को पहले कोर्ट में पेश करेगी। इसके बाद कोर्ट से इन्हें रिमांड पर लेने की अनुमति लेगी। राकेश रंजन उर्फ रॉकी की गिरफ्तारी और उससे पूछताछ के आधार पर कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। शनिवार को पटना सीबीआई की विशेष अदालत ने रॉकी की रिमांड अवधि चार दिन और बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि रॉकी की निशानदेही पर ही सीबीआई लगातार कार्रवाई कर रही है।

एक दिन पहले रांची से एक छात्रा की गिरफ्तारी



इधर, एक दिन पहले इसी मामले में ने रांची से एक छात्रा को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बताया कि नीट-यूजी पेपर लीक मामले में रांची के राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आरआईएमएस) की द्वितीय वर्ष की छात्रा सुरभि कुमारी को गिरफ्तार किया गया है। इस तरह, पेपर लीक के तार आरआईएमएस से भी जुड़ गए हैं। सीबीआई का कहना है कि सुरभि पर नीट-यूजी परीक्षा के अभ्यर्थियों के प्रश्न पत्र हल किए थे। इस तरह से सॉल्वर गैंग के साथ छात्रा की कथित संलिप्तता से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अधिकारियों ने बताया कि सुरभि कुमारी से दो दिनों की पूछताछ की गई। इसके बाद बाद छात्रा को सीबीआई ने हिरासत में ले लिया। आरोप है कि सुरभि 'सॉल्वर गैंग' की पांचवीं सदस्य थी, जो पांच मई की सुबह नीट-यूजी परीक्षा के दिन, पंकज कुमार द्वारा चुराए गए पेपर को हल करने के लिए हजारीबाग में मौजूद थी।

केरल में निपाह वायरस ने ले ली बच्चे की जान

नई दिल्ली। केरल में एक बार फिर से निपाह वायरस के खतरे ने दस्तक दे दी है। राज्य के मलप्पुरम के 14 वर्षीय एक लड़के की निपाह वायरस से रविवार को मौत हो गई। पांडिक्कड़ निवासी लड़के को रविवार सुबह 10.50 बजे दिल का दौरा पड़ा और उसे बचाया नहीं जा सका। एनआईवी पुणे की तरफ से निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि की गई थी। राज्य में इस साल निपाह से पहली मौत के बाद सरकार अलर्ट हो गई है। केंद्र सरकार ने मौत के बाद राज्य सरकार से इस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जरूरी उपाय करने की बात कही है। इसके साथ ही मामले की जांच, महामारी विज्ञान संबंधों की पहचान और तकनीकी सहायता के साथ राज्य की सहायता के लिए एक जॉइंट आउटब्रेक केंद्रीय टीम तैनात की जाएगी।

भारत की 350 से ज्यादा प्राचीन धरोहर वापस लाए: मोदी

♦ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र का किया उद्घाटन

केटी न्यूज/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारत मंडपम में विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत गुरु पूर्णिमा का पवित्र पर्व मना रहा है। मैं आप सभी को और देशवासियों को अध्यात्म और ज्ञान के इस पर्व की बधाई देता हूं। ऐसे अहम दिन इस सत्र की शुरूआत हो रही है और भारत में इसका आयोजन पहली बार हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बीते सालों में हम भारत की 350 से ज्यादा प्राचीन धरोहरों को वापस लाए हैं। प्राचीन धरोहरों का वापस आना वैश्विक उदारता और इतिहास के प्रति सम्मान के भाव को दिखाता है।

पीएम ने आगे कहा अब दिल्ली का उदाहरण ले लीजिए। दुनिया दिल्ली को भारत की राजधानी के रूप में जानती है, लेकिन ये शहर हजारों साल पुरानी विरासतों का केंद्र भी हैं। यहां आपको



कदम-कदम पर ऐतिहासिक विरासतों के दर्शन होंगे। यहां से करीब 15 किलोमीटर दूर कई टन का एक स्तंभ है जो कि 2000 सालों से खुले में खड़ा है। फिर भी आज तक रस्ट रेजिस्टेंट है। इससे स्पष्ट है कि भारत की विरासत केवल एक इतिहास नहीं है, भारत की विरासत एक विज्ञान भी है। भारत के विरासत में टॉप नोज इंजीनियरिंग के एक गौरवशाली यात्रा के दर्शन होते हैं। पीएम मोदी ने कहा, धरती हमारी मां है और हम उसकी संतान हैं। इसी विचार को लेकर भारत इंटरनेशनल सोलर अलायंस और मिशन लाइफ जैसे समाधान दे रहा है। पीएम मोदी ने कहा, यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर के लिए भारत 1 मिलियन डॉलर का योगदान देगा।

आज भी कंस्ट्रक्शन के लिए बहुत चैलेंजिंग है केदारनाथ

पीएम मोदी ने केदारनाथ मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी वो जगह भौगोलिक रूप से इतनी दुर्गम है कि लोगों को कई किलोमीटर पैदल चलकर या हेलीकॉप्टर से जाना पड़ता है। वो स्थान आज भी किसी कंस्ट्रक्शन के लिए बहुत चैलेंजिंग है। ज्यादा बर्फबारी की वजह से वहां काम होना असंभव है, लेकिन ये जानना जरूरी है कि केदार घाटी में मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था। उसकी इंजीनियरिंग में वातावरण का ध्यान रखा गया है। वो मंदिर आज तक अटल है। पीएम मोदी ने कहा कि वर्ल्ड एक्सपर्ट को यूपी के सिनौली में मिले सबूतों के बारे में जरूर जानना चाहिए। सिनौली की वाइडिंग कॉपर एज की है, लेकिन ये इंडस वैली सिविलाइजेशन की जगह वैदिक सिविलाइजेशन से मेल खाती है। वहां, एक 4 हजार साल पुराना रथ मिला है। ये नए तथ्य बताते हैं कि भारत को जानने के लिए अवधारणाओं से मुक्त नई सोच की जरूरत है। नए तथ्यों में, उसके आलोक में इतिहास की जो नई समझ विकसित हो रही है आप उसका हिस्सा बनें।

अब तक एक लाख अग्निवीर सेना में हुए हैं शामिल: लेफ्टिनेंट जनरल

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल सी.बी. बोनप्पा ने रविवार को कहा कि बल में अब तक एक लाख अग्निवीर शामिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि उनमें से करीब 70 हजार को विभिन्न इकाइयों में तैनात किया गया है। उन्होंने यह भी जिक्र किया कि वर्ष 2024-25 में करीब 50 हजार रिक्तियां निकाली गई हैं और भर्ती प्रक्रिया जारी है। जनरल बोनप्पा ने बताया कि जून 2022 में योजना शुरू की गई। हमारे पास पहला बैच था, जिसे दिसंबर 2022 से जनवरी 2023 के बीच भर्ती किया गया था। करीब एक लाख अग्निवीरों को सेना में भर्ती किया गया है। इनमें करीब 200 महिलाएं भी शामिल हैं और लगभग 70 हजार को पहले ही विभिन्न बटालियों में भेजा जा चुका है। जहां वे बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें करीब 100 महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

रीवा में दो महिलाओं को जिंदा जमीन में गाड़ दिया

एजेंसी/रीवा

मध्य प्रदेश के रीवा जिले के मनगंवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हिनौता कोठार गांव में सड़क विवाद पर दो महिलाओं के ऊपर मुरुम डालकर उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई है। दोनों महिलाओं का कहना था की यह उनके पट्टे की जमीन है। जिसके बाद एक हाइवा मुरूम डालकर दोनों को दबा दिया गया। एक महिला के गले तक को एक के कमर तक मुरुम डाली गई थी। मामले में राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस ने बीजेपी सरकार को घेरा है। वहीं, पुलिस ने भी शिकायत दर्ज की है। मामले में तीन लोगों को आरोपी बनाया गया है। एक को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि दो अभी फरार हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं पर मुरूम में दबाने के मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों पर मामला दर्ज कर



लिया है। इसमें डंफर चालक प्रदीप कोल को गिरफ्तार किया गया गया है। जबकि दोनों महिलाओं के रिश्ते में ससुर लगने वाले गोकरण पाण्डेय और भतीजे विपिन पाण्डेय अभी फरार हैं। पुलिस ने डंफर को जब्त कर लिया है। अधिकारियों ने कहा वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिसमें और भी आरोपी बढ़ सकते हैं।



जीबीसी 4.0 में शुभारंभ के बाद अब तेजी से साकार हो रहीं निवेश परियोजनाएं

अयोध्या, मथुरा, काशी में 6.5 हजार करोड़ की परियोजनाएं शुरू

केटी न्यूज/लखनऊ

भगवान राम की नगरी अयोध्या, श्रीकृष्ण का जन्मस्थान मथुरा और भगवान शिव का धाम काशी (वाराणसी) देश की आस्था के साथ-साथ अब निवेश के बड़े गंतव्य का भी प्रतीक बन गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसी वर्ष फरवरी माह में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के माध्यम से इन धार्मिक स्थलों में जिन निवेश की परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया था, 5 माह के अंदर उनमें से 6.5 हजार करोड़ की परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि जीबीसी 4.0 के दौरान इन तीनों धार्मिक स्थलों के लिए पीएम मोदी ने करीब 50 हजार करोड़ रुपए की 11 हजार परियोजनाओं का शुभारंभ किया था।



इनमें से योगी सरकार 5 माह के अंदर अब तक 6578 करोड़ रुपए की 277 परियोजनाओं को धरातल पर उतारने में सफल रही है। यह शुभारंभ हुईं कुल परियोजनाओं का 13 प्रतिशत से ज्यादा है।

मूर्त रूप ले चुकीं 6578 करोड़ रुपए की परियोजनाएं: अयोध्या, काशी और मथुरा, ये तीनों स्थल न सिर्फ उत्तर प्रदेश में बल्कि देश भर में हिंदु समाज के आस्था के सबसे बड़े केंद्र के रूप में देखे जाते हैं। ऐसे में योगी सरकार यहां पर्यटन से लेकर नागरिक सुविधाओं में बड़े पैमाने पर इजाफा कर रही है। इसी क्रम में यहां व्यापक स्तर पर विकास परियोजनाओं को शुरू किया जा रहा है, जिसके लिए देश-विदेश की बड़ी-बड़ी कंपनियों ने योगी सरकार के साथ एमओयू किया है। 5 माह पूर्व फरवरी में पीएम मोदी ने इन परियोजनाओं का शुभारंभ किया और 5 माह में ही इन तीनों स्थलों पर 6578 करोड़ रुपए की परियोजनाएं मूर्त रूप ले चुकी हैं, जबकि शेष परियोजनाएं भी तेजी से प्रगति कर रही हैं और जल्द ही ये भी साकार होंगी जिससे बड़े पैमाने पर यहां युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा और वे दूसरे जनपदों या राज्यों में नहीं भटकेंगे। इन तीनों ही स्थलों पर खासतौर पर टूरिस्ट्स फैसिलिटी सेंटर, वेलनेस सेंटर और होटल्स की शुरूआत हो रही है, जिसमें व्यापक स्तर पर लोगों को रोजगार के साधन भी उपलब्ध होंगे।

अयोध्या में धरातल पर उतरीं 88 परियोजनाएं: भगवान राम की नगरी अयोध्या की बात करें तो योगी सरकार ने यहां बड़े पैमाने पर विकास किया है। 22 जनवरी 2024 को यहां भगवान राम के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा से पहले और बाद में यहां लगातार विकास कार्य प्रगति पर है। चौड़ी चौड़ी सड़कें, ब्रिज, एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन समेत इंफ्रास्ट्रक्चर में हुए महत्वपूर्ण बदलावों ने निवेशकों को अयोध्या में अपनी परियोजनाएं शुरू करने के लिए आकर्षित किया है। जीबीसी 4.0 के दौरान यहां 13,421 करोड़ की 376 परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया था, जिसमें से अब तक 993 करोड़ रुपए की 88 परियोजनाओं ने मूर्त रूप ले लिया है। बाकी परियोजनाओं का भी इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन जल्द शुरू होने की संभावना है।

दरभंगा में महज तीन हजार रुपये के लिए निलंबित हुए तीन पुलिसकर्मी

- वारंटी को गिरफ्तार करने के लिए गये थे तीनों पुलिस कर्मी
- केवटी के भाजपा विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने एसपी से की थी शिकायत
- तीनों पुलिस कर्मी पर पैसा लेकर वारंटी को छोड़ने का लगा आरोप

केटी न्यूज /दरभंगा

दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने डायल 112 के तीन पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार वारंटी को तीन हजार रुपये घूस लेकर छोड़ने के मामले में निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय पुलिस केंद्र दरभंगा होगा। इस मामले को लेकर केवटी के भाजपा विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने एसएसपी जगुनाथ रेड्डी से शिकायत की थी। जानकारी के अनुसार, सिमरी थाना क्षेत्र के बिरदीपुर निवासी अमरनाथ पासवान के बेटे राजा पासवान के खिलाफ कोर्ट से गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया है। इस मामले में डायल 112 टीम वारंटी को कोर्ट लेकर जा रही थी। इस दौरान 19 जुलाई को डायल 112 पर प्रतिनियुक्त सिपाही अनन्य कुमार, रवीन्द्र कुमार सिंह और नीतू कुमारी ने आरोपी राजा पासवान से तीन हजार रुपये लेकर छोड़ दिया। इस मामले में सिमरी थानाध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी ने इसकी



शिकायत वरीय पुलिस अधीक्षक और अन्य पदाधिकारियों से की थी। इसी मामले को लेकर एसएसपी ने तीनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।इसी मामले को लेकर बीते दिन केवटी के भाजपा विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने सिमरी थाने पर खुद से जाकर थानाध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी से इस मामले की शिकायत की थी। विधायक ने थानाध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी से इस संबंध में पूछा और मोबाइल फोन से एसएसपी को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधायक की बातों को गंभीरता से लेते हुए आरोपित को दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। बताया गया है कि बिरदीपुर निवासी वारंटी राजा पासवान को सिमरी पुलिस ने गिरफ्तार कर रास्ते में कथित रूप से रुपये लेकर छोड़ दिया गया था। इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा को दी थी। पता चला कि डायल 112 वाले वाहन पर ड्यूटी पर तैनात जमादार अनन्य कुमार हैं। इस संबंध में एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने बताया कि डायल 112 के तीन पुलिसकर्मियों पर फरार वारंटी को पैसे लेकर छोड़ने का आरोप था। इसकी विस्तृत जांच थानाध्यक्ष द्वारा करने के बाद दी गई रिपोर्ट के आधार पर तीनों पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

मोतिहारी में महिला सिपाही ने डीएसपी पर लगाया मारपीट करने का आरोप

केटी न्यूज/मोतिहारी



मोतिहारी में एक महिला सिपाही ने अपने ही डिपार्टमेंट के डीएसपी पर मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला सिपाही पूनम कुमारी ने आरोप लगाया कि मोतिहारी के पुलिस लाइन में उसकी पिटाई की गई है, जिससे वह जख्मी हो गई है। महिला सिपाही ने पुलिस लाइन के मेजर सहित अन्य पर पिटाई करने का आरोप लगाया है। मोतिहारी सदर अस्पताल में इलाज कराने आई महिला सिपाही के अनुसार उसका वेतन भी 2021 से बंद है। इसको लेकर कल पुलिस लाइन के मेजर का फोन आया था, जिसमें उन्होंने हमें पुलिस लाइन बुलाया। महिला सिपाही ने आरोप लगाया कि मेजर समेत सबने मिलकर जान से मारने की साजिश की थी। बहरहाल, महिला सिपाही के आरोप को लेकर नगर थाने में एक सनहा दर्ज हुआ है।

विपक्ष ने की सरकार को घेरने की बड़ी तैयारी, 26 जुलाई तक चलेगा विधानसभा सत्र

बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र का आज से, सत्र हंगामेदार होने के आसार

- 23 और 24 जुलाई को राजकीय विधेयक और अन्य राजकीय कार्य किए जाएंगे
- सत्र के दौरान विधानसभा के आस-पास धारा 144 लागू रहेगी



बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो जाएगा। सोमवार से शुरू होकर 26 जुलाई तक चलने वाले सत्र के दौरान दोनों सदनों में पांच-पांच बैठकें होंगी। सरकार की कोशिश होगी की सत्र का संचालन सुचारू रुप से किया जा सके हालांकि विपक्ष ने सरकार को घेरने की बड़ी तैयारी कर रखी है। ऐसे में मानसून सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है। मानसून सत्र के पहले दिन राज्यपाल द्वारा स्वीकृत अध्यादेशों की प्रति को सदन के पटल पर रखने के साथ ही 2024-25 का पहला अनुपूरक बजट सरकार की तरफ से पेश किया जाएगा। 23 और 24 जुलाई को राजकीय विधेयक और अन्य राजकीय कार्य किए जाएंगे। वहीं 23 जुलाई को ही विधान परिषद में गैर सरकारी संकल्प पेश होंगे और 24-25 जुलाई को राजकीय विधेयक सदन में लाए जाएंगे। 25 जुलाई को विधानसभा में प्रथम अनुपूरक बजट पर वाद-विवाद और वोटिंग होगी। इस दौरान विनियोग विधेयक पर भी मुहर लगेगी। सत्र के आखिरी दिन यानी 26 जुलाई को सदन में गैर सरकारी संकल्प पेश किए जाएंगे। सत्र के दौरान सरकार को घेरने के लिए विपक्ष ने रणनीति बनाई है। बिहार में बढ़ते अपराध के साथ साथ एक महीने के भीतर दर्जन भर से अधिक पुलों के धराशायी होने की घटना को मुद्दा बनाकर विपक्ष सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। राज्य में अपराध को लेकर विपक्षी दल सरकार पर हमलावर बने हुए हैं। ऐसे में इन दोनों मुद्दों को लेकर हंगामे की प्रबल संभावना है।बता दें कि सत्र के दौरान विधानसभा के आस-पास धारा 144 लागू रहेगी। इसको लेकर प्रतिबंधित क्षेत्र की सीमा निर्धारित की गई है। प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी तरह के जुलूस और प्रदर्शन पर रोक रहेगी। प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी तरह के जुलूस और धरना करने वालों के खिलाफ पुलिस बड़ा एक्शन ले सकती है।

जीतन राम मांझी ने बिहार की 25 सीटों पर ठोकी अपनी दावेदारी

केटी न्यूज/पटना



आगामी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से भी सियासी खेल शुरू हो गया है। चुनाव में अभी एक साल से अधिक का समय शेष बचा है लेकिन अभी से ही सीटों को लेकर दावेदारी पेश होने लगी है। बिहार एनडीए में एक बार फिर से घमासान के आसार दिख रहे हैं। एनडीए में हम सांसद और केंद्रीय मंत्री शामिल जीतन राम मांझी ने बीजेपी और जेडीयू की टेंशन बढ़ा दी है। दरअसल, बिहार में जिस तरह से सत्ता की चाबी हमेशा नीतीश कुमार के पास होती है उसी तरह जीतन राम मांझी की हम पार्टी भी दो-चार विधायकों के दम पर सरकार में बनी रहती है। बिहार में सरकार चाहे किसी भी गठबंधन की हो, उसमें मांझी की पार्टी सहयोगी की भूमिका में जरूर होती है। सिसायत की बड़ी समझ रखने वाले मांझी भी समय की नजाकत को देखकर पलटी मारते हैं और आए दिन तरह-तरह के बयान देकर अपने ही सहयोगियों की टेंशन बढ़ाते रहते हैं। पटना में आयोजित अभिनंदन समारोह में जीतन राम मांझी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर बहुत सारी बातें कहीं और खुले मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का खूब गुणगान किया।

नंदोसी के साथ तीन माह के बच्चे को लेकर फरार हुई महिला, पति परेशान

केटी न्यूज/वैशाली

वैशाली जिले के हाजीपुर जंक्शन से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। जहां जनहित एक्सप्रेस से आ रहे जीजा, उसकी पत्नी का भाई और सलहज जंक्शन पर उतरे। उसके बाद पत्नी का भाई चाय लाने चला गया। इसी दौरान जीजा सलहज को लेकर फरार हो गया। उसके बाद से पीड़ित परेशान है। जानकारी के मुताबिक, सिमरी बख्तियारपुर ससुराल से एक युवक अपनी पत्नी और जीजा के साथ ट्रेन में सवार होकर हाजीपुर जंक्शन आए थे। जहां से निजी गाड़ी से मुजफ्फरपुर जाना था। सभी सुबह तीन बजे हाजीपुर जंक्शन पर उतरे थे। हाजीपुर जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर उतरने के बाद पत्नी ने पति से चाय लाने को कहा। उसके बाद महिला अपने तीन महीने के बेटे को लेकर नंदोसी के साथ फरार हो गई। पति को छोड़ने वाली महिला की पहचान किशनपुर मधुबन थाना कुढ़नी मुजफ्फरपुर निवासी अंकित कुमार की पत्नी निशा कुमारी के तौर पर हुई है। निशा अपने साथ अटैची में रखे तीन लाख के जेवरात और डेढ़ लाख रुपये नकदी भी ले गई। वहीं, अंकित के जीजा की पहचान हाजीपुर के काजीपुर थाना क्षेत्र के एकारा निवासी शुभम सिंह के तौर पर हुई है।



पटना-मोकामा फोरलेन पर बीडीओ की गाड़ी सहित चार अन्य वाहन दुर्घटनाग्रस्त, बची जान

- फोरलेन के किनारे रखा गया था मिट्टी का ढेर उसी पर वाहन चढ़ा
- घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस

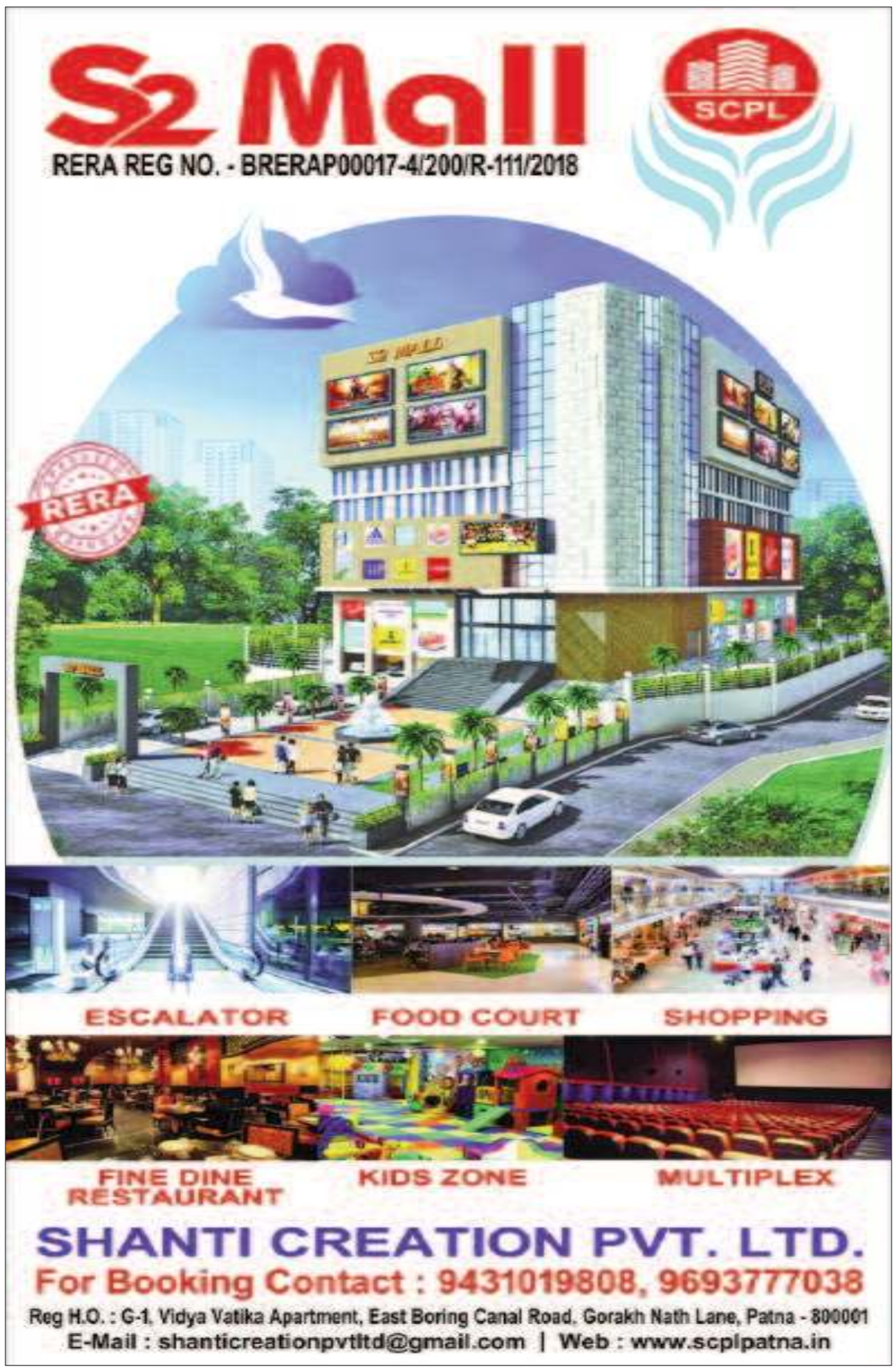
केटी न्यूज/पटना



पटना में प्रखंड विकास पदाधिकारी की गाड़ी सहित चार अन्य वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गये। इस घटना में प्रखंड विकास पदाधिकारी और उनकी पत्नी चोटिल हो गई। घटना मोकामा थाना क्षेत्र के पटना-मोकामा फोरलेन की है। बीडीओ की पहचान बलिया अनुमंडल क्षेत्र के अंतर्गत डंडारी प्रखंड के बीडीओ प्रशांत कुमार के रूप में हुई है। इलाज कराकर लखीसराय निकल गये। डंडारी के बीडीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि घटना के दौरान किसी महिला की नजर उनपर पड़ी। महिला ने शोर-गुल कर आसपास के लोगों को घटनास्थल पर बुलाया। फिर स्थानीय थाना को भी घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही मोकामा थानाध्यक्ष महेश्वर प्रसाद तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और आनन-फानन में सभी को मोकामा अस्पताल ले गये। जहां प्राथमिक उपचार के बाद वह फिर लखीसराय के लिए निकल गये। दरअसल वह मूल रूप से लखीसराय के रहने वाले हैं और वर्तमान में बलिया के डंडारी में बीडीओ हैं। घटना के संबंध में प्रशांत कुमार ने बताया कि वह प्रशिक्षण के लिए सपरिवार पटना गए हुए थे। शनिवार की रात को वह वापस लौट रहे थे। तभी मोकामा के पास मोकामा फोरलेन पर सड़क निर्माण कार्य के लिए सड़क पर ही मिटटी का ढेर रखा था, जिसे वह अंधेरा होने के कारण नहीं देख सके। और इसी क्रम में उनकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। उन्होंने बताया कि उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन अच्छी बात यह रही कि उस कार में सवार प्रशांत कुमार एवं उनकी पत्नी और अन्य सभी लोगों की जान बच गई। इस घटना में किसी अन्य के घायल होने की सूचना नहीं है।

एसएसबी ने चार लाख रुपये गांजा के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी जिले के सोनबरसा में स्थानीय एसएसबी 51 बटालियन की मदद से चार पहिया वाहन में 80 किलो गांजा की खेप पकड़ा गई है। वहीं, एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, कंपनी कमांडर इंस्पेक्टर रमेश कुमार, मुख्य आरक्षी सुखवीर सिंह, सचिन कुमार, आरक्षी मग्रीता टोको और टी नंदनी ने संयुक्त रूप से तस्कर के खिलाफ कार्रवाई कर गिरफ्तार किया है। तस्कर की पहचान छपरा जिला अवतार नगर विछबाड़ा थाना क्षेत्र के ठकोली गौडीपुर निवासी प्रहलाद महतो के बेटे राहुल कुमार के तौर पर की गई है।तलाशी के दौरान कपड़े में बंधे 16 पैकेट सीट के नीचे पाए गए। जब उसे चेक किया गया तो 80 किलो गांजा बरामद किया गया। कंपनी कमांडर इंस्पेक्टर रमेश कुमार ग्वाला ने बताया कि गांजा और चार पहिया वाहन को जब्त कर लिया गया है।



मधेपुरा के सिंहेश्वर स्थान में राजकीय श्रावणी मेले की तैयारी में जुटा प्रशासन

सिंहेश्वर में राजकीय श्रावणी मेले का हुआ उद्घाटन, विदेश से भी जलाभिषेक करने पहुंचते हैं श्रद्धालु

- सिंहेश्वर के पूरे क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने का हो रहा है प्रयास

केटी न्यूज/पटना



मधेपुरा के सिंहेश्वर स्थान में राजकीय श्रावणी मेले का डीएम विजय प्रकाश मीणा, जिला परिषद अध्यक्ष मंजू देवी और एसपी संदीप सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काट कर उद्घाटन किया। डीएम विजय प्रकाश मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि सिंहेश्वर के पूरे क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। पुराने हो चुके धर्मशाला को तोड़कर नए धर्मशाला का निर्माण करवाया जाएगा। सिंहेश्वर महोत्सव तक और अधिक विकास होगा। डीएम ने कहा कि कमियां निकालने के बजाय साथ में आकर सिंहेश्वर स्थान के विकास में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्था की गई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग की गई है। श्रद्धालुओं के लिए शौचालय, पानी और स्नानघर आदि की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि यहां सुल्तानगंज, भागलपुर और नेपाल आदि जगहों से श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए आएंगे। इसके लिए रास्ते में नौ-10 जगह को चिह्नित कर पंडाल की व्यवस्था की गई है। जहां शौचालय, पानी और लाइट आदि की व्यवस्था रहेगी। जहां श्रद्धालु रुक कर विश्राम कर सकेंगे। वहीं, एसपी संदीप सिंह ने कहा कि श्रावणी मेला को देखते सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया है। मंदिर परिसर में नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। इससे पूर्व डीआईजी मनोज कुमार भी राजकीय श्रावणी मेले की तैयारी का जायजा लेने सिंहेश्वर पहुंचे। एसपी संदीप सिंह एवं एसडीएम सह मंदिर न्यास समिति सचिव संतोष कुमार के साथ उन्होंने घूमकर पूरे मंदिर परिसर का जायजा लिया। दोनों पदाधिकारियों ने डीआईजी को श्रद्धालुओं के आने जाने वाले मार्ग की जानकारी दी। डीआईजी ने खुद भी पूर्वी गेट के रास्ते से प्रवेश कर दक्षिणी गेट से बाहर निकलकर मुआयना किया। उन्होंने कहा कि इस पर विशेष नजर रखें। मधेपुरा से दुर्गा चौक सिंहेश्वर, गम्हरिया, पिपरा और सुपौल की ओर जाने वाला कोई भी बड़ा वाहन या व्यावसायिक वाहन कॉलेज चौक के पास से ही पश्चिमी बाईपास की ओर मोड़ दिया जाएगा। वह वाहन बैजनाथपुर के रास्ते भागवत चौक, गम्हरिया होते हुए दुर्गा चौक सिंहेश्वर, गम्हरिया, पिपरा और सुपौल की ओर जाएगा।

नवदुर्गा धाम में शिष्यों ने किया गौ दान, शिष्यों ने ली गुरूमंत्र की दीक्षा

♦ गुरु पूर्णिमा पर स्वामी श्री द्वारिका दास जी महाराज के दर्शन-पूजन के लिए उमड़े श्रद्धालु



केटी न्यूज/बक्सर

गुरु पूर्णिमा के मौके पर रविवार को जिला मुख्यालय के विभिन्न मठ-मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। इस क्रम में जिले के महदह स्थित महाशक्ति कालरात्रि नवदुर्गा धाम में गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने नवदुर्गा धाम के पीठाधीश्वर स्वामी द्वारिका दास जी महाराज के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस दौरान राज्य के विभिन्न जिलों से भी आए श्रद्धालुओं ने धूप-दीप व पुष्प आदि से स्वामी जी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सबसे खास बात यह रहा कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शिष्यों ने गौ दान कर गुरु के प्रति अपने प्रेम और समर्पण के भाव को प्रकट किया। वही स्वामीजी ने शिष्यों को प्रसाद खिला आशीर्वाद दिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए शक्तिपीठ से जुड़े व पीठाधीश्वर द्वारिका दास जी महाराज के परम शिष्य तथा चुरामनपुर में मदन वाटिका नर्सरी के प्रोपराइटर अमित सैनी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा पर स्वामीजी की पूजा-अर्चना करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालु लंबी कतारों में खड़े थे। एक-एक करके भक्त आगे बढ़ते रहे और स्वामी जी की पूजा-अर्चना करके आशीर्वाद हासिल करते रहे। यह सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। दोपहर को विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया था, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भारी संख्या में भक्तों ने दीक्षा भी ली। स्वामीजी ने दीक्षा लेने वालों को बीज मंत्र दिया और उसे नियम के साथ जाप करने के संबंध में विस्तार से बताया। अमित ने बताया कि गुरू पूर्णिमा पर श्रद्धालु शिष्यों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

गुरु पूर्णिमा पर चौसा सेवाश्रम में गुरु नमन को उमड़ी शिष्यों की भीड़

चौसा। प्रखंड व नगर पंचायत क्षेत्र में गुरू पूर्णिमा का त्योहार धूम धाम से संपन्न हो गया। इस मौके पर शिष्यों ने अपने गुरू की पूजा अर्चना कर उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया। इसी कड़ी में चौसा नगर पंचायत स्थित संत सेवाश्रम में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर स्व. पंडित केदारनाथ दूबे उर्फ महाराजजी के चरण पादुका के दर्शन व पूजन को लेकर शिष्यों की सुबह से ही भीड़ लगी रही। जहा आस-पास के साथ दूर-दराज व अन्य जिलों के लोग पहुंचे थे। सुबह से ही श्रद्धालु शिष्य गंगा स्नान कर अपने गुरु के चरण पादुका की पूजा-अर्चना की और गुरु शिष्य की परंपरा का निर्वहन किया।

रविवार की सुबह से संत सेवा आश्रम पर शिष्यों का आने-जाने का तांता लगा रहा। बता दें कि हर वर्ष गुरुपूर्णिमा पर चौसा संत सेवाश्रम पर अपने गुरु स्व. पंडित केदार नाथ दुबे उर्फ महाराज जी के पूजन को दूर-दराज के अलावा अन्य राज्यों से शिष्य पहुंचते है। यह सिलसिला सुबह से ही प्रारम्भ हो जाता है। इस वर्ष भी अपने गुरु को नमन हेतु प्रयागराज, लखनऊ, बनारस, चंदौली, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, मुगलसराय, बलिया, कैमूर, रोहतास, जबलपुर, उज्जैन, हरिद्वार जैसे दूर-दराज जगहों से आये हजारों शिष्यों ने गुरु पूर्णिमा पर आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान अनिल कुमार दूबे, दुर्गा प्रसाद सिंह, अभिषेक सिंह, नंदकिशोर शर्मा, महेंद्र यादव, लालबहादूर सिंह, दिनेश कुमार, कमलेश मौर्या, मनोज सिंह समेत हजारों की संख्या में शिष्यों का जमावड़ा लगा रहा।

एक नजर

नया भोजपुर के गजरावा मोड़ से हाइवे जाने वाले रास्ते में है जलजमाव, लोग परेशान



डुमरांव। नया भोजपुर के गजरावा मोड़ से हाइवे पर जाने वाले रास्ते में जलजमाव व कीचड़ हो जाने से लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। इसी रोड में हइवे के किनारे जिले का सबसे बड़ा सब्जी का थोक मंडी लगता है। मंडी में प्रतिदिन बड़े वाहनों बिक्री के लिए आयी सब्जी उतारी जाती है और फिर बिक्री के बाद उसे चढ़ायी भी जाती है। कईबार ऐसा हुआ है कि बड़े वाहन उसमें फंस गए, जिससे आवागमन ठप हो गया। इस मुसिबत से निजात दिलाने के लिए नगर परिषद ने पानी हटाने और गड्ढे को भरने के लिए ईंट का टुकड़ा गिरा दिया है, जो और जानलेवा बन गया है। पहले लोग पैदल भी आते-जाते थे, अब तो पैदल भी आना-जाना मुश्किल हो गया है। बता दें की इस रोड के सहारे लोग हाइवे पार करते हुए बाबा जंगलीनाथ के रास्ते होते हुए राजगढ़ चौक तक आते-जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि डुमरांव शहर, अनुमंडल कार्यालय, अनुमंडलीय अस्पताल में जाने वाले लोग इस रास्ते से ही आते जाते हैं, लेकिन अब सभी इसकों भूल गए हैं और डीके कॉलेज के रास्ते स्टेशन होते हुए शहर में जाते हैं। इस संबंध में जब इओ मनीष कुमार और चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने कहा की जो रोड़ा गिरा है, उस पर जेसीबी से समतल कराया जाएगा। रोड बनाने के लिये एजेंडा में शामिल कर लिया गया है।

एक अगस्त से होगा सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षकों के मूल प्रमाण पत्रों का सत्यापन

बक्सर। जिले में सक्षमता परीक्षा में उत्तीर्ण शिक्षकों की मूल प्रमाण पत्रों का वेरिफिकेशन सह काउंसिलिंग 1 अगस्त से जिले में की जाएगी। इसको लेकर अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग एस सिद्धार्थ ने पत्र जारी किया है। जारी पत्र के अनुसार जिले में 1 अगस्त से वेरिफिकेशन का कार्य किया जाएगा। जिसका शिड्यूल भी विभाग से जारी किया गया है। वेरिफिकेशन का कार्य कोटीवार पांच चरणों में किया गया है। वहीं जारी पत्र के अनुसार सफल अभ्यर्थियों का जिले के डीआसीसी में वेरिफिकेशन निर्धारित तिथि एवं टाइम स्लॉट का निर्धारण मुख्यालय स्तर पर किया जाएगा। ज्ञात हो कि बिहार विशिष्ट शिक्षक नियमावली 2023 के नियम-4 के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय निकाय शिक्षकों की सक्षमता परीक्षा फरवरी-मार्च 2024 में आयोजित किया गया था। सक्षमता परीक्षा का परीक्षाफल प्रकाशित किया जा चुका है। स्थानीय निकाय शिक्षक जो सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण है, नवपदस्थापित विद्यालय में योगदान करने के पश्चात विशिष्ट शिक्षक कहें जायेंगे। अभ्यर्थियों को वेरिफिकेशन स्थल पर अभ्यर्थी अपने आधार कार्ड एवं इसके साथ रजिस्टर्ड मोबाईल के साथ आयेंगे। जिस पर एसएमएस एवं ई-शिक्षाकोष मोबाईल एप के माध्यम से टाईम स्लॉट की सूचना दी जायेगी। जिसके आधार पर ही वेरिफिकेशन स्थल पर प्रवेश मिलेगा। वहीं प्रत्येक विद्यालय से कार्यरत बल के सापेक्ष एक तिहाई शिक्षक अभ्यर्थी ही वेरिफिकेशन में आयेंगे। तीन दिनों के बाद दूसरे शिक्षक वेरिफिकेशन में आएंगे। जिससे विद्यालय का कार्य प्रभावित नहीं हो सके। वहीं इस दौरान केवल 3 दिन तक ही अभ्यर्थी ऑफिशियल ड्यूटी पर माने जाएंगे।

अतिक्रमण से स्थल व शौचालय हुआ मुक्त



डुमरांव। अतिक्रमण करने वाले अब सर्वजनिक शौचालय को भी नहीं छोड़ रहे हैं। कुछ इसी तरह का वाकया हुआ है, काली मंदिर जाने वाले रास्ते में पड़ने वाले काव नदी पुल के पहले बने नप के द्वारा बनाए गए शौचालय के साथ। अतिक्रमणकारियों के द्वारा उक्त शौचालय और उसके आसपास की जमीन की तार लगा कर घेराबंदी तक कर दी गई थी। मां काली मंदिर पूजा समित के द्वारा इसकी शिकायत ईओ से की गई थी। ईओ ने इसको मुक्त् कराने के लिए सीओ को पत्र भेजा था। सीओ ने इस पर तत्काल एक्शन लेते हुए शौलालय और जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा दिया। जमीन और शौचालय के अतिक्रमण मुक्त होते ही लोगों में हर्ष व्याप्त हो गया। बता दें कि 11 अगस्त को मां काली की वार्षिक पूजा होने वाली है। इस वार्षिक पूजा में भव्य मेले का आयोजन होता है। जहां दूर-दूर से लोग मां काली की दर्शन करने और मेले देखने के लिए पहुंचते हैं। शौचालय और स्थल का अतिक्रमण होने से लोगों को परेशानी हो ने लगी थी। फिर मेले का आयोजन होने से लोगों की भीड़ काफी रहती है, जिससे उक्त जगह पर मेले में समान बेचने वाले और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता था। लिहाजा उक्त शौचालय और स्थान को अतिक्रमण मुक्त करा दिया गया।

रास्ते में जलजमाव से बाजार करना हुआ मुश्किल



डुमरांव। नया भोजपुर के गजरावा मोड़ से हाइवे पर जाने वाले रास्ते में जलजमाव व कीचड़ हो जाने से लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। इसी रोड में हइवे के किनारे जिले का सबसे बड़ा सब्जी का थोक मंडी लगता है। मंडी में प्रतिदिन बड़े वाहनों बिक्री के लिए आयी सब्जी उतारी जाती है और फिर बिक्री के बाद उसे चढ़ायी भी जाती है। कईबार ऐसा हुआ है कि बड़े वाहन उसमें फंस गए, जिससे आवागमन ठप हो गया। इस मुसिबत से निजात दिलाने के लिए नगर परिषद ने पानी हटाने और गड्ढे को भरने के लिए ईंट का टुकड़ा गिरा दिया है, जो और जानलेवा बन गया है। पहले लोग पैदल भी आते-जाते थे, अब तो पैदल भी आना-जाना मुश्किल हो गया है। बता दें की इस रोड के सहारे लोग हाइवे पार करते हुए बाबा जंगलीनाथ के रास्ते होते हुए राजगढ़ चौक तक आते-जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि डुमरांव शहर, अनुमंडल कार्यालय, अनुमंडलीय अस्पताल में जाने वाले लोग इस रास्ते से ही आते जाते हैं, लेकिन अब सभी इसकों भूल गए हैं और डीके कॉलेज के रास्ते स्टेशन होते हुए शहर में जाते हैं। इस संबंध में जब इओ मनीष कुमार और चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने कहा की जो रोड़ा गिरा है, उस पर जेसीबी से समतल कराया जाएगा। रोड बनाने के लिये एजेंडा में शामिल कर लिया गया है।

खबरें फटाफट

50 लीटर शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, एक फरार

नावानगर। स्थानीय पुलिस ने केसठ तीन नहर मार्ग स्थित डांगरा पुल के पास 50 लीटर महुआ शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वही दूसरा तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया है। पुलिस ने तस्कर की बाइक भी जब्त किया है। गिरफ्तार तस्कर रोहतास जिला के बिक्रमगंज थाना अंतर्गत डिहरा गांव निवासी प्रिंस कुमार है। जबकि फरार तस्कर की पहचान दावथ थाना के डेढ़गांव निवासी प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष नन्दू कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी , कि शराब की खेप लेकर दो तस्कर बाइक से केसठ नहर मार्ग से गुजरने वाले हैं। सूचना पर थानाध्यक्ष ने तत्काल नहर मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती कर दी। थोड़ी देर बाद केसठ तीन नहर मार्ग पर दो बाइक सवार आते दिखे, जो पुलिस को देखते ही बाइक मोड भागने की कोशिश की। पर पुलिस के जवानों ने उनका पीछा कर बाइक चालक तस्कर को पकड़ लिया। जबकि बाइक पर पीछे बैठा तस्कर कूद कर भाग निकला। पुलिस ने बाइक की तलाशी किया। तलाशी के दौरान एक बोरी में 50 लीटर महुआ की शराब पुलिस के हाथ लगी। इस संबंध में दोनों पर नामजद करते हुए थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं गिरफ्तार धंधेबाज को जेल भेज दिया गया है।

पवित्र सावन मास आज से शुरू, सोमवारी के विशेष संयोग से शिव भक्तों का उत्साह चरम पर

सजधज कर तैयार हुए सभी शिवालय सड़कों पर उमड़े कांवरियां, प्रशासन मुस्तैद



केटी न्यूज/बक्सर

देवाधिदेव महादेव का प्रिय मास सावन आज से शुरू हो रहा है। इस बार सावन महीने में खास संयोग बन रहा है। सावन की शुरूआत व समापन सोमवारी से हो रहा है। जिस कारण शिवभक्तों का उत्साह चरम पर है। पूर्व संध्या पर यह देखने को भी मिला। शाम ढलने से पहले ही कांवरियां शिवभक्त ब्रह्मपुर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को पहले सोमवारी पर जलाभिषेक के लिए बक्सर के रामरेखा घाट निकल गए हैं। कांवरियों का जत्था ढोल, मजीरे व डीजे की धून पर नाचते गाते जा रहा था। जहां रात में गंगा स्नान के बाद कांवर में जलभर कर श्रद्धालु एनएच 922 के रास्ते ब्रह्मपुर जाकर बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को जलाभिषेक करेंगे। पूरे सावन बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ के अलावे जिले के अन्य शिवालयों की शोभा बढ़ी रहेगी। वही, सावन की पहली सोमवारी को देखते हुए प्रशासन भी सजग हो गया है। रविवार की शाम से ही कांवरियां मार्ग पर दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इसके अलावे ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर के साथ ही बक्सर के रामरेखा घाट, रामेश्वर मंदिर, इटाढ़ी के सोखा धाम सहित कई अन्य मंदिरों तथा गंगा घाटों पर चौकसी बढ़ा दी गई है। एहतियात के तौर पर रामरेखा घाट पर प्रशिक्षित गोताखोरों की तैनाती की गई है। घाटों पर सुरक्षा के लिहाज से बैरेकेडिंग के अलावे नाव तथा अन्य जरूरी संसाधनों की व्यवस्था की गई है। शाम ढलने के साथ ही रामरेखा घाट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है।

सज धज कर तैयार हुए शिवालय, अहले सुबह से शुरू हो जाएगा जलाभिषेक : पवित्र सावन माह शुरू होने के पहले शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। प्रायः सभी शिवालयों का रंग रोगन के अलावे उनकी विशेष सफाई की गई है। जिन मंदिरों में अधिक भीड़ उमड़ती है वहा प्रशासन द्वारा दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। पहली सोमवारी पर अहले सुबह से ही शिवभक्त मंदिरों में जलाभिषेक करने उमड़ेंगे। जिसे देखते हुए मंदिर प्रबंधनों द्वारा भी तैयारी की गई है।

आस्था, उपासना व श्रद्धा का मास है सावन : बता दें कि सावन का महीना आस्था, उपासना व श्रद्धा का मास है। यह महीना भगवान शिव का अति प्रिय महीना हैं। इस महीने भोले भंडारी की विशेष पूजा की जाती है। शिवभक्त जलाभिषेक, रूद्राभिषेक, पार्थिव पूजन के अलावे महामृत्युंजय मंत्र का जाप समेत कई अन्य विधानों से महादेव को प्रसन्न करने का प्रयास करते है। पूरे सावन शिवालय श्रद्धालु शिवभक्तों से से गुलजार रहता है।

इन मंदिरों पर उमड़ता है आस्था का सैलाब

बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर: ब्रह्मपुर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिवमंदिर में पूरे सावन सबसे अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। इस मंदिर में सावन के प्रत्येक सोमवारी पर श्रद्धालु भक्त बक्सर के रामरेखा घाट से जल लेकर 40 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को जलाभिषेक करते है। मान्यता है कि इस मंदिर में शिवलिंग की स्थापना सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी ने की थी। पूरे सावन यह मंदिर आकार्षण का केन्द्र बना रहता है।

रामेश्वरनाथ मंदिर: रामरेखा घाट के पास स्थित रामेश्वरनाथ शिव मंदिर शिवभक्तों के श्रद्धा का केन्द्र है। मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना महर्षि विश्वामित्र के आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने के दौरान प्रभु श्रीराम ने की थी। पूरे सावन इस मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता दर्शन व पूजन को उमड़े रहता है। सावन के अलावे भी पूरे साल यहा शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी रहती है। इस बार भी सावन में यह मंदिर श्रद्धालुओं के बीच आकार्षण का केन्द्र बना रहेगा।

गौरीशंकर शिवमंदिर: बक्सर के सोहनी पट्टी स्थित गौरीशंकर शिवमंदिर भगवान शिव के अर्द्धनारीश्वर स्वरूप का जिले में इकलौता मंदिर है। इस मंदिर के संबंध में मान्यता है कि यही पर माता पार्वती ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी तथा उनके तपस्या से भगवान शिव अर्द्धनारीश्वर के रूप में प्रकट हुए थे। मंदिर में स्थापित प्राचीन शिवलिंग दो भागों में था। कहा जाता है कि इस मंदिर में भी मत्था टेकने वालों की मुरादें पूरी होती है। सावन के पावन महीने में इस मंदिर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ते है।

सोखा धाम: इटाढ़ी प्रखंड के निहालपुर गांव के पास स्थित सोखा धाम भी जिले के प्रसिद्ध शिवमंदिरों में शुमार है। मान्यता है कि भगवान शिव के सेनापति वीरभद्र ही यहां घने जंगलों के बीच स्थित कवड़सर तालाब के पास अवतरित हुए थे। पौराणिक कथाओं की मानें तो भगवान शिव के आदेश पर वीरभद्र ने ही दक्ष के यज्ञ का विध्वंश किए थे तथा समुद्र सोखने के कारण इनका नाम सोखा पड़ा। पूरे सावन यहा भी श्रद्धालु भक्तों की भीड़ जलाभिषेक के लिए उमड़ी रहती है।

जंगलीनाथ शिव मंदिर: डुमरांव के पूर्वी छोर पर स्थित जंगलीनाथ शिव मंदिर की छटां निराली हैं। प्रकृति की गोद में बसे इस मंदिर के संबंध में मान्यता है कि यहा शिवलिंग के रूप में महादेव स्वत: प्रकट हुए थे। तब यह स्थाना घने जंगलों के बीच था। यह स्थान प्रसिद्ध संत दानी बाबा के तपोस्थली के रूप में भी जाना जाता है। मान्यता है कि यहा सच्चे मन से आने वाले श्रद्धालुओं की हर मुरार पूरी होती है। पूरे सावन यहा भी शिवभक्तों का सैलाब उमड़ता है।

पांच केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई बीपीएससी की शिक्षक पुनर्परीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

♦ 195 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

रविवार को बिहार लोक सेवा आयोग पटना द्वारा आहूत अध्यापक नियुक्ति प्रतियोगिता पुनर्परीक्षा संपन्न हो गई। यह इस परीक्षा का तीसरा व अंतिम दिन था। परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था एवं कदाचारमुक्त वातावरण में ली गई। परीक्षा के अंतिम दिन निर्धारित समय से परीक्षार्थियों को विधिवत जांच के बाद परीक्षा हॉल में प्रवेश दिया गया।

जिससे कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा हॉल में किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाईस वगैरह लेकर प्रवेश न कर सकें। रविवार को जिले के पांच केंद्रों पर परीक्षा ली गई। जिला नियंत्रण कक्ष से प्राप्त सुचना अनुसार कुल 2 हजार 477 परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल होना था। जिसमें कुल रविवार की पांच केंद्रों पर ली गई परीक्षा में कुल 2 हजार 282 परीक्षार्थी उपस्थित एवं कुल 195 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं निष्कासित परीक्षार्थियों की संख्या शून्य है। जिला नियंत्रण कक्ष बक्सर में दूरभाष के माध्यम से प्राप्त सूचना के आधार पर सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न

बक्सर चेयरमैन ने जनसुविधा शौचालय का किया उद्घाटन

केटी न्यूज/बक्सर



रविवार को बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिव मंदिर प्रांगण में तालाब से पूरब दिशा में जन सुविधा शौचालय का उद्घाटन सभी वार्ड पार्षदों के साथ चेयरमैन सुमन देवी ने फीता काटकर किया। नगर पंचायत ब्रह्मपुर के सौजन्य से जनसुविधा शौचालय का उपयोग दूर-दूर से आए दर्शनार्थी एवं श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क सुविधा दी गई है। इस मौके पर मुख्य पार्षद ने कहा कि सावन के पावन महीने में दर्शनार्थी एवं श्रद्धालुओं को हर प्रकार की मूलभूत सुविधा दी जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाईयों का सामना करना ना पड़े।

बता दें कि नगर पंचायत ब्रह्मपुर के बाबा बरमेश्वर नाथ मंदिर के प्रांगण में कई वर्षों से शौचालय, स्नान घर, एवं चेंजिंग रूम की व्यवस्था नहीं थी। जिससे दूर से आने वाले श्रद्धालुओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन, अब शौचालय, स्नानागार, एवं चेंजिंग रूम के उपलब्ध होने से ब्रह्मपुर के सभी नगर वासियों के बीच खुशियों की लहर दौड़ गई है। उद्घाटन समारोह में पहुंचे लोगों के बीच मिठाइयां भी बांटी गई। इस जन सुविधा शौचालय में उपयोग के लिए पुरूष व महिला श्रद्धालुओं के लिए छह-छह शौचालय बनाए गए हैं, एवं साथ ही दो महिला स्नानागार एवं दो पुरुष स्नानागार बनाए गए हैं। जबकि शिव सरोवर से उत्तर दिशा में तीन चेंजिंग रूम एवं दक्षिण दिशा में भी तीन चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है। मौके पर चेयरमैन प्रतिनिधि राकेश महतो, स्वच्छता पदाधिकारी अविनाश कुमार, जेंदू यादव, डमरु पांडे, जितेंद्र यादव, अजय पांडे, वार्ड पार्षद पिंटू सिंह, धीरज अकेला, पप्पू कुमार, बबलू सिंह, सुनील शाह, मंसूर अहमद, राजेश साह, गोगा मुशहर, दिलीप तुरहा, मंटू शाह ,बसंत नट, दिलीप कुमार, मोहम्मद एजाज सभी सफाई कर्मी समेत सैकड़ो स्थानीय लोग मौजूद थे।

आत्मा द्वारा 40 सदस्यीय किसानों के जत्था को किया गया रवाना, नालंदा के चंडी में प्रशिक्षण लेंगे किसान

सब्जी उत्पादन की आधुनिक तकनीक से रू-ब-रू होंगे जिले के किसान

केटी न्यूज/बक्सर



परंपरागत खेती से हटकर सब्जी की खेती के लिए नई-नई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। इस दिशा में बक्सर के किसानों को सब्जी उत्पादन की आधुनिक तकनीक से लैश करने के लिए कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण द्वारा 40 किसानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल, चंडी, नालंदा में प्रशिक्षण के लिए रविवार को भेजा गया। आत्मा के उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी द्वारा हरी झंडी दिखा उन्हें रवाना किया गया। यह प्रशिक्षण सोमवार से 24 जुलाई तक चंडी, नालंदा में संचालित होगा। जहा किसानों को सब्जी की खेती की नई तकनीक से रूबरू कराया जाएगा तथा तथा वहा उन्हें ठहरने व भोजन की व्यवस्था भी आत्मा द्वारा की गई है।

जिला कृषि पदाधिकारी-सह-आत्मा के परियोजना निदेशक अविनाश शंकर ने बताया कि सब्जी उत्पादन किसानों की आमदनी बढ़ाने का बेहतर स्त्रोत है। आगे उन्होंने बताया कि सेंटर फॉर एक्सीलेंस में आलू बीज उत्पादन के साथ-साथ बेमौसमी महंगी सब्जी की खेती के लिए उत्पादन इकाई की स्थापना की गई है। बक्सर के कृषक उत्पादन इकाई में नई पद्धति को देखकर अपने खेती में आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर अपनी आमदनी बढ़ाने का प्रयास करेंगे। इस संस्थान में हाइडोपोनिक यूनिट भी लगाई गई है। इस पद्धति से खेती कर किसान बेमौसमी सब्जी की खेती कर अधिक मुनाफा अर्जित कर सकते हैं।

क्या है हाईडोपोनिक यूनिट : इस विधि में फ्रेम के उपर पौधा लगाया जायेगा और नीचे से पानी की धारा बहेगी। आवश्यकतानुसार पौधों में उपर तथा नीचे से पोषक तत्व दिया जायेगा। इस विधि से किसी भी मौसम में मांग के अनुसार सब्जी की खेती कर किसान अच्छी आमदनी अर्जित कर सकते है। इस विधि की खास बात यह है कि इसमें मिट्टी की आवश्यकता नहीं होती है। पानी में बालू या कंकड़ डालकर पौधे लगाये जाते हैं। पौधों को पोषक तत्व देने के लिए नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश, मैग्निशियम, सल्फर, जिंक, आयरन को खास अनुपात में मिलाकर घोल बनाया जाता है। ऑक्सीजन को पंपिंग मशीन के जरिए पौधों की जड़ों तक पहुंचाया जाता है। इनमें बीमारियां कम लगती है।

आत्मा संस्थान की उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण हेतु किसानों के चयन की जवाबदेही संबंधित प्रखंड के सहायक तकनीकी प्रबंधक तथा प्रखंड तकनीकी प्रबंधक को दी गई थी। प्रखंडस्तरीय बीटीएम व एटीएम द्वारा चयनित चालीस कृषकों को सब्जी उत्पादन में दक्ष करने हेतु सीओई, चंडी भेजा जा रहा है, जो मिल का पत्थर साबित होगा। जत्थे का समन्वय आत्माकर्मी रघुकुल तिलक एवं चंदन कुमार सिंह द्वारा किया गया। मौके पर बीटीएम विकास कुमार राय, राजेश कुमार, आत्माकर्मी त्रिपुरारीशरण सिन्हा सहित प्रगतिशील कृषक चंदन कुमार, दिनेश्वर सिंह, अमित कुमार, अंकित कुमार सिंह, पंकज सिंह सहित अन्य किसान मौजूद थे।

एमडीए के लिए 13 जिलों के चुनौतीपूर्ण प्रखंडों में बेहतर कवरेज बढ़ाने पर जोर

केटी न्यूज/पटना



राज्य के 13 जिलों में 10 अगस्त से शुरू होने वाले एमडीए यानी सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष रणीनीति की जरूरत है। इसके लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मॉनिटरिंग डेटा एवं माइक्रोफाइलेरिया दर को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक प्रखंडों की पहचान करना जरुरी है। साथ ही इन चिन्हित प्रखंडों की एमडीए को लेकर सूक्ष्म-कार्ययोजना को प्रभावी बनाकर दवा सेवन के कवरेज को आसानी से बढ़ाया जा सकता है। उक्त बातें राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत ने शुक्रवार को राज्य स्वास्थ्य समिति में एमडीए पर आयोजित राज्य स्तरीय टास्क फोर्स बैठक के दौरान कही।

कार्यपालक निदेशक ने वर्तमान समय में कुछ एमडीए जिलों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कहा कि जिन जिलों में बाढ़ का खतरा है, वहाँ विशेष रणीनीति बनाकर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया रोधी दवाओं के सेवन के बाद होने वाले कुछ प्रतिकूल प्रभावों के बारे में समुदाय को सही जानकारी देना जरुरी है। इससे फाइलेरिया रोधी दवाओं की गुणवत्ता एवं इससे होने वाले संभावित प्रभावों पर लोगों जागरूकता बढ़ेगी। साथ ही जिला से लेकर प्रखंड स्तर पर दवा सेवन के संभावित प्रभावों के निदान के लिए अधिकारीयों को चिन्हित करना भी जरुरी है। उन्होंने एमडीए राउंड में स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त शिक्षा विभाग, आईसीडीएस विभाग, पंचायती राज विभाग, नगर निगम, पीडीएस, जीविका सहित अन्य विभागों एवं सहयोगी संस्थाओं के सक्रिय सहयोग की अपील की।

रोग की सही जानकारी एमडीए की सफलता का होगा सूत्रधार: झारखंड राज्य के पूर्व मुख्य सचिव एवं वर्तमान में एनसीवीबीडीसी, भारत सरकार में सलाहकार सुधीर त्रिपाठी ने कहा कि एमडीए राउंड का आयोजन पिछली दो दशक से हो रहा है, लेकिन अभी भी फाइलेरिया उन्मूलन में शत-प्रतिशत सफलता नहीं मिली है। इसके लिए जरुरी है कि लोगों को यह बताया जाए कि फाइलेरिया एक बेहद गंभीर एवं लाईलाज बीमारी है। एक बार होने के बाद ठीक नहीं होता है। इसके लिए सामुदायिक जन-जागरूकता जरुरी है, जिसमें बिहार ने जीविका को इस मुहिम में शामिल कर एक अच्छा प्रयास भी किया है।

13 जिलों के 3.5 करोड़ आबादी को दवा खिलाने का लक्ष्य: डॉ. परमेश्वर प्रसाद, अपर सचिव सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, फाइलेरिया ने कहा कि 10 अगस्त से राज्य के 13 जिलों में एमडीए राउंड की शुरूआत की जा रही है, जिसमें 8 जिले यानी भोजपुर, बक्सर, किशनगंज, मधेपुरा, मधुबनी, नवादा, नालंदा एवं पटना में दो तरह की दवाएं(डीईसी एवं एल्बेंडाजोल) एवं 5 जिले यानी दरभंगा, लखीसराय, पूर्णिया, रोहतास एवं समस्तीपुर में तीन तरह की दवाएं (डीईसी, एल्बेंडाजोल एवं आईवरमेक्टिन) खिलाई जाएंगी. इन 13 जिलों में 3.5 करोड़ आबादी को दवा खिलाने का लक्ष्य है. उन्होंने कहा कि पिछले एमडीए चक्र में कुछ गुड प्रैक्टिस किए गए थे।

एक नजर

केसठ के प्राचीन मां भवानी मंदिर में 24 घंटे से चल रहे अखंड हरीनाम संकीर्तन का समापन



केसठ। प्रखंड के स्थानीय प्राचीन मां भवानी मंदिर केसठ में शनिवार से 24 घंटे के लिए अखंड हरीनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया था। जिसका समापन रविवार को किया गया। इस आयोजन में क्षेत्र के भदार, वासुदेवा, शिवपुर, दसियांव, गोविन्दपुर आदि गांव से कीर्तन मंडली भाग लिए। जिन लोगों द्वारा बारी-बारी से विभिन्न प्रकार के लय में श्रद्धालु श्रोताओं के बीच हरि नाम कीर्तन का रसपान कराया गया। कीर्तन का समापन विधिवत पूजन वैदिक मंत्रोच्चारण हवन के साथ गुरु पूर्णिमा तिथि रविवार को हुआ। इस कार्यक्रम से पूरा वातावरण भक्तिमय रहा। बता दे कि केसठ के मां भवानी मंदिर का अपना एक अलग पहचान है। यह बहुत प्राचीन मंदिर है। लोगों के अनुसार यह मंदिर चेरों खरवार के समय से ही अवस्थित है। यह मंदिर काफी भव्य और आकर्षक है तथा आस्था एवं विश्वास का केंद्र है। इस मंदिर पर हमेशा अनुष्ठान कार्यक्रम, शादी विवाह जैसे मांगलिक कार्यक्रम होते रहता है। माता की पूजा अर्चना करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है। ज्ञात हो कि मां भवानी मंदिर के प्रांगण में प्रतिमाह 24 घंटे के लिए अखंड हरी नाम कीर्तन का आयोजन किया जाता है। जिसमें विभिन्न गांव से कीर्तन मंडली भाग लेते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विश्वनाथ उपाध्याय, गोपाल जी, शिव शंकर यादव, मिश्रीलाल, ठुनमन साहु, मोहन साहु, संजीत कुमार सिंह, रविंद्र कुमार, पिंटू सिंह, भरत प्रसाद, जोगिंदर कुमार, बैजू वादक रामजी राम, बिट्टू सिंह समेत समस्त ग्रामीणों का सहयोग सराहनीय रहता है।

धनबाद जेल में बिगड़ी चर्चित भोजपुरी गायक भरत शर्मा की तबीयत, अस्पताल में भर्ती



बक्सर। भोजपुरी जगत के चर्चित गायक तथा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित जिले के भोजपुरी गायक भरत शर्मा की तबीयत धनबाद जेल में अचानक खराब हो गई है। जेल जाने के कुछ घंटे बाद ही हाई बीपी, सीने में दर्द तथा घबराहट की शिकायत पर उन्हें धनबाद के शहीद निर्मला महतो मेमोरियल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सीसीयू में भर्ती कराया गया है। बता दे की भरत शर्मा पर फर्जी दस्तावेज के आधार पर टीडीएस का लाभ लेने का आरोप है। आर्थिक अपराध इकाई ने उन पर तीन मामले दर्ज किए थे। निचली अदालत ने उनका बेल रिजेक्ट किया था इसके बाद वे रांची हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाए थे, जहां उन्हें निचली अदालत में समर्पण करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद शनिवार को ही कोर्ट के आदेश पर उन्हें जेल भेजा गया था। लेकिन जेल जाते ही अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई है। इस खबर के बाद भोजपुरी प्रेमियों में मायूसी छाई है। लोगों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। बता दे कि भारत शर्मा मूल रूप से जिले के सिमरी प्रखंड के नगपुरा गांव के रहने वाले हैं। गायकी उनके खून में रचा बसा है, उनके पिता भी शास्त्रीय संगीत के उच्च कोटि के जानकार थे। जबकि भोजपुरी गायकी क्षेत्र में उनके योगदानों के लिए उन्हें पद्म भूषण जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। वे अपने पंचायत के मुखिया भी रहे हैं।

आस्था, श्रद्धा और सादगी से मना गुरु पूर्णिमा पर्व

बिक्रमगंज। गुरु पूर्णिमा पर्व रविवार को आस्था,श्रद्धा और सादगी से मनाया गया। पर्व पर लोगों ने गुरु की आराधना एवं वंदना कर सुख-समृद्धि की कामना की। घरों से लेकर मंदिरों तक गुरु पर्व पर विशेष पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही मंदिरों व आश्रमों में चहल-पहल बनी रही। साफ-सफाई के बाद मंदिरों को फूल-माला से सजाया गया। वहीं बिक्रमगंज नगर के मौनी बाबा कुटिया आश्रम व काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत घरवासडीह मठ में भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। साथ ही, शिष्यों ने अपने गुरुओं को आसन प्रदान कर श्रद्धानुसार उनकी पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद ग्रहण किया। पर्व पर सुबह से ही लोगों में उत्साह देखने को मिला। स्नान के बाद लोगों ने पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों की तरफ रूख किया। पूजन व दान कर गुरु के प्रति कृतज्ञता जताई। अनुमंडल के सभी विद्यालयों सहित अन्य मंदिरों में भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई जो देर रात तक रही। पर्व पर पूरे दिन पूजन और दान करने का सिलसिला चलता रहा। अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत कुछ-कुछ देवालयों सहित अन्य स्थलों पर भजन-संध्या का भी हुआ आयोजन किया गया। साथ ही साथ भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें हजारों-हजार की संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर महाप्रसाद भी ग्रहण किया। उसके उपरांत सभी देवालयों में संध्या आरती, पूजन ,भजन एवं कीर्तन का आयोजन किया गया।



धनबाद जेल में बिगड़ी चर्चित भोजपुरी गायक भरत शर्मा की तबीयत, अस्पताल में भर्ती

बक्सर। भोजपुरी जगत के चर्चित गायक तथा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित जिले के भोजपुरी गायक भरत शर्मा की तबीयत धनबाद जेल में अचानक खराब हो गई है। जेल जाने के कुछ घंटे बाद ही हाई बीपी, सीने में दर्द तथा घबराहट की शिकायत पर उन्हें धनबाद के शहीद निर्मला महतो मेमोरियल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सीसीयू में भर्ती कराया गया है। बता दे की भरत शर्मा पर फर्जी दस्तावेज के आधार पर टीडीएस का लाभ लेने का आरोप है। आर्थिक अपराध इकाई ने उन पर तीन मामले दर्ज किए थे। निचली अदालत ने उनका बेल रिजेक्ट किया था इसके बाद वे रांची हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाए थे, जहां उन्हें निचली अदालत में समर्पण करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद शनिवार को ही कोर्ट के आदेश पर उन्हें जेल भेजा गया था। लेकिन जेल जाते ही अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई है। इस खबर के बाद भोजपुरी प्रेमियों में मायूसी छाई है। लोगों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। बता दे कि भारत शर्मा मूल रूप से जिले के सिमरी प्रखंड के नगपुरा गांव के रहने वाले हैं। गायकी उनके खून में रचा बसा है, उनके पिता भी शास्त्रीय संगीत के उच्च कोटि के जानकार थे। जबकि भोजपुरी गायकी क्षेत्र में उनके योगदानों के लिए उन्हें पद्म भूषण जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। वे अपने पंचायत के मुखिया भी रहे हैं।

आस्था, श्रद्धा और सादगी से मना गुरु पूर्णिमा पर्व

बिक्रमगंज। गुरु पूर्णिमा पर्व रविवार को आस्था,श्रद्धा और सादगी से मनाया गया। पर्व पर लोगों ने गुरु की आराधना एवं वंदना कर सुख-समृद्धि की कामना की। घरों से लेकर मंदिरों तक गुरु पर्व पर विशेष पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही मंदिरों व आश्रमों में चहल-पहल बनी रही। साफ-सफाई के बाद मंदिरों को फूल-माला से सजाया गया। वहीं बिक्रमगंज नगर के मौनी बाबा कुटिया आश्रम व काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत घरवासडीह मठ में भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। साथ ही, शिष्यों ने अपने गुरुओं को आसन प्रदान कर श्रद्धानुसार उनकी पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद ग्रहण किया। पर्व पर सुबह से ही लोगों में उत्साह देखने को मिला। स्नान के बाद लोगों ने पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों की तरफ रूख किया। पूजन व दान कर गुरु के प्रति कृतज्ञता जताई। अनुमंडल के सभी विद्यालयों सहित अन्य मंदिरों में भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई जो देर रात तक रही। पर्व पर पूरे दिन पूजन और दान करने का सिलसिला चलता रहा। अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत कुछ-कुछ देवालयों सहित अन्य स्थलों पर भजन-संध्या का भी हुआ आयोजन किया गया। साथ ही साथ भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें हजारों-हजार की संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर महाप्रसाद भी ग्रहण किया। उसके उपरांत सभी देवालयों में संध्या आरती, पूजन ,भजन एवं कीर्तन का आयोजन किया गया।

महर्षि मैंही ध्यान योग आश्रम में बड़े धूमधाम के साथ मनाया गयागुरु पूर्णिमा



डेहरी। आज महर्षि मैंही ध्यान योग आश्रम अंबेडकर चौक में गुरु पूर्णिमा बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया इस शुभ अवसर पर महर्षि मेंही ध्यान योग समाधि स्थल पर संत शिरोमणि महर्षि मेंही जी का चरण पादुका महर्षि मेंही ध्यान योग आश्रम के अध्यक्ष पवन कुमार झुनझुनवाला एवं उनकी पत्नी मीना झुनझुनवाला ने ढोल नगाड़े के साथ नंगे पैर चरण पादुका को अपने सर पर रखकर समाधि स्थल तक ले गए सभी सत्संगी सदगुरु महाराज की जय लग रहे थे उसके बाद चरण पादुका की स्थापना की गई भंडारे में हजारों लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया इस अवसर पर भागलपुर से चलकर आए डॉक्टर गुरु प्रसाद बाबा गुरु प्रसाद बाबा त्रिपाठी बाबा ज्ञानेश्वर बाबा राजेंद्र बाबा संरक्षक संत शर्मा भोला प्रसाद सोनी रामजी प्रसाद गुप्ता उपाध्यक्ष गौतम पंडित भिखारी राम सदस्य संजय गुप्ता अर्जुन केसरी राजू सोनी संतोष सोनी सुशील कुमार भोला शाह व्यास प्रसाद अजय प्रजापति अरविंद कुमार अमित कुमार इत्यादि

खबरें फटाफट

महादलित टोले में छापेमारी

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के महादलित टोले में पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में अर्द्धनिर्मित शराब बरामद करने में सफलता पायी हैं। रविवार को पुलिस को मिली सूचना के बाद पुलिस की टीम दलित टोले में पहुंची और जमीन की खुदाई कर गैलन में छिपाकर रखे गये करीब तीन सौ लीटर अर्द्धनिर्मित जावा महुआ शराब बरामद कर उसे विनष्ट किया। पुलिस को देख तस्कर वहां से भागने में कामयाब रहें। कोरानसराय थानाध्यक्ष संजय कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि महादलित टोले के परती जमीन के गंदगी के बीच गैलनों मे भरकर शराब को छिपाया गया था। जिसे पुलिस ने खुदाई कर बाहर निकाला और उसे विनष्ट किया। हालांकि पुलिस के देख धंधेबाज भाग निकला। फरार धंधेबाज की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही हैं।

मारपीट के मामले में पुलिस ने चार को गिरफ्तार किया

चैनपुर। गोलीबारी और मारपीट के मामले में पुलिस ने चार को गिरफ्तार किया यह कार्रवाई कैमूर जिले के चैनपुर थाने की पुलिस ने की है। पुलिस ने चैनपुर थानाक्षेत्र के सिकंदरपुर गांव में हुई मारपीट व गोलीबारी मामले में चार को गिरफ्तार की हुई है। जिस में सिकंदरपुर गांव निवासी सरदार खान का बेटा भुटी खान उर्फ जुल्फिकार खान,इलियास अंसारी का बेटा बरकत अंसारी उर्फ बरकत जावेद,स्व. अजीज जमा खान का बेटा अछू खान और स्व लियाकत अली खान का बेटा बभर खान उर्फ बद्दु खान को गिरफ्तार किया है। वही इस मामले में चैनपुर पुलिस में कई अज्ञात लोगों को भी पूछताछ के लिये हिरासत में लिया गया। पकड़े गए आरोपियों के निशानदेही पर पुलिस ने घटनास्थल से 12 बोर का दो खोखा, बिलाल खान के घर से 12 बोर का तीन खोखा, खलील खान के मुर्गी फॉर्म से 12 बोर का 11 खोखा व तीन कारतूस व बरकत अंसारी के छत से बगैर मैग्जीन का एक देशी पिस्टल बरामद किया। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस द्वारा सभी आरोपियों को थाना ले जाया गया। थाने में पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ कागजी कार्रवाई करते हुए सभी का मेडिकल जांच कराया गया।

जखमी युवक का आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में कराया जा रहा इलाज

भोजपुर में रास्ते के विवाद को लेकर भाई ने चचेरे भाई को मारी गोली

- घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुटी पुलिस
- जगदीशपुर थाना क्षेत्र के कौंरा के टोला गांव में रविवार की सुबह घटी घटना

केटी न्यूज/आरा





भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के कौंरा के टोला गांव में रविवार की सुबह रास्ते के विवाद को लेकर शौच करने गए भाई को चचेरे भाई ने गोली मार दी। जख्मी युवक को गोली दाहिने साइड कनपट्टी में मारी गई है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद पर परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। हालांकि परिजन उसे पटना ना ले जाकर उसे इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल ले गए जहां उसका इलाज कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार जख्मी युवक जगदीशपुर थाना क्षेत्र के कौंरा के टोला गांव निवासी पलटू भगत का 35 वर्षीय पुत्र दिनेश पाल है। वहीं घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। इधर जख्मी युवक के भाई उमेश पाल ने बताया कि उनके पट्टीदार से ही 10 फीट रास्ते को लेकर एक वर्षों से विवाद चल रहा है। उन लोगों का हिस्सा सड़क पर और हमारा हिस्सा बधार में मिला है। उनके द्वारा हम लोगों के रास्ते पर ही घर बना दिया गया है। जब हम लोगों ने उनसे रास्ता मांगा तो उन्होंने देने से मना कर दिया। इसे लेकर उनके द्वारा कहा गया था कि मैं तुम्हारे छोटे भाई व बेटे को टारगेट कर लिया हूं और मैं उन्हें गोली मार दूंगा। रविवार की सुबह जब उनका छोटा भाई दिनेश पाल शौच करने का गया था। उसी बीच उक्त पट्टीदार के लड़के द्वारा उसे गोली मार दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखकर पटना रेफर कर दिया गया। हालांकि परिजनों से पटना ना ले जाकर उसे इलाज की तरह शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल ले आए जहां जहां उसका इलाज कराया जा रहा है।वही दूसरी ओर जख्मी दिनेश पाल के भाई उमेश पाल ने अपने उक्त पट्टीदार के लड़के जितेंद्र कुमार पर अपने छोटे भाई दिनेश पाल को गोली मारने का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। वही इलाज कर रहे हैं सर्जन चिकित्सक डॉ. विकाश सिंह ने बताया कि जख्मी युवक को गोली बाएं साइड कनपट्टी पर लगी थी जो दाहिने साइड जाकर फांसी हुई थी। ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया है और उसके क्षतिग्रस्त पाट्र्स को रिपेयर कर दिया गया है। अभी मरीज की स्थिति स्टेबल है। लेकिन उसे अभी ऑब्जर्वेशन में ही रखा जाएगा।

बालू लोडर वाहन ने मजदूर को कुचला, मौत

आरा। भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र के साड़ी पर गांव स्थित बालू स्टॉक पर शनिवार की देर रात बालू लोडर वाहन ने एक मजदूर को कुचल दिया। हादसे में उनकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक चांदी थाना क्षेत्र के बिशनपुर गांव वार्ड नंबर 11 निवासी स्व. श्री चौधरी के 44 वर्षीय पुत्र बहादुर चौधरी हैं वह पेशे से मजदूर थे एवं सारीपुर बालू स्टॉक पर काम करते थे।

वही मौत की सूचना ना मिलने पर मृतक के परिजनों का आक्रोश भड़क उठा। जिसके बाद सूचना पाकर परिजन आरा सदर अस्पताल पहुंचे और पोस्टमार्टम करवाने से मना कर दिया और कुछ देर अस्पताल में जमकर हंगामा भी किया। इसके बाद स्थानीय थाना द्वारा काफी समझाने-बुझाने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। इधर मृतक के भतीजे सुपन चौधरी ने बताया कि वह सारीपुर गांव बालू स्टॉक पर काम करते थे। शनिवार की देर रात जब वह सारीपुर गांव से बालू स्टॉक पर बालू को चारों तरफ से ठीक कर रहे थे। उसी दौरान बालू लोडर वाहन ने उन्हें कुचल दिया। जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गए। इसके बाद चौकीदार द्वारा शव की पहचान करने के बाद भी उनके परिजनों को कोई सूचना नहीं दी गई और स्थानीय थाना द्वारा उन्हें पिकअप पर लाद कर आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद वहां काम कर रहे अन्य लोगों द्वारा इसकी जानकारी उनके परिजनों को मिली।

त्रिस्तरीय ग्राम पंचायतों में निविदा के विकास कार्य प्रणाली की दी जा रही मंजूरी, प्रतिनिधि करेंगे विरोध

केटी न्यूज/संझौली



त्रिस्तरीय ग्राम पंचायतों द्वारा कराए जाने वाले सभी विकास कार्यों को टेंडर के माध्यम से कराए जाने के सरकार के निर्णय के विरोध में पंचायत प्रतिनिधि अब आंदोलन करेंगे। इसको लेकर संझौली प्रखंड स्थित पंचायत सरकार भवन में रविवार की प्रखंड प्रमुख समीरचन्द चौधरी की अध्यक्षता में एक बैठक आहूत हुई। इस बैठक में प्रखंड के बिभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा जो त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में कार्य कराने की नए नियमावली जो त्रिस्तरीय पंचायतों में निविदा विकास कार्य प्रणाली की मंजूरी दी जा रही है। उसका विरोध प्रखंड प्रमुख सहित पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। उनलोगों के द्वारा बताया गया कि सरकार का अपना ही सिष्टम पर भरोसा नही है। अभी बर्तमान में जो, कार्य के अभिकर्ता और उसका पंचायत सचिव अभिकर्ता व तकनीकी सहायक के माध्यम से कराई जाती है। नए नियमावली त्रिस्तरीय पंचायतों में निविदा विकास कार्य प्रणाली से कार्य कराने से पंचायत स्तर की योजना जो पहले से क्रियान्वयन में बाकी है। ऐसे नियमावली से और उसकी गति धीमी पड़ जाएगी। इसको लेकर सारे त्रिस्तरीय प्रतिनिधि चरणबद्ध आंदोलन कर त्रिस्तरीय पंचायती राज विभाग में हुए नये नियमवाली का विरोध करेंगे। इस मौके पर मुखिया संघ के अध्यक्ष मिथलेश सिंह,मुखिया प्रतिनिधि सुनील कुमार गुप्ता,जीप उपाध्यक्ष प्रतिनिधि ई.प्रभात कुमार, उप प्रमुख प्रतिनिधि वरूण सिंह, पंचायत समिति सदस्य मंटू कुमार उर्फ नरेन्द्र कुमार,अरुण कुमार, उदयपुर मुखिया प्रतिनिधि शत्रुध्न चौधरी मौजूद थे।

मृतक के पत्नी को सीओ ने दिया 4 लाख रुपये का चेक



काराकाट। ठनका से मौत मामले में सीओ ने मृतक की पत्नी को चार लाख रुपए का चेक दिया। ज्ञात हो कि प्रखंड के बेनसागर पंचायत के संझौली मठ गांव के बधार में बीते 10 जुलाई दिन बुधवार को खेत में काम कर रहे एक किसान की ठनका के चपेट में आने से संझौली मठ गांव निवासी बिनोद प्रजापति के 20 वर्षीय पुत्र सोहराई प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई थी। दरअसल, बुधवार को संझौली मठ गांव में गर्जन व चमक के साथ तेज बारिश हो रही थी, तभी अचानक इस गांव के बधार में आकाशीय बिजली गिर पड़ी। जिसके चपेट में सोहराई प्रजापति आ गए जहां उनकी मौत हो गई। जिसके बाद काराकाट विधायक अरुण कुमार व सीओ रितेश कुमार ने शनिवार देर शाम को मृतक सोहराई प्रजापति के पत्नी मंजू कुमारी को आपदा मद से चार लाख की सहायता के तौर पर चेक सौंपा।

गुरु पूर्णिमा पर शांतिधाम उधुरा में एक पेड़ गुरू के नाम का आयोजन कर किया गया पौधरोपण

पेड़ पौधे धरती के श्रृंगार ही नहीं, हमारी जरूरत व जिम्मेदारी भी: शैलेश

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर



ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत शान्तिधाम उधुरा के श्रीराम मंदिर प्रांगण में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर एक पेड़ गुरू के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत चंदन एवं स्थल कमल का पौधा लगाया गया। साथ ही गोकुल जलाशय तट पर पीपल तथा कदंब आदि पौधों का रोपण किया गया एवं उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर दक्षिण बिहार पर्यावरण संरक्षण गतिविधि पेड़ उपक्रम प्रमुख रमेश कुमार सुदामा ने कहा वृक्षारोपण हमारी पृथ्वी एवं जीवन की रक्षा के लिए सबसे बेहतरीन उपायों में से एक है। यह हमारे जीवन का हिस्सा नहीं है, बल्कि हमारे जीवन की जड़ है। वृक्ष ऑक्सीजन, छाया देने के साथ साथ वायु प्रदूषण को कम करते है और जीवों के लिए एक सुरक्षित आवास प्रदान करते है। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के जिला सह संयोजक शैलेश ओझा ने कहा पेड़ पौधे धरती के श्रृंगार ही नहीं हमारी जरूरत और जिम्मेदारी भी है। हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम अपने पृथ्वी की रक्षा करने के लिए नियमित रूप से पेड़ लगाएं एवं उनकी संरक्षण करें। भविष्य में भरपूर मात्रा में नैसर्गिक ऑक्सीजन मिले इसके लिए पेड़ों को कटने से भी बचाना होगा। श्री ओझा ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मानवीय आवश्यकताओं तथा अन्य कारणों से तेजी से पेड़-पौधों को काटा गया है। जिसका असर अब दिखाई पड़ने लगा है। इस कार्यक्रम में दक्षिण बिहार पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के प्रमुख रमेश कुमार सुदामा, सह प्रमुख नित्यानंद ओझा, मंदिर के पुजारी जगदीश बाबा, सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य विक्रमा तिवारी, संजय मिश्र, विशाल सिंह, आनंद शर्मा, नौशाद, मुन्ना एवं राजेश आदि लोग शामिल थे।

श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

डुमरांव। अनुमंडल क्षेत्र में रविवार को गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व बड़े ही श्रद्धा और आस्था के साथ विभिन्न मंदिरों और आश्रमों में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान शिष्यों ने अपने-अपने गुरु के दर्शन कर परंपरागत तरीके से आशीर्वाद लिया। शिष्यों ने गुरु के चरण वंदना कर अपने गुरु के प्रति सम्मान, समर्पण की भावना व्यक्त कर पूजा-अर्चना की। कोरानसराय स्थित राधेकीर्तन ब्रम्ह बाबा मंदिर के परिसर में भक्तों ने पूजा-अर्चना कर महाप्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के महंत पंडित दीपक तिवारी जी महाराज के यहां पूरे दिन भक्तों की टोली उमड़ी रही। भक्तों के सहयोग से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें महिला व पुरूष श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान महंत श्री तिवारी ने कहा कि गुरु के ज्ञान और इनके स्नेह के प्रति आभार प्रकट करने के लिए पूर्णिमा पर गुरु पूजन का विशेष महत्व है। गुरु पूजन से मानव के सत्कर्मों का फल मिलता है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में भी गुरुओं को विशेष स्थान मिला हैं। मौके पर आचार्य आदित्य तिवारी जी महाराज, आचार्य ऋषभ तिवारी जी महाराज, आचार्य धनु जी महाराज, श्रीभगवान राय, पिंटू राय, छोटू राय व अन्य मौजूद रहे।

बलिया में ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

केटी न्यूज/ बलिया

♦ सागरपाली रेलवे स्टेशन के पास हुआ हादसा

फेफना थाना अंतर्गत वाराणसी-छपरा रेलखंड स्थित सागरपाली हॉल्ट रेलवे स्टेशन पर डाउन साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन से एक विवाहिता कट गई। सूचना पर पहुंची फेफना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतका की शिनाख्त राजकुमारी 22 वर्ष पुत्री पंचमी राम निवासी हैदरचक थाना फेफना जिला बलिया के रूप में की गई। बताया जा रहा है कि मृतका मंदबुद्धि की थी। फेफना थाना क्षेत्र के हैदरचक निवासी पंचमी राम की पुत्री राजकुमारी की शादी मंदबुद्धि होने के कारण टूट गए थे जिसके कारण राजकुमारी मायके में ही रहती थी मायके वाले उसे घर के कमरे में बंद करके रखते थे ताकि इधर उधर न जा सके।

रविवार को घर वाले काम करने लगे। इसी बीच महिला घर से निकली और सागरपाली स्टेशन पर किसी तरह पहुंच गई



जो डाउन साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि मृतका का इलाज गोरखपुर जिले से चल रहा था।

लेखपाल की लापरवाही, मृत की जगह जीवित का किया वरासत

केटी न्यूज / गाजीपुर

जनपद के दुल्लहपुर थाना अंतर्गत ओडराई गांव के स्टेट हाई-वे पर स्थित हनुमान मंदिर के पास एक ही गाटा संख्या में कई लोगों ने भूमि की खरीददारी की है। जिसमें शहर कोतवाली अंतर्गत सोंहुलिया उर्फ बकुलियापुर निवासी विधवा शांति देवी ने भी भूमि बैनामा कराया था। इसमें शांति देवी का 18 फरवरी 2024 में आकस्मिक निधन हो गया। इसके बाद मृतका के पुत्र शेषनाथ चौहान लेखपाल को वरासत करने के लिए सारे डॉक्यूमेंट दे दिया और ऑनलाइन मेहनताना ?300 भी चार्ज किया गया। इसके बाद लेखपाल को सुविधा शुल्क न देने पर उसने ऐसी तरकीब निकाली की एक ही गाटा संख्या में रह रही सोनहडा थाना दुल्लहपुर निवासी



शांति देवी पत्नी मुद्रिका के नाम वरासत कर दिया। जिनके नाम का वरासत किया गया है वह पति- पत्नी दोनों ही जिंदा है। इसे लेकर पीड़ित शेषनाथ चौहान ने लेखपाल से मिलकर शिकायत की तो उसने अपनी गलती बताते हुए कहा की कोर्ट में इन धारा के साथ आवेदन करें। मैं इसमें गवाही दे दूंगा। इसके बाद पीड़ित ने मुख्यमंत्री पोर्टल से लेकर राजस्व विभाग को ऑनलाइन शिकायत की है। आवेदनकर्ता ने कहा कि लेखपाल साहब अब पूछने पर वह कहते हैं कि गलती हो गया है, कोर्ट में जाएंगे तब जाकर सुधार होगा। अब पीड़ित शेषनाथ चौहान ने उच्चाधिकारियों से शिकायत करके न्याय की गुहार लगाई है। इस मामले में उप जिलाधिकारी कमलेश सिंह ने कहा कि वरासत आनलाइन के माध्यम से आवेदन आता है। जिसमें त्रुटि हुई होगी तो तहसीलदार को आवेदन दें, जहां से गलत वरासत को खारिज करके सही वरासत चढ़ाया जाए। फिलहाल इस मामले में जांच करवाते हैं। आखिर गलती कैसे हुई है ?

खबरें फटाफट

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत, मचा कोहराम

बलिया। रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के सरदासपुर गांव निवासी ओम सिंह (28) पुत्र भूपेंद्र सिंह रविवार की दोपहर घर की बिजली सही करते वक्त करेंट की चपेट में आ गया। परिजनों ने तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसड़ा पहुंचाया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि युवक घर की बिजली खराब होने पर उसे ठीक करने का प्रयास कर रहा था कि उसका हाथ नंगे तार से स्पर्श हो गया।

जल संरक्षण के लिए दिलाई गई शपथ

गाजीपुर। भूजल सप्ताह -2024 के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला क्रीडा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक ने नेहरू स्टेडियम में बच्चों की मैराथन दौड़ 100 मीटर, 200 मीटर, 300 मीटर एवं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में जल संरक्षण के लिए सबको शपथ दिलाई गई। इस मौके पर सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई तथा जनपद के समस्त अवर अभियन्ता लघु सिंचाई एवं बोरिंग टेक्नीशियन व सहायक बोरिंग टेक्नीशियन को भी सम्मिलित किया गया।प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सहायक अभियंता लघु सिंचाई तथा जिला क्रीडा अधिकारी द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया और बच्चों को भूगर्भ जल विवेक पूर्ण प्रयोग करते हुए समाज को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही वर्षा एवं जल संचयन के लिए जानकारी प्रदान की गई। प्रतियोगिता के समापन के पश्चात सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई का निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विकास खंड रेवतीपुर के ग्राम सभा रेवतीपुर में पंचायत भवन पर भूगर्भ जल के विषय में जन जागरूकता के लिए गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई द्वारा की गई।

बांसडीह में शनिवार को दो गुटों के बीच की लड़ाई में चली गई युवक की जान

कोतवाली के सामने सरेआम हत्या मामले में इंस्पेक्टर का बाल बांका तक नहीं हुआ

♦ हत्या ने साबित किया प्रदेश में बदमाशों में नहीं है अफसरशाही का खौफ

तिलक कुमार/ बलिया

वह समय बीत गया जब जिले में एक हत्या होती थी तो पुलिस अधीक्षक तक अपने उपर कार्रवाई को लेकर भयभीत रहते थे। मगर अब यह इतिहास की बात हो गई। शनिवार को बांसडीह कोतवाली गेट के सामने दिन दहाड़े एक दर्जन लोगों ने धारदार हथियार से युवक को काट डाला, हत्या की यह घटना झटके में नहीं हुई। बल्कि कुछ देरतक हमलावर युवक पर धारदार से तब तक हमला करते रहे, जब तक उसकी मौत कंफर्म नहीं हो गई। हैरत वाली बात यह है कि कोतवाली के सामने हुई इस निर्मम हत्या को देखकर पुलिसवाले भी इधर-उधर छुपते नजर आए।

आपकी जानकारी के लिए बता



दें कि दो गुटों की लड़ाई में शनिवार की सुबह बदमाशों ने मारपीट के दौरान जान बचाकर भाग रहे युवक की कोतवाली के मुख्य द्वार के सामने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। वहीं कस्बे के ही एक अन्य युवक शुभम को भी टांगी से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मृतक की पहचान रोहित पांडेय पुत्र दीप नारायण पांडेय के रूप में हुई। उसके सिर पर चापड़ और गड़ासा के गंभीर प्रहार से घायल हो गया था। घटना के बाद कोतवाली के सामने बाजार में हड़कंप मच गया था। लोग इधर उधर भागने लगे। बवाल देख कोतवाली से पुलिसकर्मी भी मौके पर पंहुचे। लेकिन तब तक हमलावर वहां से भाग निकले थे। मौके पर घायल युवक व बिखरे खून को देख कर हतप्रभ पुलिसकर्मियों ने कोतवाल संजय सिंह को इसकी सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पंहुचे कोतवाल ने घायल को सीएचसी बांसडीह भेजा। जहां से उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेज दिया गया, जहां पंहुचने से पहले ही युवक की रास्ते मे ही मौत हो गयी थी।

पुलिस के शह पर कोतवाली के सामने हुई हत्या!

बांसडीह कोतवाली के सामने दिनदहाड़े हुई हत्या के बाद पुलिस की काली करतूत परत दर परत सामने आ रही है। परिजनों के अनुसार मुख्य हत्यारोपी रोहित यादव पूर्व में भी एक युवक पर टांगी से हमलाकर घायल कर दिया था, उस समय पुलिस द्वारा संगीन धारा में मुकदमा दर्ज करने के बजाय पुलिस मामूली 323, 504 व 506 के तहत मुकदमा दर्ज कर इतश्री कर ली थी। यदि उस समय सख्त कार्रवाई की होती है तो आज इस तरह की हत्या न हुई होती।

...मार खाया जोलहा

बांसडीह कोतवाली के सामने इस तरह हुई हत्या के बाद एसपी ने दो सिपाही को निलंबित कर अपनी पीठ थपथपाने में लगी हुई है। ऐसे में पुलिस विभाग पर यह कहावत सटिक चरितार्थ होने लगी है कि खेत खाए गदहा और मार खाए जोलहा। जबकि पूरी वारदात में अब एक इंस्पेक्टर का रोल प्रमुख बताया जा रहा है। लेकिन एसपी साहब दो सिपाही को निलंबित कर अपनी पीठ थपथपाने में लगी हुई है।

निर्मम हत्या के मामले की जांच करेगा एआईएमआईएम का प्रतिनिधिमंडल

बांसडीह कोतवाली के सामने हुई निर्मम हत्या के मामले में एआईएमआईएम के प्रदेश महासचिव मोहम्मद शमीम खान ने बताया कि पूरे मामले की जांच करने एआईएमआईएम का प्रतिनिधिमंडल बांसडीह पहुंचेंगे। इसके बाद मानवाधिकार से लगायत राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपेंगे। जरूरत पड़ी तो सड़क पर उतरकर आंदोलन भी करेंगे।

पहली सोमवारी के साथ सावन का आगाज

♦ बाबा के भक्तों के दर्शन के लिए बालेश्वर नाथ के भोर से खुलेंगे कपाट

♦ रविवार को जनपद से कांवरियों का जत्था बाबा धाम के लिए हुआ रवाना

केटी न्यूज/ बलिया

आज पहली सोमवारी के साथ सावन माह आरम्भ हो जाएगा। इसको लेकर नगर से लेकर ग्रामीणांचलों के प्रमुख शिवालयों को रंग रोगन के साथ ही प्राकृतिक व अप्राकृतिक फूलों से साज-सज्जा किया जा रहा है। वहीं भक्ति गीत के लिए ध्वनि यंत्र भी लगाए गए है। आज भोर में बाबा के भक्त गंगा में डुबकी लगाकर पूजन-अर्चन कर बाबा धाम के लिए रवाना होंगे। उधर, कुछ कांवरियों का जत्था सावन के पहले दिन बाबा धाम में जल चढ़ाने के लिए शनिवार व रविवार को रवाना हो गया। नगर से लेकर कस्बा में गेरुआ वस्त्र, कांवरियां सामान की दुकाने सजकर तैयार है। वहीं नगर के बाबा बालेश्वर नाथ व



बाबा भृगु नाथ मंदिर में भक्तों के दर्शन पूजन के लिए महिला व पुरुष के लिए अलग-अलग गेट बनाए गए है। ताकि भक्तों को कोई असुविधा न हो सकें। सुरक्षा के मद्देनजर महिला व पुरुष पुलिस के साथ खुफिया विभाग भी सक्रिया रहेगा। नगर के बालेश्वर मंदिर, गोलारोड स्थित कैलास धाम मंदिर, मिड्ढी स्थित शिव मंदिर व भृगु मंदिर के साथ ही नगर से सटे देवकली गांव स्थित देवकलेश्वर मंदिर, नगरी स्थित नटकेश्वर मंदिर, मिड्ढा के बाजार व गोरथाना के पोखरा स्थित शिव मंदिर, निधरिया स्थित पंच मंदिर, हनुमानगंज स्थित कपलेश्वर मंदिर को प्राकृतिक व अप्राकृतिक फूलों से सजाया गया है। जहां शिव भक्त का सावन के पहली सोमवार को पहले दिन दर्शन-पूजन अर्चन करेंगे। उधर, ग्रामीण क्षेत्र के दिउली स्थित बाबा बालखंडी नाथ, छितौनी स्थित बाबा छितेश्वर नाथ, सहतवार कस्बा स्थित पंच मंदिर, असेगा स्थित शोकहरण नाथ, कारो स्थित कामेश्वर नाथ, कोटवा स्थित बाबा मुक्ति नाथ, रसड़ा स्थित श्रीनाथ व लखनेश्वर डीह, बड़सरी स्थित अवनी नाथ, भड़सर स्थित दुःखहरण नाथ, ब्यासी स्थित हरिहर नाथ, नगवां स्थित नागेश्वर नाथ, इब्राहिमपट्टी स्थित अवभूतेश्वर नाथ, बांसडीह कस्बा स्थित भुटेश्वर व रघुवेश्वर नाथ, थम्हनपुरा स्थित बाबा धर्मेश्वर नाथ मंदिर को भी सजाया गया है, जहां बाबा के भक्त सावन के पहले दिन वेलपत्र, भांग, धतूरा, भस्म, चंदन, फूल-माला, प्रसाद आदि चढ़ाकर पूजन-अर्चन कर परिवार के मंगलमय की कामना करेंगे। इसके अलावा रूद्राभिषक व जलाभिषक भी करेंगे।

अनाथ परिवार के बीच पहुंचा मदद संस्थान

केटी न्यूज / बलिया

♦ मदद संस्थान की टीम ने अनाथ परिवार को किया आर्थिक सहयोग

मानवता की सेवा में बढ़ते कदम के क्रम में रविवार को मदद संस्थान ने धर्मपुरा गांव स्थित एक अनाथ परिवार के बीच पहुंचकर अपने समर्थ के अनुसार सहयोग करते हुए उनके दुःख को कुछ साझा किया । बता दे कि हनुमानगंज विकासखंड के धर्मपुरा गांव निवासी ओमप्रकाश राजभर का निधन पिछले जून महीने में हो गया था। उनके निधन के बाद उनके परिवार की माली हालत खराब हो गई। परिवार के मुखिया के चले जाने के बाद ओमप्रकाश राजभर की पत्नी मंजू देवी किसी तरह अपने परिवार का पालन पोषण बड़ी कठिनाई से कर रही हैं। इस बात का संज्ञान मदद संस्थान को होने पर संस्थान ने यह निर्णय लिया कि इस पीड़ित अनाथ परिवार की मदद की जाएगी। जिसके क्रम में रविवार को मदद संस्थान की टीम मंजू देवी के घर पहुंच कर संस्थान की तरफ से 5000 का चेक के साथ छह पीस साड़ी, कपड़ा, बर्तन, चावल, मिठाई और सभी सदस्यों के लिए चप्पल के अलावा एक सदस्य के तरफ से दो हजार रुपए नगद भी उपलब्ध कराया गया। इस मौके पर मदद संस्थान के अध्यक्ष अखिलानंद तिवारी ने कहा कि पीड़ित परिवार की हर संभव मदद की जाएगी। उनके बच्चों के पठन-पाठन पर भी ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने धर्मपुरा प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक जो मदद संस्थान टीम के सदस्य हैं उनसे विधिवत बातचीत की। उन्होंने मंजू देवी से कहा कि भविष्य में किसी चीज की आवश्यकता हो तो आप निश्चित रूप से मास्टर साहब के माध्यम से हम लोगों को अवगत कराएं। सहयोग के बाद मंजू देवी ने मदद संस्थान परिवार को दिल से धन्यवाद दिया। इस मौके पर अध्यक्ष अखिलानंद तिवारी, अरुणेश पाठक, शशांक शेखर पांडेय, जितेंद्र उपाध्याय, आदि शामिल थे।

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रांगण में स्वागत समारोह का आयोजन, कांग्रेस ने भाजपा पर किया वार

राजेश सिंह बोले... भारतीय जनता पार्टी दल नहीं गिरोह है

केटी न्यूज / बलिया

बलिया रोडवेज के पास स्थित जिला कांग्रेस कमेटी के प्रांगण में जिलाध्यक्ष उमाशंकर पाठक की अध्यक्षता में एआईसीसी के पूर्व सदस्य राजेश सिंह का स्वागत समारोह सम्पन्न हुआ। राजेश सिंह विगत दिनों उप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के समक्ष लखनऊ में भाजपा से त्यागपत्र देकर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की थी।

स्वागत समारोह में बोलते हुए राजेश सिंह ने कहा कि हमारी विचारधारा भारतीय जनता पार्टी से कभी मिल नहीं सकती है। भारतीय जनता पार्टी दल नहीं एक गिरोह के रूप में काम करती है। जिसमें कुछ सरदार लूट का काम करता है और



कुछ सरदार दूसरों के चरित्र पर लांछन एवं दाग लगाने का काम करता है। भारतीय जनता पार्टी में तीन तरह के लोग हैं। अपने को ठगा महसूस करने वाले ईमानदार कार्यकर्ता, दूसरा आटा पोतकर भंडारी बने मठाधीश और तीसरा ठगो के सरदार बड़े नेता जो पूरे प्रदेश को लूट का अड्डा बनाये हुए हैं। श्री सिंह ने कहा कि पूरा देश ही नहीं विश्व राहुल गांधी जी के तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहा है। लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी सदैव संघर्ष करती है और देश के आजादी से लेकर सुई से जहाज तक बनाने का काम किया। आज पीड़ा होती है जब से उत्तर प्रदेश में योगी सरकार और देश में मोदी सरकार आई है, नौजवान बेरोजगार, किसान, दलित महिला सभी लोग काफी परेशानी का सामना कर रहे हैं। इस मौके पर प्रमुख रूप से दिग्विजय सिंह, घनश्याम सहाय, ओमप्रकाश तिवारी, श्रीमती ऊषा सिंह, महिला अध्यक्ष अनुपमा सिंह, रामधनी सिंह, पारसनाथ वर्मा, जैनेन्द्र पाण्डेय मिन्टू, राहुल सिंह सागर, अनुभव तिवारी, विशाल चैरसिया, प्रभात सिंह, अशोक सिंह, दुर्गेश सिंह, अवधेश ठाकुर, अरूण यादव, प्रदीप तिवारी, शाहिद अली खान, ओमप्रकाश सिंह, अंजनी लाल चैबे, विवेक ओझा, अभीजीत सिंह, राजनारायण उपाध्याय, अबुल फैज, अहमद रजा, राकेश सिंह गाड, वेदप्रकाश गुप्ता, अभिषेक पाठक, बृजेन्द्र पाण्डेय मुखिया, यश मिश्रा बन्टी, संगेश मिश्रा इत्यादि लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री उमाशंकर पाठक एवं संचालन सिकन्दरपुर विधान सभा के पूर्व प्रत्याशी बृजेश सिंह गाट ने की।

एक नजर

गाजीपुर जनपद में गंगा के जलस्तर में बढ़ोत्तरी को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में

गाजीपुर। गंगा के जलस्तर में तेजी से हो रही बढ़ोत्तरी को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मूड में है। इसके मद्देनजर रेवतीपुर थाना परिसर में उपजिलाधिकारी संजय यादव, सीओ अनुप कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन, ग्रामीणों एवं बाढ़ राहत बचाव दल की संयुक्त बैठक की गई। जिसमें बाढ़ के पूर्व तैयारियों पर चर्चा भी किया गया। इस दौरान एसडीएम ने गंगा के जलस्तर में बढोत्तरी को देखते हुए पूरी तरह से अलर्ट रहने की जरूरत बताई। उन्होंने तटवर्ती गावों के लोगों को सतर्क करते हुए कहा कि अभी से सुरक्षित जगहों पर चले जाएं।उन्होंने कहा कि वैसे प्रशासन के बाढ़ पूर्व सभी तरह की तैयारियां पूरी कर ली है। सीओ अनूप कुमार सिंह ने कहा कि बाढ़ के दौरान ग्रामीण, पुलिस प्रशासन एवं बाढ़ राहत बचाव दल के बीच आपसी समन्वय के लिए व्हाट्सप ग्रुप बनाया जाए ताकि अपरिहार्य परिस्थितियों में सूचना तत्काल मिल सके। साथ ही उन्होंने आह्वान किया कि बाढ़ को लेकर बेवजह कोई अफवाह न फैलाई जाए। प्रशासन ने बाढ़ से बचाव को लेकर पूरी तरह से कमर कस ली है। दर्जनों छोटी -बड़ी नावों की व्यवस्था कर ली गई है। बाढ़ के दौरान रेस्क्यू के लिए एक प्लाटून पीएसी (33) जवान एक एल्मुनियम बोट एवं दो रबर मोटर बोट आदि साजोसमान के साथ पहुंच चुके हैं, जो किसी भी सूचना पर पांच मिनट में घटना स्थल पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य में जुट जाएगें। कहा कि संबंधित ब्लाक मुख्यालय को बाढ़ नियंत्रण कंट्रोल रूम बनाया गया है, जो अभी से एक्टिव है। वहां कर्मचारी तैनात किए गए हैं। उन्होनें सभी से आह्वान किया कि पूर्व में बाढ़ से प्रभावित गावों, परिवारों की सूची तैयार कर बाढ़ नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध करा दें। ताकि बाढ़ के समय राहत व बचाव कार्य में आसानी रहे। इस अवसर पर थानाध्यक्ष भूपेन्द्र कुमार निषाद, उपनिरीक्षक लल्लन यादव, पूर्व प्रमुख मुकेश राय, लल्लन सिंह आदि मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा... चकेरी धाम पर संत त्रिवेणी दास की लोगों ने की पूजा-अर्चना

गाजीपुर। गंगा के तटवर्ती क्षेत्र चकेरी धाम पर गुरु पूर्णिमा चकेरी धाम के महंथ महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 संत त्रिवेणी दास जी महाराज के नेतृत्व में मनाया गया।इस अवसर पर भक्तों को संबोधित करते हुए श्री महाराज ने कहा कि गुरु परमात्मा का रुप होता है, जो जीव व परमात्मा के बीच सेतु का काम करता है। माया में भटके जीव को आवागमन से छुटकारा दिलाने के लिए कार्य करता है। यह मानव जीवन क्षणभंगूर है, आज मिला है। कल मिलेगा या नहीं इसकी कोई गारंटी नहीं है। संत इस धराधाम पर अपनी इच्छा से नहीं आते हैं, वह परमात्मा का भेजा हुआ दूत है, जो चुनी हुई आत्मा? को इक्ट्ठा करके उपदेश देता है। वह जन्ममरण के बंधन से मुक्त होता है। जीव व परमात्मा के बीच सेतु का काम करता है। कृपा पात्र शिष्य जयप्रकाश दास फलहारी ने कहा जीव इस धराधाम पर क्यों आया है? क्या कर रहा है ? इस धराधाम पर आने का क्या उदेश्य है ? अपने उदेश्य को भूल बैठा हूं, जो समस्त दुः खों का मूल कारण है। परमात्मा कहीं बाहर नहीं वह हमारे अंदर मौजूद है। जिसे सच्चा सदगुरु ही दिखा सकता है। उसे प्राप्त करने के लिए किसी विशेष वेष भूषा व बाहरी आंडंबर की जरुरत नहीं पड़ता है। इन आंखों से भी नहीं देखा जा सकता। इस अवसर पर लोकगीत गायक उमेश यादव, सियाराम यादव, विनोद यादव, धुरभारी यादव, बालक दास आदि लोग प्रमुख रुप से मौजूद थे। आयोजित भंडारा में सैकडों लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। इसी क्रम में रामघाट फूलवारी आश्रम व तुलसीपुर करंडा में परम पूज्य शिवपूजन दास जी महाराज के आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

नाबालिग बच्चों के वाहन चलाने पर 1095 अभिभावकों का किया गया चालान

बलिया। यातायात निदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पांच से 20 जुलाई 2024 तक चलाए गए प्रदेश के सभी जनपदों में नाबालिगों, अवयस्कों द्वारा वाहन चलाये जाने पर वाहन स्वामियों व अभिवावकों के विरूद्ध तथा स्कूली वाहनों का बिना फिटनेस, बिना परमिट के वाहन चलाये जाने के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें क्रम में जनपद के समस्त थानों व यातायात पुलिस बलिया द्वारा विभिन्न स्कूलों, कालेजों व अन्य प्रमुख स्थानों पर 583 गोष्ठियाँ आयोजित किया गया। जिसमें 12194 नाबालिग बच्चों व 5992 अभिवावकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। वही प्रवर्तन की कार्यवाही के तहत 7835 वाहनों की चेकिंग कर 1095 वाहनों को नाबालिगों द्वारा चलाये जाने पर वाहन स्वामियों का चालान किया गया। जबकि बिना फिटनेस, बिना परमिट के संचालित 2552 स्कूली वाहनों को चेक किया गया तथा 154 वाहनों का चालान किया गया।

समय से खाद्यान्न वितरण न होने से शासन ने अब 24 तक वितरण की तिथि निर्धारित की

गाजीपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 योजना के अन्तर्गत माह जुलाई 2024 के सापेक्ष जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को आवंटित खाद्यान्न आठ जुलाई 2024 से 20 जुलाई 2024 तक निःशुल्क वितरण कराए जाने के निर्देश निर्गत किए गए थे। इस संबंध में प्रदेश के कतिपय जनपदों में राशन कार्डधारकों व उपभोक्ताओं को खाद्यान्न का शत-प्रतिशत वितरण न होने के कारण अपर आयुक्त खाद्य तथा रसद विभाग उत्तर प्रदेश जवाहर भवन लखनऊ ने पत्र जारी कर निःशुल्क वितरण पहले 20 जुलाई 2024 तक करने का निर्देश था। अब खाद्यान्न वितरण के लिए 24 जुलाई 2024 तक इसे विस्तारित किए जाने का निर्णय लिया है।जिलाधिकारी ने प्रत्येक उचित दर दुकानों पर खाद्यान्न का भौतिक सत्यापन करने के लिए नोडल अधिकारी नामित किया है। जिनका दायित्व है कि वितरण के पूर्व खाद्यान्न का भौतिक सत्यापन कर लें तथा आख्या सम्बन्धित उपजिलाधिकारी के कार्यालय में प्रेषित करें। राशन कार्डधारकों को पोर्टिबिलिटी के अन्तर्गत खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी अर्थात यदि किसी कार्डधारक को अपनी राशन की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त करने में असुविधा हो तो वह पोर्टिबिलीटी के माध्यम से किसी अन्य उचित दर दुकान से प्राप्त कर सकता है। उक्त योजनान्तर्गत वितरण की अन्तिम तिथि 24 जुलाई 2024 ही नियत होगी। जिस दिन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न न प्राप्त कर सकने वाले उपभोक्ताओं के लिए 24 जुलाई 2024 को मोबाइल ओटीपी वेरीफिकेशन के माध्यम से निःशुल्क वितरण सम्पन्न किया जाएगा।

मानव जीवन में गुरु का स्थान सर्वोपरि, जीवन का मार्गदर्शक होता है गुरु : महामंडलेश्वर

केटी न्यूज / गाजीपुर

गुरु वह होता है, जो शिष्यों को सही मार्ग पर लाता है। किसी भी व्यक्ति को महान बनाने में गुरु का आशीर्वाद स्वरुप मार्गदर्शन प्राप्त होता है। बिना गुरु के मार्गदर्शन के मानव जीवन का कल्याण संभव नहीं है। ऐसे में मानव जीवन में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। उपरोक्त बातें रविवार को सिद्धपीठ हथियाराम मठ पीठाधीश्वर व जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति जी महाराज ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शिष्य श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। सिद्धपीठ पर देश के कोने-कोने से भारी संख्या में जुटे शिष्य श्रद्धालुओं के बीच सर्वप्रथम श्री यति जी महाराज ने अपने ब्रह्मलीन गुरु व सिद्धपीठ के पूर्व पीठधिपति महामंडलेश्वर स्वामी बालकृष्ण यति जी महाराज के श्री विग्रह का पूजन अर्चन कर आरती उतारी। तत्पश्चात उन्होंने शिष्य को संबोधित करते हुए कहाकि व्यक्ति के जीवन में गुरु कृपा का विशेष महत्व होता है। आज गुरु की पूजा करने का दिन बडा ही शौभाग्य से मिला है ।आज के दिन गुरु का आशीर्वाद जिसे प्राप्त हो वह बड़ा ही सौभाग्यशाली हैं। सत्संग में आना अच्छा है, जहां पर धर्म की प्राप्ति



होती है। अगर जगत में गुरु नहीं रहते तो ब्रह्मांड में आग लग जाती जबकि नारी नहीं होती तो धर्म नहीं बचता। शिष्यों का सम्मान ही हमारा कर्तव्य है। देवियां ही धर्म का प्रतीक होती है, बिना पुरुष के स्त्री, बिना स्त्री के पुरुष अधूरा है। संपूर्ण ज्ञान की धारा गुरु मुख से होता है। गुरु का साक्षात दर्शन करना भी गुरुमुख होने से कम नहीं होता। यह सिद्धपीठ 900 वर्षों से 25 गुरुओं के तपस्या की पीठ है, जो आज सिद्धपीठ के नाम से विख्यात है। मै लोगों का आध्यात्मिक नमन करना चाहता हूं। सत्संग के भाव को लेकर श्री यति जी ने कहाकि जैसे एक भंवरा बगीचे में रस लेकर शहद बनाकर शहद का रस लेकर मस्त होता है। उसी तरह मैं विद्वतजनों के बीच रहकर में प्रसन्नचित रहता हूं। मैं शिष्यो के कल्याण के लिए परमात्मा से प्रार्थना करता हूं। भक्ति व आस्था के प्रति शिष्य हैं। जीवन में प्रसन्नता पाना है जो गुरु प्रसाद उनकी वाणी को ग्रहण करें। कार्यक्रम में काफी संख्या में वक्ताओं ने गुरु महिमा का बखान भी किया।

इस अवसर पर डॉक्टर रत्नाकर त्रिपाठी, देवरहा बाबा, डॉक्टर मंगला सिंह, पूर्व कमिश्नर जितेंद्र मोहन सिंह, राजेश्वर सिंह, विजेंद्र राय, भानु प्रताप सिंह, डॉक्टर सानंद सिंह, डॉक्टर ओपी सिंह बी एच यू , अखिलेश सिंह भरौली, रमेश यादव जिला पंचायत सदस्य , शिवानंद सिंह झुन्ना, काशी के वैदिक विद्वानों सहित काफी संख्या में लोग रहे। कार्यक्रम के उपरांत हजारों की संख्या में लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

एक नजर

जिलास्तरीय भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में 46 खिलाड़ियों ने किया प्रतिभाग

चंदौली। जिला स्तरीय भारोत्तोलन चैम्पियनशिप का आयोजन अलीनगर सकलडीहा मोड़ स्थित ज्योति कॉन्वेंट स्कूल में चंदौली जिला भारोत्तोलन एसोसिएशन के द्वारा आयोजित किया गया जिसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से 46 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन कृष्ण मोहन गुप्ता व विनय कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से फीता कटकर किया।इससे पहले मां सरस्वती व हनुमान जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित किया गया। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के साथ खेल का शुभारंभ किया गया। स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ चंदौली के महासचिव कुमार नन्दजी ने खिलाड़ियों को ओलंपियन मीरा बाई चानु से प्रेरित होकर आगे बढ़ने केलिए प्रेरित किया।

चंदौली जिला भारोत्तोलन एसोसिएशन के जिला सचिव प्रदीप यादव ने बताया कि चयनित खिलाड़ी नौ सितंबर से होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता गाजियाबाद में प्रतिभा करेंगे इस दौरान जज के रूप में इंटरनेशनल रेफरी खुशबू यादव के अलावा घनश्याम यादव,सविता यादव, कमलेश सिंह, प्रदीप यादव, विनोद यादव,सत्यम सिंह,सुनील प्रजापति,डॉ दिनेश सिंह,संजीव टंडन ने जज की भूमिका निभाई। बालक वर्ग में कबीर,राजा, रौनक,अंश,कुलदीप,सुभाष, अमित बालक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि बालिकाओं में मानसी, संजना, नेहा, अनुप्रिया, सेजल अपने अपने भार वर्ग में प्रथम स्थान किया। चंदौली जिला भारत्तोलन संघ के सचिव प्रदीप यादव ने कहा कि प्रथम विजेता खिलाड़ियों का सितंबर में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के चयनित किया गया है।

इमाम हुसैन की शहादत पर शब्बेदारी में जुटी मातमी अंजुमने, दर्द भरे नौहे सुन रो पड़े आजादर

जौनपुर। नगर से सटे प्यारेपुर गांव में अंजुमन पैगामे हुसैनी की जानिब से विगत वर्षों की भाती इस वर्ष भी कर्बला के प्यासे शहीदों की याद में



शनिवार को शब्बेदारी में पूरी रात बहत्तर शहीदों की शहादत पर मातमी अंजुमनों ने नौहे पढ़ते हुए मातम किया । इस दौरान इमाम हुसैन अलिहिस्लाम के चाहने वालो ने आंसुओं के जरिए नजराने अकीदत पेश किया । प्यारेपुर में इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के चाहने वालो की रात शब्बेदारी में गुजरी चारो तरफ से हाय हुसैन हाय हुसैन की सदा की गूंज रही थी । शब्बेदारी की मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना शहंशाह मिजार्पुरी ने कहाकि इमाम को अल्लाह ने बनाया, वो अल्लाह के हुक्म से हेदायत करते हैं अपनी मर्जी से हेदायत नहीं करते हैं । आदम को अल्लाह ने बनाया था बंदों ने नहीं । मौलाना ने कहा कि अल्लाह के बनाए हुए की पहचान ये है फरिश्ते उसके आगे झुक जाए । अलविदायी मजलिस को खिताब करते हुए बेलाल हसनैन ने कर्बला के मैदान में इमाम हुसैन व उनके साथियों की शहादत का बयान किया । उन्होंने कहा कि कर्बला में तीन दिन की भूख और प्यास की शिद्दत में नवासा ए रसूल को यजीदी लश्कर ने कत्ल कर दिया । उन्होंने हजरत इमाम हुसैन के छः माह के बेटे हजरत अली असगर की शहादत का ज़िक्र किया जिसपर मौजूद लोगो की आंखों से आंसुओ का सैलाब उमड़ पड़ा । इस दौरान अंजुमन पैगामे हुसैनी तिघरा , अंजुमन सज्जादिया मुफ्ती मोहल्ला , अंजुमन हैदरिया कुरापट्टी , अंजुमन गुलशने इस्लाम बाजार भूआ, अंजुमन अजाए हुसैन बबरखा , अंजुमन असगरिया पुरानी बाजार , अंजुमन गुलशने अब्बास भादी ने नौहा वा मातम किया । शब्बेदारी में सोजखानी सैय्यद गौहर अली जैदी , पेशखानी तनवीर जौनपुरी, राशिद अली खान ने किया। इस मौके पर सैय्यद मोहम्मद जहूर मित्तन, सैय्यद कौसर अली, सैय्यद शहजाद हुसैन , सैय्यद हैदर अली , सैय्यद जुल्फिकार अली, सैय्यद बशीर हसन अमन, सैय्यद नबी हसन , सैय्यद अब्बास अली, सैय्यद हसन रजा , सैय्यद नवाब हुसैन , सैय्यद हसनैन , सैय्यद मोनू, सैय्यद सादिक आदि के साथ भारी संख्या में इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के चाहने वाले मौजूद रहे ।

खबरें फटाफट

बेन धरौली माइनर में नहीं पहुंचा टेल तक पानी, किसान बेहाल

चंदौली। सदर विकासखंड के धरौली गांव के किसानों को इन दिनों पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। बेन धरौली माइनर में पानी न होने और समय से बिजली न मिलने पर किसानों ने रविवार को खेतों में पड़ी दरार देखकर प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने शासन और प्रशासन को जमकर कोसा। तत्काल बिजली की व्यवस्था और नहर में पानी छोड़ जाने की मांग की। इस दौरान किसानों ने कहा कि पिछली कई दिनों से बरसात न होने से सूखे की मार झेल रहे किसानों की समस्या कम नहीं हो रही है। सिंचाई समय से नहीं होने से रोटी गई धान की फसल सूख रही है। पूरे खरीफ सीजन पर बेन धरौली रजवाहा धरौली तक पानी नहीं पहुंच पाया है। अधिकारियों की उदासीनता के चलते धरौली के किसानों को पानी नहीं मिल पाया रहा है। जिस की अपने निजीसाधन से किसान किसी तरह अपनी रोपाई कर रहे हैं रोपाई तो कर लिए मौसम के बेरुखी के बाद नहर में पानी न पहुंचने से किसानों की धान की फसल लगाई गई सूखने लगी है। कहा कि अगर नहर में पानी नहीं आया तो हम लोग एक बहुत बड़ा आंदोलन करेंगे। जिला प्रशासन तत्काल नहर में पानी छोड़े और पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध कारण ताकि निजी संसाधन से किसान अपनी फसलों को बचा सके।इस दौरान पिंटू मिश्रा,विवेक सिंह,शुभम सिंह,पिंटू,शिवम,श्रवण उपस्थित रहे।

सभी गुरुजन के प्रति निवेदित की श्रद्धा, जताई कृतज्ञता

मुख्यमंत्री योगी ने किया गुरु गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन

- गोरक्षपीठाधीश्वर ने गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में किया रुद्राभिषेक
- बच्चों को दुलारा, गोवंश को खिलाया गुड़

केटी न्यूज/ गोरखपुर

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर रविवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित?यनाथ ने शिवावतार गुरु गोरक्षनाथ का नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुजन का भी पूजन-अर्चन कर श्रद्धा निवेदित की और लोक कल्याण के पथ पर मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। साथ ही गुरु पूर्णिमा पर गुरुजन को समर्पित रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोकमंगल की प्रार्थना की और गोवंश की सेवा कर उन्हें गुड़ खिलाया। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा का विशेष अनुष्ठान तड़के ही प्रारंभ हो गया और सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। यूं तो गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर



में होते हैं, गुरु गोरखनाथ जी तथा नाथपंथ के गुरुजन का दर्शन-पूजन उनकी दिनचर्या का हिस्सा होता है। पर, गुरु पूर्णिमा का अवसर गोरखनाथ मंदिर में विशिष्ट पूजा का होता है।

रविवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सीएम योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महायोगी गोरखनाथ, मंदिर परिसर में मौजूद सभी देव विग्रहों और नाथपंथ के गुरुओं की प्रतिमाओं के समक्ष विधि विधान के साथ पूजन किया। आनुष्ठानिक कार्यक्रमों के क्रम में उन्होंने सबसे पहले नाथपंथ के आदिगुरु भगवान गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनकी पूजा की। वह परिसर में मौजूद सभी देव-विग्रहों के पास पहुंचे और उनका पूजन किया। उसके बाद वह बारी-बारी से बाबा गंभीरनाथ, अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ समेत ब्रह्मलीन गुरुओं की समाधि पर गए। सभी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर आशीर्वाद लिया। गोरखनाथ मंदिर में नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने गुरु गोरखनाथ को रोट का महाप्रसाद अर्पित किया। पूजा-अर्चना की आनुष्ठानिक प्रक्रिया सम्पन्न होने के बाद गुरु पूर्णिमा पर होने वाली परंपरागत सामूहिक महाआरती हुई तथा सभी गुरुओं के प्रति आस्था निवेदित की गई। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धा और आस्था का उल्लास देखते ही बनता है। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ द्वारा विशेष अनुष्ठान पूर्ण किए जाने के साथ गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत योगी मिथिलेशनाथ समेत सभी नाथ योगियों ने भी गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ को नाथपंथ की परंपरा के अनुसार उन्हें तिलक लगाया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर की शक्तिपीठ में सीएम योगी ने किया रुद्राभिषेक

गुरु पूर्णिमा के पवित्र पर्व पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की शक्तिपीठ में भगवान भोलेनाथ का विधि विधान से रुद्राभिषेक किया। रुद्राभिषेक पूर्ण होने पर उन्होंने देवाधिदेव महादेव शिव शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुखमय, समृद्धमय और शांतिमय जीवन की कामना की।

बच्चों को दुलारा, गोवंश को खिलाया गुड़

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमेशा की तरह मंदिर की गोशाला भी गए। यहां



उन्होंने गोवंश को उनके नाम से पुकारा और उनके पास आने पर खूब दुलारा। अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। योगी का दुलार पाकर गोवंश भाव विह्वल नजर आए। साथ ही सुबह मंदिर प्रांगण में टहलने के दौरान बच्चों को भी दुलार किया। सीएम ने बच्चों को चॉकलेट भी दिया और उनके माता-पिता का हाल चाल भी जाना।

मामला सुलझाने गयी पीआरवी 112 टीम पर जानलेवा हमला

जौनपुर। पट्टीदारों के बीच हुए जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। एक पक्ष की ओर से बुलाए गए पीआरबी डायल 112 के बाइक सवार पुलिस के जवान पहुंचकर मामले की जानकारी ले रहे थे, इसी बीच दूसरे पक्ष के लोगों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। विवाद के दौरान एक महिला ने पुलिस टीम पर डंडे से हमला करते हुए परिवार के पुरुषों ने पुलिस जवान को बंधक बनाकर सरकारी पिस्टल छीन लिया। घटना की खबर लगते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। भारी संख्या में पहुंची पुलिस को देखकर दबंग मौके से फरार हो गए।अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार भी मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुट गए। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के अगर्पुर कला गांव की ठाकुर बस्ती में उस समय हड़कंप मच गया कि जब समर बहादुर सिंह और उनके पट्टीदार अजित सिंह के बीच जमीनी विवाद दो पक्ष के लोग आमने सामने हो गए। आरोप है एक पक्ष के द्वारा अपने खेत में दवा का छिड़काव कराया गया था, जिसपर दूसरे पक्ष के लोगों ने अपनी फसल खराब होने पर डायल 112 पर फोन किया। मामले को सुलझाने के लिए पीआरबी 112 बाइक सवार कांस्टेबल विनोद कुमार होमगार्ड के साथ पहुंचकर मामले की जानकारी ले रहे थे। इसी दौरान अजित सिंह पक्ष की एक महिला हाथ में लाठी लेकर पहुंची और गाली गलौज करते हुए पुलिस टीम पर हमला कर दिया। महिला के पीछे पहुंचे अजित सिंह और उसके साथी शिवानंद पंडित ने पीआरबी टीम के जवान विनोद कुमार और होमगार्ड को बंधक बनाकर मारपीट की और जवान की सरकारी पिस्टल छीन लिया।

पत्रकार पर हुए हमले के मामले में थाना प्रभारी से मिले पत्रकार

केटी न्यूज / जौनपुर

जफराबाद कस्बा निवासी तथा वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश सिंह पर 19 जून की रात को अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया था।हमले में उनकी कार का शीशा टूट गया।मामले में चेयरमैन पति डॉ सरफराज खान सहित चार अज्ञात पर मुकदमा भी दर्ज हुआ था।घटना के बाद अब तक पुलिस ने कोई ठोस कार्यवायी नही किया।जिसके चलते पत्रकार काफी असहज हो रहे थे।रविवार को पत्रकारों का दल थाने पहुंच कर थाना प्रभारी तथा चौकी प्रभारी ईश्वरचन्द्र त्रिपाठी से मिला। थाना प्रभारी श्री यादव ने कहा कि जल्द ही मामले के आरोपियों को पकड़ा जाएगा।उन्होंने चौकी प्रभारी को निर्देश दिया कि सीसी टीवी फुटेज सहित अन्य जरूरी स्थानों की गम्भीरता पूर्वक जांच करें।जिससे सच्चाई सामने आये और आरोपी पकड़े जाय।उन्होंने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि कार्यवाही होगी इसमें कोई दो राय नही है। इस मौके पर उमेश चन्द्र मिश्रा,कृपा शंकर यादव,अरविन्द सिंह पटेल, शेखर चौहान,विनय श्रीवास्तव ,बृजनंदन स्वरूप ,शरस सिंह,नीरज सिंह, शिशु तिवारी ,विवेक सिंह, आलोक सिंह, इजहार हुसैन, अंकित श्रीवास्तव आदि तमाम लोग

छात्रावासों के लिए सरकार ने जारी किया बजट

- फतेहपुर के दो छात्रावासों में 243.77 लाख रुपए से होंगे विभिन्न कार्य
- जारी धनराशि से छात्रावासों की सुविधाओं को और बेहतर किया जाएगा

केटी न्यूज/ लखनऊ

छात्रावासों में छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलें और वो इसका लाभ उठाकर अपने करियर में मुकाम हासिल कर सकें, इसके लिए योगी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सीएम योगी के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग की ओर से फतेहपुर में संचालित राजकीय कॉलेजों में अनुसूचित जाति छात्रावासों में सुविधाओं को और बेहतर करने के लिए विभाग ने 243.77 लाख रुपए जारी किया है। जारी धनराशि से छात्रावासों की सुविधाओं को और बेहतर किया जाएगा, ताकि वहां रहने वाले विद्यार्थियों को किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े। गरीब छात्रों को भी मिलेगा तकनीक आधारित आधुनिक शिक्षा का लाभ समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार प्रयासरत है ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवार के बच्चों तक तकनीक आधारित आधुनिक शिक्षा का लाभ पहुंच सके। इसके लिए योग्य शिक्षकों की नियुक्ति के साथ छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं भी प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में जनपद फतेहपुर में संचालित राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास, महिला डिग्री कालेज, फतेहपुर में छात्रावास मुख्य भवन के मरम्मत का कार्य, आन्तरिक जलमल कार्य, वाह्य जलमल कार्य, स्थल विकास, इलेक्ट्रिक कार्य, बोरिंग का कार्य, बाउंड्रीवाल गेट सहित, सीसी रोड़ एवं कैम्पस में लाइटिंग का कार्य कराने के लिए 124.41 लाख रुपए प्रदान किया गया है।



केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पूरे देश के मेजर सिटीज श्रेणी का प्रथम पुरस्कार दिया

आईएएस सत्य प्रकाश पीएम स्वनिधि अवार्ड से सम्मानित

केटी न्यूज / गाजीपुर

रेवतीपुर ब्लॉक के सरहुंला गांव निवासी तथा झांसी के नगर आयुक्त आईएएस सत्य प्रकाश को बेहतर कार्य की बदौलत उन्हें दिल्ली में? आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पीएम स्वनिधि अवार्ड के पूरे देश के मेजर सिटीज श्रेणी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस मिट्टी के लाल को पीएम स्वनिधि अवार्ड से सम्मानित किए जाने की जानकारी गांव एवं उनके परिजनों को हुई तो लोगों में खुशी की लहर दौड पड़ी। लोगों ने कहा कि हमें उम्मीद ही नहीं पूरा विश्वास है कि हमारे गांव का यह





लाल एक दिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रौशन करेगा। परिजनों, ग्रामीणों के मुताबिक गांव के लाल एवं झांसी के नगर आयुक्त आईएएस सत्य प्रकाश को इसके अलावा अन्य क्षेत्रों में बेहतर कार्य के लिए शासन के द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है। चचेरे भाई भरत लाल ने बताया कि झांसी के नगर आयुक्त सत्य प्रकाश केवल प्रशासनिक क्षेत्र ही नहीं खेल के क्षेत्र में भी रूची रखते हैं। उनके पिता रामचंद्र प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक के पद से रिटायर हो चुके हैं। बताया कि उनके तीन पुत्र हैं, जिनमें आईएएस (झांसी के नगर आयुक्त) सत्य प्रकाश सबसे छोटा है। जबकि सबसे बडा पुत्र तेजनाराण अहिरौरा में डाक्टर एवं उनका माझिल पुत्र जयगरूदेव गाजियाबाद पॉलिटेक्निक कालेज में लेक्ररर हैं। पिता ने बताया आईएएस सत्य प्रकाश की पत्नी कामिनी, एनआईटी प्रयागराज से पीएचडी कर रही है। बताया कि सत्य प्रकाश की प्राथमिक एवं हाईस्कूल की शिक्षा दिलदारनगर के क्रिसेंट कानवेंट स्कूल से और इंटर गाजियाबाद के बाद बीटेक इलाहाबाद से किया। इस बीच उनका चयन पावर ग्रिड में इंजीनियर के पद पर हो गया। वह प्रथम बार संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेज परीक्षा में 2014 बैच में आईआरएस इनकम टैक्स में चयनित हुए मगर उन्होंने यूपीएससी के जरिए तैयारी जारी रखी। इसमें 2016 में उनका चयन आईएएस के लिए हो गया। बताया कि उनकी पहली तैनाती चित्रकुट में एसडीएम जौनपुर में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, फत्तेहपुर में सीडीओ के अलावा अन्य जगहों पर सेवाएं दे चुके हैं।

सुभाषितम्

प्राण क्या है देशहित के लिए, देश खोकर हम जिए तो क्या जिए। - कामताप्रसाद गुरु

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर बंद होने से हजारों करोड़ का नुकसान

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर शुक्रवार को कुछ देर बंद रहा। पूरी दुनिया के देशों में अफरा-तफरी मच गई। 1 घंटे के अंदर ही माइक्रोसॉफ्ट की सिक्योरिटी कंपनी क्राउड स्ट्राइक को 73000 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। शेयर बाजार मैं कंपनी के शेयर में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। देखते ही देखते कंपनी के 73000 करोड़ रुपए शेयर बाजार में डूब गए। एयरपोर्ट, रेल, बैंक, शेयर बाजार में मची अफरा-तफरी के कारण बैंकों, शेयर बाजार, कारोबारी कंपनियों तथा अन्य कंपनियों को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। यात्रियों को काफी कष्ट उठाना पड़ा। बैंक के ग्राहक भी कई घंटों तक परेशान होते रहे। सिक्योरिटी कंपनी क्राउड स्ट्राइक के 30000 से अधिक ग्राहक हैं। क्राउड स्ट्राइक कंपनी 30000 से अधिक कंपनियों को साइबर सुरक्षा उपलब्ध कराती थी। जैसे ही माइक्रोसॉफ्ट का सॉफ्टवेयर बंद हुआ। उसके बाद सारी दुनिया में हाहाकार मच गया था। यूरोपीय देशों में इसका सबसे ज्यादा असर हुआ। भारत में नुकसान हुआ लेकिन यह नुकसान यूरोपीय देशों की तुलना में कम था। क्योंकि यूरोपीय देशों की तरह भारत अभी पूरी तरह से ऑनलाइन नहीं हुआ है। इसलिए बहुत हद तक बचा रहा। यूरोपीय देशों में सब कुछ ऑनलाइन था, जिसके कारण यात्रियों, बैंक के ग्राहकों और शेयर बाजार के निवेशकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। क्राउड स्ट्राइक कंपनी और उससे जुड़ी हुई अन्य कंपनियों के यदि नुकसान को देखा जाए तो यह लाखों करोड़ों रुपए में पहुंच जाता है। यह आर्थिक नुकसान की बात हुई। 15 घंटे तक सारी दुनिया के देशों मे ऑनलाइन सर्विस के कारण ऑनलाइन सेवा नहीं दे पाए। उसके कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। माइक्रोसॉफ्ट का डिजिटल और ऑनलाइन कारोबार में एकाधिकार है। अपरोक्ष रूप से हार्डवेयर पर भी माइक्रोसॉफ्ट का एकाधिकार है। माइक्रोसॉफ्ट के सॉफ्टवेयर चुनिंदा हार्डवेयर पर ही संचालित होते हैं। इस एकाधिकार के कारण और कोई अन्य वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने से, ऐसा लगा कि जैसे सारी दुनिया ठहर गई है। थोड़ी सी लापरवाही कितना बड़ा नुकसान कर सकती है, इसका सबसे बड़ा प्रमाण सर्वर क्रैश हो जाना है। जैसे-जैसे सारी दुनिया तकनीकी के सहारे आगे बढ़ रही है। सारे काम डिजिटल प्रोग्रामिंग से संचालित हो रहे हैं। यदि 1 घंटे के लिए इंटरनेट बंद हो जाए। जिस तरह से माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर बंद हुआ है। माइक्रोसॉफ्ट की तकनीकी से जुड़े हुए कंपनियों के लाखों सर्वर एकाएक बंद हो गए। सेवाओं से जुड़े हुए लोगों को सेवा मिलना बंद हो गई। जिस तरह से अब ए-आई तकनीकी आ गई है। सारे काम सॉफ्टवेयर की प्रोग्रामिंग से संचालित हो रहे हैं। अब जगह-जगह रोबोट भी इंटरनेट और डिजिटल तकनीकी से जुड़कर काम कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में कहा जा सकता है। हमारे जीवन में जिस तरह से तकनीकी का हस्तक्षेप बढ़ रहा है। मानवीय चूक का अब कोई कारण नहीं है। अब जो भी चूक हो रही है। वह सॉफ्टवेयर, प्रोग्रामिंग, तकनीकी तथा संचार माध्यमों के कारण हो रही है। जिन पर कोई प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है। तकनीकी अथवा संचार की गड़बड़ी से कभी भी कहीं पर भी कोई भी बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। पिछले दो दशक में सुरक्षा, कारोबार, घर, व्यापारिक स्थलों के कामों में डिजिटल तकनीकी और संचार माध्यमों पर आश्रित होकर रह गए हैं। अब मोबाइल, कंप्यूटर, इंटरनेट के जरिए एक स्थान से सारी दुनिया में कंट्रोल कर रहे हैं। जब कंट्रोल ही नहीं कर पाएंगे, तब क्या स्थिति होगी। इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है। क्राउड स्ट्राइक साइबर सिक्योरिटी कंपनी जब अपनी ही रक्षा नहीं कर पाई।

चिंतन-मनन

दोनों प्रकार का धन एक साथ नहीं मिल सकता

संसार में दो प्रकार का धन होता है भौतिक धन और दूसरा आध्यात्मिक धन। मनुष्य का स्वभाव है कि वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने की चाहत रखता है। कोई व्यक्ति सोना, चांदी, रुपए पैसे का अंबार लगाकर धनवान कहलाता है तो कोई भूखा, प्यासा रहकर भी धनवान कहलता है। वास्तव में धनवान दोनों हैं। एक भौतिक धन का धनी है तो दूसरा अध्यात्मिक धन का धनी है। शाछा और पुराण कहते हैं कि दोनों धनों में से अध्यात्म रूपी धन ज्यादा श्रेष्ठ है क्योंकि इसे कोई छीन नहीं सकता। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता है। जिसके पास अध्यात्म रूपी धन होता है वह निश्चिंत होता है। उसे किसी प्रकार की चिंता और भय नहीं रहता है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो एक साथ इन दोनों धनों का सुख प्राप्त कर सके। अध्यात्म और भौतिक धन दोनों दो नाव के समान हैं। आप जानते हैं कि दो नाव की सवारी एक साथ नहीं की जा सकती, अगर ऐसा करेंगे तो डूबना तय है। मर्जी हमारी है कि हम अध्यात्मिक धन अर्जित करके ईश्वर का ऋण चुका दें और जीवन-मरण के चप्र को पार करके दु?ख से मुक्ति प्राप्त कर लें। दूसरा रास्ता यह है भौतिक धन अर्जित करके सांसारिक सुख का आनंद लें और बार-बार जीवन-मरण के चप्र में उलझकर पाप का फल प्राप्त करें। भागवत कहता है कि ईश्वर जिसे प्यार करता है उससे उसका सब कुछ छीन लेता है। सब कुछ छीन लेने का अर्थ है सांसारिक सुख छीन लेना। कबीर दास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, सूरदास, करमैती बाई इसके उदाहरण हैं। ईसा मसीह ने भी कहा है कि सूई के छिद्र से ऊंट भले ही पार कर जाए लेकिन एक अमीर आदमी स्वर्ग प्राप्त नहीं कर सकता। स्वर्ग नहीं मिलने का अर्थ है, ईश्वर की कृपा प्राप्त नहीं होना। इसका कारण यह है कि जब बहुत धन आ जाता है तो व्यक्ति धन संभालने और उसकी सुरक्षा को लेकर ही सदैव चिंतित रहता है।

विपक्षी दलों को नई ताकत का श्रेय जनता को जाता है

- प्रो प्रदीप माथुर



क्या 2024 के लोक सभा चुनाव स्वतंत्र भारत के राजनैतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होंगे, क्योंकि इनमें स्पष्ट रूप से विभाजनकारी राजनीति को अस्वीकार करने तथा एकता, न्याय और प्रगति के सिद्धांतों पर आधारित समाज को प्राथमिकता देने का संकेत दिया गया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारतीय मतदाताओं ने राजनीतिक प्रक्रिया में निर्णायक योगदान दिया है और गरीबी उन्मूलन, बेरोजगारी में कमी जैसे व्यापक राष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है। चुनाव परिणामों ने पिछली भाजपा नीत सरकार की नफरत की राजनीति, विपक्ष को दबाने के लिए संवैधानिक एजेंसियों के इस्तेमाल और बड़े व्यापार को बढ़ावा देने वाली नीतियों के खिलाफ एक स्पष्ट संदेश भेजा है, जो असमान विकास और बढ़ती गरीबी और बेरोजगारी के लिए जिम्मेदार हैं। 542 सदस्यों वाले सदन में 243 सीटें हासिल करके, गठबंधन की जीत का श्रेय किसानों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों, दलितों और नागरिक समाज के समर्थन को दिया जाता है। विपक्षी दलों को अपनी नई ताकत का श्रेय जनता के लचीलेपन और दृढ़ संकल्प को जाता है, जिन्होंने सत्ता विरोधी आंदोलन का नेतृत्व किया, जिसका नेतृत्व विपक्ष को करना चाहिए था। लोगों ने न केवल अपने वोट डाले, बल्कि सरकार के खिलाफ मोर्चा भी संभाला। वोट को प्रभावित करने वाले कारकों में मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, अधिनायकवाद,भ्रष्टाचार और धार्मिक ध्रुवीकरण या सांप्रदायिकता शामिल थे। जबकि शहरी मतदाताओं का झुकाव भाजपा की ओर अधिक था, ग्रामीण मतदाताओं ने विपक्षी गठबंधन का भारी समर्थन किया।

लेख पर एक नजर

2024 के भारतीय चुनावों ने देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित किया, जिसमें विभाजनकारी राजनीति को खारिज कर दिया गया और एकता, न्याय और प्रगति को अपनाया गया। चुनाव परिणामों ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की नफरत की राजनीति, संवैधानिक एजेंसियों के दुरुपयोग और बड़े व्यवसाय के पक्ष में नीतियों के खिलाफ एक स्पष्ट संदेश दिया।

गठबंधन की जीत का श्रेय किसानों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों, दलितों और नागरिक समाज के समर्थन को दिया गया। लोगों ने नफरत, तानाशाही और सांप्रदायिकता की राजनीति को नकार दिया और इसके बजाय अधिक समावेशी और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण को चुना। चुनाव परिणामों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को बनाए रखने, मुद्रास्फीति और बेरोजगारी से निपटने और शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के महत्व को उजागर किया। आगे का रास्ता लंबा है, लेकिन चुनाव परिणाम जनता की आकांक्षाओं के अनुसार राष्ट्र को आकार देने का एक आशाजनक अवसर प्रदान करते हैं।

उत्तर प्रदेश में मतदाताओं ने नफरत की राजनीति को नकार दिया और भगवा पार्टी की मंदिर-मस्जिद राजनीति के महाकेन्द्र अयोध्या में भी भाजपा को चुनावी पराजय का सामना करना पड़ा। यह नफरत और सांप्रदायिक विभाजन की राजनीति को सीधा झटका था।

महाराष्ट्र में यह झटका इसलिए लगा क्योंकि मतदाताओं ने जोड़-तोड़ और दबाव वाली राजनीतिक प्रथाओं को अस्वीकार कर दिया था, जिसमें विपक्षी दलों को तोड़ना और ऐसा करने के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करना भी शामिल था।

परिणामों और उनके निहितार्थों के विश्लेषण से पता चलता है कि लोगों को एक पार्टी, एक नेता, एक भाषा, एक धर्म की अवधारणा अस्वीकार्य लगी है। उन्होंने राजनीति के बहुसंख्यकवादी दृष्टिकोण को खारिज कर दिया है और पुष्टि की है कि भारत कई धर्मों, संस्कृतियों और विविधताओं का देश है, और देश पर केवल आम सहमति से ही शासन किया जा सकता है। चुनाव परिणाम मोदी सरकार द्वारा सत्ता में आने के बाद की गई कुछ बड़ी गलतियों के खिलाफ एक स्पष्ट फैसला था। पहली थी नफरत की विभाजनकारी राजनीति, जिसने कुछ समुदायों को अलग-थलग करने और उन्हें कलंकित करने की कोशिश की। इसमें समाज के कुछ वर्गों को हाशिए पर डालना और परेशान करना, जहरीले आख्यान फैलाना और सामाजिक बंधनों को तोड़ना शामिल था। विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), चुनाव आयोग और अदालतों जैसी संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग करना दूसरी गलती थी। इससे कम नहीं, देश की संपत्ति को चंद लोगों के हाथों में केंद्रित करने वाले क्रोनी पूंजीवाद को संरक्षण और बढ़ावा दिया गया। भाजपा के कुशासन के खिलाफ संघर्ष में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका पांच प्रमुख राज्यों - उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु - ने निभाई, जिनमें कुल मिलाकर 249 लोकसभा सीटें हैं। इन राज्यों में मतदाताओं ने नफरत की राजनीति को निर्णायक रूप से खारिज कर दिया, जिससे पार्टी के प्रभुत्व को बड़ा झटका लगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा को भारी झटका लगा है, फिर भी किसी भी तरह की लापरवाही से सावधान रहना होगा क्योंकि विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ लड़ाई लंबी चलने वाली है। विपक्ष को लोकतांत्रिक संस्थाओं को बनाए रखने, महंगाई और बेरोजगारी से निपटने और शांति और सद्भाव का माहौल बनाने के लिए अथक प्रयास करने की जरूरत है। भारत के राजनीतिक परिदृश्य पर 2024 के आम चुनावों के परिवर्तनकारी प्रभाव ने देश के मतदाता समुदाय के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव को उजागर किया है। चुनाव परिणाम भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से गरीब समुदाय के लिए एक शानदार सफलता रही है।

राजनीति का मतलब राज्य की नीति को प्रभावित करना है, न कि सिर्फ. सांसदों का चुनाव करना। लोकतांत्रिक समाजों में लोगों की सोच को बदलना बहुत जरूरी है, जो बदले में शासन और राज्य की नीति निर्माण के लिए सकारात्मक एजेंडा तैयार करता है।

चूंकि हम इस वर्ष चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए तैयार हैं, इसलिए इन संसदीय चुनाव परिणामों से उत्पन्न गति को बनाए रखने के महत्व पर अधिक जोर नहीं दिया जा सकता है।

आगे का रास्ता लंबा है, लेकिन इन चुनाव परिणामों ने देश को जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप आकार देने का एक आशाजनक अवसर प्रदान किया है। सभी हितधारकों - सरकार, विपक्षी दल और नागरिक समाज - को मतदाताओं की आवाज पर ध्यान देना चाहिए और एक सच्चे लोकतांत्रिक, समावेशी और समृद्ध भारत के सपने को साकार करने की दिशा में सामूहिक रूप से काम करना चाहिए।

भारत में तेजी से हो रहा है वित्तीय समावेशन

- प्रहलाद सबनानी



भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग, निवेश, बीमा, डाक एवं पेन्शन क्षेत्र के हितधारकों को शामिल करते हुए वित्तीय समावेशन सूचकांक विकसित किया है। दरअसल, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में हो रही अतुलनीय प्रगति को दशार्ने के लिए अब अपने सूचकांक विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है क्योंकि वैश्विक स्तर पर वित्तीय एवं आर्थिक क्षेत्र में कार्यरत विदेशी संस्थानों द्वारा विकसित किए गए सूचकांकों के आधार पर किए जाने वाले सर्वे में तो विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रभावशाली प्रगति की सही तस्वीर पेश नहीं की जा रही है। इन सूचकांकों के आधार पर किए गए कई सर्वे में तो आश्चर्यजनक परिणाम दिखाई देते हैं। जैसे, एक सर्वे में भुखमरी के क्षेत्र में भारत की स्थिति को अफ्रीकी देशों, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बंगलादेश से भी बदतर बताया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किए गए वित्तीय समावेशन सूचकांक के आधार पर मार्च 2024 के परिणाम हाल ही में जारी किए गए हैं। इन परिणामों के अनुसार, भारत में वित्तीय समावेशन मार्च 2017 में 43.4, मार्च 2021 में 53.9 एवं मार्च 2023 में 60.1 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2024 में 64.2 प्रतिशत हो गया है। यह सूचकांक भारत में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में हुई अतुलनीय एवं स्थिर प्रगति को दशार्ता है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किया गया यह सूचकांक वित्तीय समावेशन के विभिन्न आयामों (नागरिकों की वित्तीय संस्थानों पर बढ़ती पहुंच, वित्तीय उत्पादों का बढ़ता उपयोग एवं वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता) पर देश में वित्तीय समावेशन के संदर्भ में जानकारी को 0 से 100 तक के मान में बताता है। यदि मान कम है तो देश में वित्तीय समावेशन भी कम है और इसके विपरीत यदि मान अधिक है तो देश में वित्तीय समावेशन भी अधिक है। भारत में यह मान मार्च 2024 में बढ़कर 64.2 प्रतिशत हो गया है। उक्त वर्णित तीन आयामों में कई पैरामीटर शामिल हैं, इनका मूल्यांकन 97 संकेतकों के आधार पर किया जाता है। इस कार्यप्रणाली के कारण ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किया गया यह सूचकांक वित्तीय समावेशन का एक व्यापक संकेतक बन गया है। वित्तीय समावेशन सूचकांक प्रत्येक वर्ष के जुलाई माह में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है। किसी भी देश में वित्तीय समावेशन के बढ़ने का आशय यह है कि उस देश के नागरिकों की उस देश के बैंकिंग संस्थानों तक पहुंच बढ़ रही है और यह उस देश की अर्थव्यवस्था के औपचारीकरण में मुख्य भूमिका निभाता है। वर्ष 2014 में भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू किया गया था और इस योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंकों में गरीब वर्ग के जमा खाते खोलकर उन्हें वित्तीय समावेशन का हिस्सा बना लिया गया था। आज प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत लगभग 52 करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं एवं इन जमा खातों में लगभग 2.35 लाख करोड़ रुपए की राशि जमा है। केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा देश के गरीब वर्ग को दी जाने वाली सहायता/प्रोत्साहन राशि को भी इन खातों में आज सीधे ही जमा कर दिया जाता है, इसे प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के रूप में भी जाना जाता है, जिससे इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार लगभग समाप्त हो गया है क्योंकि इससे अंततः लीकेज कम हुए है और यह सुनिश्चित हुआ है कि योजनाओं का लाभ अंतिम लाभार्थी तक सीधे ही पहुंचे। प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू करने का मुख्य उद्देश्य भारत के दूर दराज के इलाकों में निवासरत नागरिकों को बैंकिंग, बचत और जमा खाते, राशि हस्तांतरण, ऋण, बीमा और पेंशन जैसी वित्तीय सेवाओं को उपलब्ध कराना था। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्रधानमंत्री जनधन योजना पूर्ण रूप से सफल रही है और भारत में वित्तीय समावेशन को अगले स्तर पर ले जाने में भी सहायक रही है। साथ ही, प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खोले गए जमा खातों को भारत की विशिष्ट पहचान प्रणाली (आधार कार्ड) से जोड़कर, केंद्र सरकार ने देश में वित्तीय लेन देन प्रणाली को सुव्यवस्थित कर लिया है एवं बैंकिंग व्यवहारों में धोखाधड़ी की सम्भावना को कम करने में भी सफलता अर्जित की है। आज भारत की प्रधानमंत्री जनधन योजना को पूरे विश्व में सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन योजना के रूप में पहिचान मिली है। देश में प्रधानमंत्री जनधन योजना को आज भी वित्तीय समावेशन के मुख्य उपकरण के रूप में माना जा रहा है और इस योजना के अंतर्गत देश के नागरिकों के खाते विभिन्न बैंकों में उसी उत्साह से लगातार खोले जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में भी भारत के विभिन्न बैकों में प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत लगभग 3.3 करोड़ नए जमा खाते खोले गए हैं इससे इस योजना के अंतर्गत खोले गए कुल खातों की संख्या बढ़कर 51.95 करोड़ हो गई है एवं इन जमा खातों में 234,997 करोड़ रुपए की राशि जमा हो गई है। अब देश का एक गरीब नागरिक भी भारत की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान करता हुआ दिखाई दे रहा है। वित्तीय समावेशन के दायरे में लाए गए नागरिक वित्तीय क्षेत्र में साक्षर होने के पश्चात अब तो भारत के पूंजी बाजार (शेयर बाजार) में भी अपना निवेश करने लगे हैं एवं उनकी विभिन्न ऋण योजनाओं एवं बीमा उत्पादों तक पहुंच भी बढ़ गई है। वित्तीय सेवाओं तक इस पहुंच ने देश के नागरिकों को आर्थिक रूप से बहुत सशक्त बना दिया है, इससे अंततः यह नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं छोटे व्यवसायों में निवेश करने में सक्षम हुए हैं और इस प्रकार इन नागरिकों के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

भारत में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में हुई उक्त वर्णित अतुलनीय प्रगति की जानकारी हम आम नागरिकों को तभी मिल पा रही है जब भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में ही एक सूचकांक विकसित किया है। यदि वित्तीय समावेशन का सूचकांक किसी विदेशी संस्थान द्वारा तैयार किया जाता तो सम्भव है कि भारत की इस महान उपलब्धि को जानने से हम वंचित रह जाते। अब समय आ गया है कि इसी प्रकार के सूचकांक अन्य क्षेत्रों में भी भारतीय वित्तीय एवं आर्थिक संस्थानों द्वारा ही तैयार किए जाने चाहिए, ताकि हम आम नागरिकों को विभिन्न क्षेत्रों में भारत की अतुलनीय प्रगति की वास्तविक जानकारी प्राप्त हो सके।

कालिदास की अमर कृति रघुवंशम पर दी जाएगी चित्रमय प्रस्तुति



- एजेंसी

कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन आगामी तीन माह में सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में विविध कार्यक्रम आयोजित करेगी। उक्त कार्यक्रमों की श्रृंखला में वनवासी, आदिवासी लोक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु झाबुआ में वनजन कला शिविर का आयोजन किया जायेगा। अनुसूचित जनजाति के कलाकारों को शिविर में आमन्त्रित कर महाकवि कालिदास की रचना रघुवंशम् पर चित्र निर्माण करवाए जायेंगे। इसी प्रकार समरस कला शिविर में आमन्त्रित अनुसूचित जाति के कलाकारों से मूर्ति शिल्प का निर्माण करवाया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए, निदेशक कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन, डॉ.गोविन्द गन्धे ने बताया कि मध्यप्रदेश के 53 जिलों में आमजन को संस्कृत से जोड़ने की दृष्टि से अकादमी द्वारा सरल संस्कृत सम्भाषण वर्ग आयोजित किये जायेंगे। इन वर्गो के प्रशिक्षण के लिये शिक्षकों का आवासीय प्रशिक्षण वर्ग उज्जैन में आयोजित किया जायेगा। बालनाट्य समारोह के अंतर्गत संस्कृत नाटकों की प्रस्तुतियों हेतु नाट्य संस्थाओं एवं विद्यालयों से प्रस्ताव आमन्त्रित किये जा रहे हैं। संस्कृत गौरव दिवस, विदिशा में आयोजित होगा, जबकि एक माह का संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण शिविर अकादमी में आयोजित किया जाएगा तथा इस नाट्य प्रशिक्षण शिविर में तैयार प्रस्तुति का मंचन अखिल भारतीय कालिदास समारोह के अवसर पर किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय संस्कृत नाट्य समारोह का आयोजन भी उज्जैन में होगा जिसमें कालिदास अथवा भास विरचित नाटकों का मंचन करवाया जाएगा। महर्षि वाल्मीकि केन्द्रित वाल्मीकि समारोह का आयोजन चित्रकूट में होगा। बच्चों तथा युवाओं में संस्कृत रचनाधर्मिता को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसमें संस्कृत कविता, नाटक एवं कहानी लेखन हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष लाभ का दिन है और दिन आपके लिए महत्वाकांक्षा से भरपूर रहेगा। कोई भी बात संभलकर करें।

वृषभ आज लाभ का दिन है और दिन आपके लिए महत्वाकांक्षा से भरपूर रहेगा।

मिथुन आज दिन सफलता से भरा होगा और आपको करियर में मनचाहा फल प्राप्त होगा।

कर्क जीवनसाथी और व्यापार में पार्टनर्स आपका सहयोग करेंगे और उनसे आपको फायदा होगा।

सिंह आज दिन मिलाजुला रहेगा। आपको नौकरी में कोई अच्छा ऑफर मिल सकता है।

कन्या आज भाग्य का साथ मिलेगा और कारोबार में आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति होगी।

तुला आपके सुख में वृद्धि होने के योग है। हर कार्य में जीवनसाथी का सहयोग व मानिष्य प्राप्त होगा।

वृश्चिक दिन परोपकार करने में बीतेगा। दूसरों की सहायता करने से आपको आत्मसंतुष्टि प्राप्त होगी।

धनु काम करने की जरूरत है। धैर्य और मृदु व्यवहार से वातावरण को हल्का करने में कामयाब होंगे।

मकर दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। किसी नई डील से आपको अचानक से धन लाभ होगा।

कुंभ दिन भाग्यशाली रहेगा और आपकी किस्मत चमकेगी। किसी महान सफलता से हर्ष होगा।

मीन आज का दिन है और आपको संतुष्टि का अनुभव होगा। दिन आपके लिए हर्षदायक है।

विशेष

वाजपेई जी समझ गए थे एनडीए की ताकत

केंद्र में पहली बार अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में 13 दिन की सरकार चली। तकनीकी कारणों से यह सरकार गिर गई थी। दूसरी सरकार 13 माह की सरकार बनी। रही सही कसर इस 13 महीने में पूरी हो गई इसके बाद जब 1999 में गठबंधन की सरकार बनी। तब तक अटल बिहारी वाजपेई और संघ को समझ आ गया था। गठबंधन की सरकार चलानी है ,तो सबको साथ लेकर चलना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह इस बात को कैसे और कब समझेंगे, यह देखना अभी बाकी है।

नीट मामले में यहां तक तो ठीक अब आगे...

नीट-यूजी मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को नीट रिजल्ट सिटी-सेंटर के अनुसार ऑनलाइन अपलोड करने के सख्त आदेश दिए थे। इसका पालन करते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट छात्रों का सेंटर और सिटी वाइज रिजल्ट शनिवार को ऑनलाइन अपलोड कर भी दिया। नीट-यूजी मामले की सुनवाई कर रहे चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा वाली बेंच से अब लोगों को खासी उम्मीद बंध गई है। लोगों का तो यही कहना है कि जब पेपर लीक हुआ और विभागीय मंत्री ने इसे मानने से साफ इंकार कर दिया था तब यह संदेश गया था कि अब कुछ होने जाने-वाला नहीं है। नीट का टेस्ट हो गया, रिजल्ट आ गया और जिसे जहां जो लाभ पहुंचाना था वह उन्हें मिल गया।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1545: पोलैंड और रोम के बीच विवाद और हंगरी की गद्दी के उत्तराधिकारी का मामला हल हुआ. 1901 :ब्रिटेन और जापान ने गठबंधन बनाने के लिए लंदन में बातचीत की. 1923: प्रसिद्ध गायक स्व.मुकेश का जन्म दिल्ली में हुआ. 1933: अमरीकी विमान चालक विली पोस्ट ने अकेले दुनिया का चक्कर लगाया. 1943: द्वितीय विश्व युद्ध में मित्र राष्ट्रों ने पालेमों इटली पर कब्जा किया. 1950: छह वर्ष तक निर्वासित जीवन बिताने के बाद नरेश लियोपोल्ड तृतीय बेल्जियम लौटे. 1973: सोवियत अंतरिक्ष यान ने मंगल ग्रह के लिए अपनी यात्रा शुरू की. 1977: मिस्त्र ने लीबिया के अड्डों पर दूसरे दिन भी बमबारी की. 1988: भारतीय उपग्रह इन्सैट 4- सी का कोरू, फ्रेन्च गुयाना में असफल परीक्षण किया.

दैनिक पंचांग

22 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



सोमवार 2024 वर्ष चल 204 वां दिन दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ़)
पक्ष कृष्ण तिथि प्रतिपदा 13.12 बजे को समाप्त। नक्षत्र श्रवण 22.21 बजे को समाप्त। योग प्रीति 17.58 बजे को समाप्त। करण कौलव 13.12 बजे तदनन्तर तैतिल 23.49 बजे को समाप्त।

ग्रह स्थिति		चन्द्रमा	16.0 पलभ
सूर्य	कर्क में	कर्क 05.01 बजे से	रवि क्रान्ति उत्तर 20° 13'
चंद्र	मकर में	सिंह 07.21 बजे से	सूर्य दक्षिणायन
मंगल	वृष में	कन्या 09.33 बजे से	कलि अहर्गण 1872048
बुध	सिंह में	तुला 11.44 बजे से	जूलियस दिन 2460513.5
गुरु	वृष में	वृश्चिक 13.59 बजे से	कलियुग संवत् 5125
शुक्र	कर्क में	धनु 16.15 बजे से	कल्पारंभ संवत् 1972949123
शनि	कुंभ में	मकर 18.20 बजे से	सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
राहु	मीन में	कुंभ 20.06 बजे से	वीरनिर्वाण संवत् 2550
केतु	कन्या में	मीन 21.39 बजे से	हिजरी सन् 1445
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मेष 23.10 बजे से	महीना मोहर्रम
		वृष 00.50 बजे से	तारीख 15
		मिथुन 02.48 बजे से	विशेष श्रावण सोमवार व्रत।

दिन का चौघड़िया

अमृत	06.53 से	07.22 बजे तक	
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	

रात का चौघड़िया

चर	09.43 से	07.14 बजे तक	
रोग	07.14 से	08.45 बजे तक	
काल	08.45 से	10.17 बजे तक	
लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक	
उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक	
चर	04.22 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभ लाभ श्रेष्ठ मुहू., अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidev.com, Bangalore

भूमि का चुनाव व तैयारी

सोयाबीन की खेती हल्की, रेतीली, भूमि को छोड़कर सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती है। खेत की मिट्टी अम्लीय या क्षरीय नहीं होना चाहिये। अच्छे जल निकास वाली मध्यम से गहरी काली मिट्टी सोयाबीन की खेती के लिये उपयुक्त है। रबी फसल की कटाई के बाद मोल्डवोल्ड हल (मिट्टी पलटने वाला हल) से गहरी जुताई करके खेत को खुला छोड़ दें एवं उसके बाद जून के पहले सप्ताह में दो-तीन बार हेरो या कल्टीवेटर को विपरीत दिशा में चलाकर ढ़ेले फोड़कर खेत को समतल कर लें। खेत में 20-25 लाइनों के बाद नाली का निर्माण अवश्य करें जिससे वर्षा जल के निकास में सुविधा रहती है।



बीज का अंकुरण परीक्षण

बीज का अंकुरण का परीक्षण अत्यन्त आवश्यक है। अंकुरण परीक्षण हेतु पानी से भींगे टाट के टुकड़े में बीज के 100 दानों को लाइनों में अथवा अखबार की दो पर्तों को लेकर उसके आधे भाग को गीला कर बीज के 100 दानों लाइन में रखकर उसी से ढक के तथा रोजाना पानी का छिड़काव करें जिससे नमी बनी रहे। उक्त कार्य को 2–3 बार अलग–अलग टाट की बोरी पर करें 6–8 दिन बाद ऊपरी परत को उठाकर अंकुरित दानों की संख्या को गिन लें। अंकुरित दानों का प्रतिशत 70 या इससे अधिक होने पर ही बीज के रूप में उपयोग करें। कम अंकुरण प्रतिशत पाये जाने पर बीज की मात्रा की गणना निम्नानुसार प्रति हेक्टेयर करें।

उदाहरणार्थ– यदि अंकुरण प्रतिशत 65 पाया जाता है तब बीज की मात्रा = बीज का अंकुरण प्रतिशत / बीज दर की मात्रा × 100

65 / 75 × 100 = 87 किग्रा / हे.

बुवाई के समय किये जाने वाले कार्य

बीज – छोटे दाने वाले किस्मों की बीजदर 60–70 कि.ग्रा., मध्यम दाने वाली किस्मों की बीजदर 70–75 कि.ग्रा. तथा बढ़े दाने वाली किस्मों की बीजदर 90–100 कि.ग्रा. रखें चाहिये। बीज को फफूंदनाशक दवा कार्बेन्डाजिम या कार्बोक्सिन+थायरम या मेंकोजेब या वीटावेक्स की 2 ग्राम मात्रा द्वारा अथवा ट्राइकोडर्मा विरिडी की 58 ग्राम मात्रा के प्रति कि.ग्रा. का उपचार करना आवश्यक है ताकि बीज एवं मृदा जनित बीमारियों से बीज की रक्षा जा सकें। फफूंदनाशक दवा से उपचार के पश्चात् 5 ग्राम राइजोवियम व 5 ग्राम पी.एम.बी. से बीज को निवेशित करें।

बुवाई

अच्छे अंकुरण के लिये बोने के समय खेत में 10 सेमी. गहराई तक उपयुक्त नमी हो। बोआई हेतु किस्म के अनुसार कतार से कतार की दूरी 30–45 से.मी. व पौधे से पौधे की दूरी 6–8 से.मी. रखें। बीज को 3.5 से.मी. से अधिक गहराई पर नहीं बोयें। सोयाबीन की 9 लाइनों के बाद एक लाइन की जगह निरीक्षण पट्टी के रूप में छोड़ें। कुल मिलाकर एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में कुल 4–4.5 लाख पौधों की संख्या जरूर हो।



उन्नत किस्में

जे. एस. 335, जे. एस. 93–05, जे. एस. 95–60, जे. एस. 90–41, एन. आर. सी. 7, एन. आर. सी. 12, एन.आर.सी. 37, पूसा–16, इंदिरा सोया 9, जे. एस. 7105 , जे. एस. 97–52

पोषक तत्व प्रबंधन

अंतिम बखरनी के समय खेत में अच्छी पकी हुई गोबर की खाद का कम्पोस्ट 5–10 टन उपलब्धानुसार प्रति हे. के मान से मिलाये। मध्यम उर्वरता वाली भूमि में सोयाबीन की खेती हेतु 20 कि.ग्रा. नत्रजन, 60 कि.ग्रा. स्फुर, 20 कि.ग्रा. पोटाश 20 कि.ग्रा. सल्फर व सूक्ष्म मात्रा में मैग्नीशियम, जस्ता, लोहा की आवश्यकता होती है जिसकी पूर्ति निम्न में से किसी एक उर्वरक समूह से की जा सकती है।

खरपतवार नियंत्रण

सोयाबीन की फसल में खरपतवारों को नष्ट न करने से उत्पादन में 25–70 प्रतिशत तक की कमी हो सकती है। खरपतवार, फसल के लिये भूमि में निहित पोषक तत्वों में से 30–60 कि.ग्रा. नत्रजन, 8–10 कि.ग्रा. स्फुर एवं 40–60 कि.ग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से भूमि से शोषित करते हैं, जिससे पौधों की विकासगति धीमी पड़ जाती है और उत्पादन स्तर गिर जाता है इसके अतिरिक्त खरपतवार फसल को नुकसान पहुँचाने वाले अनेक प्रकार के कीड़े व बीमारियों के रोगाणुओं को भी आश्रय देते हैं।

भण्डारण

बीज को ठण्डे व हवादार गोदाम में भण्डारित करें जिसमें वायु संचार की पर्याप्त व्यवस्था हो तथा तापमान 20–25 डिग्री सेंटीग्रेड स्थिर रहे। भण्डारण से पूर्व बीज को ठीक से सुखा लें तथा लगभग 10 प्रतिशत रखें। सूखे बीज को बोरों में भरकर गोदामों में लकड़ी के रैक्स पर दीवार से दूर रखें।

मेढ़नाली पद्धति से सोयाबीन की खेती

मेढ़नाली पद्धति से सोयाबीन की बुवाई करने से वर्षा की अनिश्चितता से होने वाली हानि की संभावना को कम किया जा सकता है। मेढ़नाली पद्धति में बीजाई मेड़ों पर की जाती है तथा दो मेढ़ों के मध्य लगभग 15 से.मी. गहरी नाली बनाई जाती है तथा मिट्टी को फसल की कतारों की तरफ कर दिया जाता है। बीज की बीजाई मेढ़ पर होने से अति वर्षा या तेज हवा के समय पौधों के गिरने की संभावना कम हो जाती है तथा अतिरिक्त पानी का निकास हो जाता है। यदि फसल अवधि में अवर्षा या लम्बे अंतराल से वर्षा न होने की स्थिति में नमी की कमी नहीं हो पाती, क्योंकि खेत की नालियों में नमी की उपलब्धता ज्यादा लम्बे समय तक बनी रहती है। साधारण सीडड्रिल में एक छोटी सी लोहे की पट्टी लगाकर बुवाई का कार्य किया जा सकता है अथवा साधारण सीडड्रिल द्वारा समतल बुवाई करने के पश्चात कतारों के बीच देशी हल चलाकर नाली का निर्माण किया जा सकता है। बुवाई पश्चात् एवं अंकुरण के बाद नाली को अंत मे मिट्टी द्वारा बांध दिया जाता है जिससे वर्षा के पानी का भूमि में अधिक से अधिक संरक्षण हो। वर्तमान सीडड्रिल के आगे मेढ़नाली (रिज एवं फरो पद्धति) यंत्र का उपयोग करके सीधे बुआई की जा सकती है।



पौध संरक्षण





रोग

पीला मोजेक -

यह एक विषाणु जनित रोग है जो सफेद मक्खी नामक रसचूसक कीट द्वारा फैलता है, रोग की शुरूआत पौधो की नई पत्तियों पर अनियमित रूप से फैले चमकीले धब्बों के रूप में होती है, पत्ती की मुख्य शिराओं के साथ पीली पट्टी सी बन जाती है व पीले क्षेत्रों में ऊतकक्षयी चित्तियां बन जाती हैं।

गेरूआ रोग -

इस रोग का प्रकोप प्राय: अगस्त के तृतीय सप्ताह से सितंबर के प्रथम सप्ताह के मध्य प्रारंभ होता है। रोग के लक्षण पौधो की निचली पत्तियों की निचली सतह पर हरे, पनीले, पीले भूरे रंग के छोटे–छोटे सुई के नोक के बराबर कोणीय धब्बों के रूप में प्रकट होते हैं, इन पर उभरे हुए फफोलों जैसे स्फोट बनते हैं जिनके अंदर मटमैले भूरे रंग के फफूंद के बीजाणु का चूर्ण भरा रहता है, धीरे–धीरे ऐसे ही धब्बे पत्तियों, तना व शाखाओं पर बनते हैं प्रभावित पत्तियां पीली एवं भूरी होकर झड़ने लगती हैं रोगी पौधों में फलियां बहुत कम बनती हैं, आक्रमण प्रारंभ होने से 8–10 दिनों के भीतर पूरी फसल झुलसकर खत्म हो जाती है।

कीट

हरी अर्ध कुण्डलक इल्ली-

यह कीट प्रत्येक वर्ष सोयाबीन फसल पर आक्रमण करता है और कली, फूल एवं फलियों को खाकर हानि करता है, इसके कारण फसल में बांझपन या अफलन (बिना फली का) एवं कलियों का गुच्छे में पाया गया है, व्यस्क कीट के अग्र पंखों के बीच में डमरू के आकार के छोटे सफेद धब्बे होते है जो रात्रिचर होता है, इस कीट की इल्ली का अग्र भाग पतला और पिछला भाग मोटा होता है जो अर्द्ध कुण्डली बनाकर चलती है।

चक्र भंग-

इस कीट का आक्रमण जुलाई से अक्टूबर तक चलता है, मादा कीट अपने मुखांगों से तने के ऊपरी भाग या पत्ती के पर्णवृन्त या डंठल पर 6 से 15 मिमी. की दूरी पर दो चक्र बनाती है जिससे चक्र के ऊपर का भाग सूख जाता है, नीचे वाले चक्र के ऊपर तीन छिद्र बनाकर माद छिद्र में केवल एक अण्डा रखती है अण्डे से इल्ली निकलकर तने के बीच का भाग खाती है, जिससे तना खोखला हो जाता है।

तम्बाकू की इल्ली -

यह सर्वभक्षीय कीट है तथा इसका आक्रमण सोयबीन पर अगस्त–सितंबर से फसल पकने तक रहता है, छोटी इल्लियां समूह में रहकर पत्तियों को खुरच कर खाती हैं जिससे पत्तियां सफेद पीली जाली सी दिखाई देती है और 3 से 5 दिन बाद अलग–अलग होकर पत्तियों को किनारे से खाने लगती हैं, फली रहने पर फलियों में छेदकर दानों को भी खाती है, पर्ण विकसित इल्ली 30 से 40 सेमी. लम्बी तथा गहरे हरे रंग की होती है तथा इसके सभी खण्डों पर काले धब्बे होते हैं, व्यस्क कीट रात्रि में सक्रिय होते हैं और दिन में पत्तियों के निचले सतह पर भूमि पर बैठे रहते हैं सोयाबीन की फसल पर यह कीट 30–35 दिन में जीवन चक्र पूरा करता है।

तना मक्खी -

इस कीट की मादा बीज पत्रों तथा त्रिपत्ती पत्तियों पर अण्डे रखती है। अण्डों से निकले गिडार, तनों में टेड़ी–मेड़ी सुरंग बनाती है। पौधे की आरंभिक अवस्था में आक्रमण होने पर ग्रसित पत्ती का ऊपरी आधा भाग मुरझाकर सूख जाता है। बड़े पौधे ग्रसित होने पर पीले पड़ जाते है। फलस्वरूप फलियां कम लगती है और बहुत सी फलियां पोची रह जाती है। खड़ी फसल में नीदा नियंत्रण हेतु निम्न उपाय खरपतवारों की तीव्रता के हिसाब से करें। सोयाबीन की फसल मे प्रथम निराई बुआई के 20–25 दिन बाद एवं दूसरी 40–45 दिन बाद करें।

क्र.	खरपतवारों की तीव्रता	खरपतवारनाशी
1.	चौड़ी पत्ती वाले	इमेजाथायपर 1.0 ली फसल के 12–15 दिन की अवस्था पर छिड़काव
2.	संकरी पत्ती वाले	क्विजालोकॉप ईथाइल 5 प्रतिशत ई.सी. 750–1000 मिली/हे. दिन की अवस्था पर, जब खरपतवारों में 2–3 पत्ती आ जावे समान रूप से छिड़काव करें।
3.	चौड़ी व संकरी पत्ती दोनों प्रकार के	क्वीजालोफॉस इथाईल 5: ई.सी.क्लोरीयूरान ईथायल 25: डब्ल्यू.पी. क्रमश: 750 मिली. एवं 37.50 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से मिलाकर छिड़काव करें।

खरपतवार व सोयाबीन फसल की प्रतिस्पर्धा अवधि 20–35 दिन रहती है अत: इससे पूर्व नीदा नियंत्रण आवश्यक है।



संक्षिप्त समाचार

भारत निवेशकों के लिए पसंदीदा निवेश गंतव्य: गोयल



नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को अमेरिका में रहने वाले भारतीय प्रवासियों से देश को पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने में मदद करने की अपील की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध व्यापक अवसरों के बारे में बताया। मंत्री ने कहा कि सरकार ने निवेश जुटाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें कारोबारी सुगमता, अनुपालन बोझ को कम करना, अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए खोलना शामिल है। गोयल ने प्रवासी भारतीयों से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान करने को भी कहा। उन्होंने कहा, ब्रांड इंडिया को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने में मदद करें। भारत में किए गए निवेश में जबरदस्त वृद्धि क्षमता है। इस साल अप्रैल और मई के बीच एनआरआई जमा बढ़कर तीन अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में चार गुना है। उन्होंने अमेरिका में प्रवासी भारतीयों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बातचीत में यह बात कही। गोयल ने कहा, मैं आप सभी को भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित करता हूं। भारत की वृद्धि गाथा तेज गति से आगे बढ़ती रहेगी। भारत विश्व अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करना जारी रखेगा और निवेश तथा विनिर्माण के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य बना रहेगा। स्वच्छ ऊर्जा पर उन्होंने कहा कि भारत के पास 500 गीगावाट का दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रम है।

3 के शेयर को खरीदने की लूट, लगा 20 प्रतिशत का अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक आमतौर पर जोखिम भरा होता है, लेकिन कुछ शेयर ऐसे होते हैं जो कि शानदार रिटर्न दे जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही शेयर के बारे में बता रहे हैं जिसने कम समय में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। यह शेयर सुमीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड है। कर्ज में फंसी टेक्सटाइल कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को बीएसई पर 20 प्रतिशत तक चढ़ गए थे और 3 रुपये पर बंद हुए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक खबर है। दरअसल, कंपनी दिवालिया होने जा रही है और इसे अब ईगल ग्रुप टेकओवर करेगा।

कंपनी के शेयर

सुमीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर बीएसई पर 20 प्रतिशत चढ़कर 3 रुपये पर बंद हुए थे। पिछले एक महीने में यह शेयर 45 प्रतिशत तक चढ़ा है। छह महीने में इसमें 25 प्रतिशत की गिरावट आई है और इस साल वायटीडी में यह शेयर 35 प्रतिशत तक गिर गया है। सालभर में इसमें 18 प्रतिशत की तेजी आई है। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 5.25 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 1.90 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 31.09 करोड़ रुपये है। पेनी स्टॉक ऐसे स्टॉक होते हैं जिनकी कीमत बहुत कम होती है, ज्यादातर 20 रुपये प्रति शेयर से कम और ऐसी कंपनियों का मार्केट कैप भी कम होता है। बता दें कि सुमीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड को पहले सुमीत सिंथेटिक्स (एसएसएल) के नाम से जाना जाता था। कंपनी को 1 अगस्त 1988 को एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में शामिल किया गया था।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बनाएंगी अनोखा रिकॉर्ड

इस बार बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा

23 जुलाई को संसद में बजट पेश किया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार से बजट सत्र शुरू हो रहा है। यह बजट सत्र 12 अगस्त तक चलेगा। इसमें 19 बैठकें होंगी। मंगलवार यानी 23 जुलाई को बजट पेश किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब बजट पेश करेंगी तो वह एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी होंगी। यानी यह बजट काफी खास होगा। आजादी के बाद यह पहली बार होगा जब यह रिकॉर्ड बनेगा। वहीं दूसरी ओर 20 जून से वित्त मंत्री ट्रेड यूनियनों, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों, एमएसएमई, अर्थशास्त्रियों और अन्य के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रही हैं। इन बैठकों का उद्देश्य प्रमुख बजटीय चिंताओं पर इनपुट एकत्र करना था।



हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 22 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र के साथ अपना सातवां केंद्रीय बजट पेश करके इतिहास रच देंगी। वह लगातार सात बजट पेश करने वाली पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी। इससे पहले मोरारजी देसाई ने छह बजट पेश करने का रिकॉर्ड बनाया था। सीतारमण जब अपना बजट पेश करेंगी तो वह मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ देंगी। देसाई ने साल 1959 से 1964 तक वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया और पांच पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट पेश किया था।

इस बार खास होगा बजट

बजट 2024 को पिछले पूर्ण केंद्रीय बजटों की तरह ही कागज रहित रूप में पेश किया जाएगा। आम चुनावों से पहले 1 फरवरी को 2024 के लिए अंतरिम केंद्रीय बजट पेश किया गया था। वित्त मंत्रालय ने बजट तैयारियों के हिस्से के रूप में विभिन्न आर्थिक हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के कई दौर पूरे कर लिए हैं।

रोजगार पैदा करने पर फोकस

वित्त मंत्री के साथ बातचीत में अर्थशास्त्रियों ने पूंजीगत व्यय को बढ़ावा देने और राजकोषीय घाटे को कम करने जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला। भारतीय उद्योग परिसंघ के उद्योग प्रतिनिधियों ने आगामी बजट में पूंजीगत व्यय बढ़ाने की वकालत की। मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि अर्थशास्त्रियों के समूह ने मंत्रालय को सुझाव दिया कि आगामी बजट में राजकोषीय घाटे को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। साथ ही रोजगार वृद्धि पैदा करने की आवश्यकता पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

6 विधेयक हो सकते हैं पेश

बजट सत्र में केंद्र सरकार विमान अधिनियम और जम्मू-कश्मीर के बजट के लिए संसद की मंजूरी सहित छह विधेयक पेश करने की योजना बना रही है। अन्य विधेयकों में वित्त विधेयक, आपदा प्रबंधन कानून, भारतीय वायुयान विधायक 2024, बॉयलर विधेयक और कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक और रबर (संवर्धन और विकास) विधेयक शामिल हैं।

यात्रियों को पूरा किराया और वाउचर देगा एयर इंडिया, तकनीकी खराबी के बाद रूस में लैंड हुआ था विमान

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया की तरफ से जारी पत्र में उल्लेख किया गया है, सैन फ्रांसिस्को की यात्रा के दौरान आपको हुई असुविधा के लिए कृपया हमारी ईमानदारी से क्षमा-याचना स्वीकार करें। हम पूरी तरह से समझते हैं कि पिछले 24 घंटे कठिन थे और इस दौरान हम आपके धैर्य के लिए कृतज्ञ हैं। आपकी सुरक्षा हमारे लिए हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता रही और हमारे पायलटों ने क्रास्नोयार्स्क अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे [केजेए], रूस पर एहतियाती लैंडिंग करने का निर्णय लिया।



एयर इंडिया को ऐसे यात्रा अनुभव के लिए पछतावा है

एयरलाइन ने यह भी कहा कि उनकी प्राथमिकता यात्रियों को जल्द से जल्द सैन फ्रांसिस्को पहुंचाना था और इसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों के सहयोग से राहत उड़ान भेजी। एयर इंडिया की तरफ से पत्र में लिखा गया, हालांकि हम आपके द्वारा झेले गए अनुभव को मिटा नहीं सकते, लेकिन अपने पछतावे को व्यक्त करने के लिए, हम आपकी यात्रा का पूरा किराया वापस कर देंगे और आपको एयर इंडिया पर भविष्य की यात्रा के लिए एक वाउचर प्रदान करेंगे। बता दें कि एयर इंडिया की सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट के नई दिल्ली से उड़ान भरने के लगभग 30 घंटे बाद, यह तकनीकी कारणों से रूस के क्रास्नोयार्स्क अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डायवर्ट होने के बाद अमेरिकी शहर के हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतरी। नई दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली फ्लाइट ,ढ्ढ-183 को 18 जुलाई को तकनीकी कारणों से रूस के क्रास्नोयार्स्क अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डायवर्ट किया गया था। वहीं शनिवार को अपने अंतिम अपडेट में, एयर इंडिया ने घोषणा की कि फ्लाइट, जिसे अब ,ढ्ढ 1179 के रूप में अपडेट किया गया है, सैन फ्रांसिस्को में सुरक्षित रूप से पहुंच गई। यात्रियों और चालक दल को उतार दिया गया और आगे की प्रक्रियाओं के लिए टर्मिनल बिल्डिंग में ले जाया गया। चूंकि एयर इंडिया के पास क्रास्नोयार्स्क अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपना स्टाफ नहीं था, इसलिए उन्होंने यात्रियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तीसरे पक्ष के समर्थन की व्यवस्था की।

शेयर बाजारों की दिशा आम बजट तथा वैश्विक रुख से तय होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा आम बजट, कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां, डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव तथा ब्रेंट कच्चे तेल के दाम भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे।

क्या बोल रहे हैं एक्सपर्ट्स?

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा, बाजार के लिए अगला सबसे महत्वपूर्ण कारक 23 जुलाई, 2024 को पेश होने वाला आम बजट है। बजट में वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों के जारी रहने की उम्मीद है। कई अन्य कारक भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगे। इनमें कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे, घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़े और व्यापक रूप से वैश्विक बाजार का रुख शामिल है। उन्होंने कहा कि विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों (एफआईआई और डीआईआई) की गतिविधियां और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी।



इस सप्ताह कई बड़ी कंपनियों मसलन बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, लार्सन एंड टुब्रो, डीएलएफ, टेक महिंद्रा और नेस्ले अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बाजार की दिशा आगामी बजट से तय होगी।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि बाजार की आगे की दिशा के लिए आम बजट महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही तिमाही नतीजों का सत्र रफ्तार पकड़ने जा रह है, जिससे बाजार में कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। सोमवार को सभी की निगाह एचडीएफसी बैंक के शेयर पर रहेगी। जून, 2024 को समाप्त तिमाही में एचडीएफसी बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ 33.17 प्रतिशत बढ़कर 16,474.85 करोड़ रुपये रहा है।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 85.31 अंक या 0.10 प्रतिशत चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 28.75 अंक या 0.11 प्रतिशत के लाभ में रहा। सेंसेक्स शुक्रवार को 81,587.76 के अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। उसी दिन निफ्टी भी 24,854.80 अंक के अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा।

65 पर जा सकता है उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक का शेयर, देगा मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी क्वालिटी शेयरों में दांव लगाने की सोच रहे तो आपके लिए काम की खबर है। आप उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर पर दांव लगा सकते हैं। घरेलू ब्रोकरेज के मुताबिक आने वाले दिनों में इस शेयर में तेजी आ सकती है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक को 65 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने की सलाह दी है। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक का मौजूदा बाजार प्राइस 43.45 रुपये है।

क्विक डिलीवरी ने बदली लोगों की आदत, 5 साल में दोगुनी हुई घर के जरूरी सामान की खरीदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रहने वाले रमेश (बदला हुआ नाम) पिछले कई महीने से घर का जरूरी सामान खरीदने रिटेल स्टोर नहीं गए हैं। उनकी पत्नी को अब यह नहीं पता कि उनकी सोसायटी के बाहर किराना की कोई नई दुकान खुली है या नहीं। यह सब इसलिए क्योंकि अब वह घर का सारा सामान ऑनलाइन ही मंगा लेती हैं। इस बारे में रमेश कहते हैं कि इससे न केवल समय बचता है बल्कि कई चीजें सस्ती भी मिल जाती हैं। ऐसा सिर्फ रमेश और उनकी पत्नी ही नहीं कर रहे, इस समय ज्यादातर लोग घर के सामान की खरीदारी ऑनलाइन ही कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है कि कम समय में ही घर बैठे सामान आ जाता है।

हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स में छपी खबर के मुताबिक क्विक डिलीवरी ने लोगों की खरीदारी की आदत को बदल दिया है। साथ ही लोग अब पहले के मुकाबले रोजाना की जरूरत की चीजों को जल्दी-जल्दी और ज्यादा मात्रा में खरीद रहे हैं। खरीदारी के इस बदलाव के कारण रिटेल स्टोर के विक्रेताओं को भी ऑर्डर डिलीवर करने के तरीके में बदलाव करने पड़ रहे हैं। एक्सपर्ट और एफएमसीजी कंपनी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि क्विक ई-कॉमर्स की वजह से ग्राहकों को जरूरत का सामान अब घर बैठे तुरंत मिल जाता है।



हर 56 घंटे में एक बार खरीदारी

लोगों की खरीदारी की लेकर रिसर्च फर्म कैंटार ने इस महीने डेटा जारी किया है। इस डेटा के अनुसार भारतीय एफएमसीजी उत्पादों के लिए एक साल में 156 बार खरीदारी कर रहे हैं। यानी हर 56 घंटे में एक बार। एफएमसीजी इंडस्ट्री से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक यह संख्या 5 साल में करीब दोगुनी है। 5 साल पहले भारतीय एक साल में 80 से 90 बार खरीदारी करते थे। कैंटार ने कहा कि पिछली चार तिमाहियों में एक तिमाही में खरीदे गए एफएमसीजी पैक की संख्या 199 से 202 के बीच रही।

खुदरा विक्रेता भी ऑनलाइन डिलीवरी को दे रहे बढ़ावा

ऑनलाइन डिलीवरी का असर खुदरा विक्रेताओं यानी रिटेल स्टोर पर भी दिखाई दे रहा है। ग्राहक तक पहुंच बनाने के लिए ये भी ऑनलाइन डिलीवरी का सहारा ले रहे है। इनमें रिलायंस रिटेल और स्पेंसर रिटेल जैसे स्टोर शामिल हैं। ये खुदरा विक्रेता ऑनलाइन ऑर्डर पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और अपने डिलीवरी समय को कम कर रहे हैं। वहीं ई-कॉमर्स फर्म अमेजन तेजी से ऑर्डर पूरा करने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर फ्लिपकार्ट ने अपनी खुद की क्विक कॉमर्स सेवा शुरू की है।

कम हो रही मासिक खरीदारी

बिस्किट और स्नैक बनाने वाली कंपनी पारले प्रोडक्ट्स के सीनियर कैटेगरी हेड (मार्केटिंग) कृष्णराव बुद्ध ने कहा, हर साल मासिक किराना शॉपिंग बास्केट का आकार घट रहा है, क्योंकि उपभोक्ता क्विक कॉमर्स और अन्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की सुविधा के कारण जरूरत के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं और रिटेलर डिलीवरी का समय कम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर साल एफएमसीजी के लिए शॉपिंग ट्रिप या ऑर्डर की संख्या में 15-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही है।

12 घंटे से ज्यादा तक बढ़ाया जा सकता है आईटी कर्मियों के काम का समय, प्रस्ताव पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में निजी क्षेत्र में नौकरी का आरक्षण देने वाले विधेयक पर हंगामा थमा नहीं था कि एक और नया विवाद पैदा हो गया है। राज्य सरकार अब आईटी कर्मचारियों के काम के घंटे बढ़ाने की योजना बना रही है। हालांकि, इसका आईटी क्षेत्र की यूनियनों ने विरोध किया है। दरअसल, सरकार मौजूदा 10 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे से अधिक प्रतिदिन करने की योजना बना रही है।

कर्नाटक दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन से आईटी क्षेत्र के यूनियनों में रोष फैल गया है, जिनका तर्क है कि कामकाजी घंटे बढ़ाने से कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर खतरनाक असर पड़ सकता है।

12 घंटे के कार्य दिवस की सुविधा के लिए कर्नाटक दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव उद्योग में विभिन्न हितधारकों के साथ श्रम विभाग द्वारा बुलाई गई बैठक में पेश किया गया। कर्नाटक राज्य आइटी/आइटीइएस कर्मचारी संघ (केआइटीयू) के प्रतिनिधि पहले ही श्रम मंत्री संतोष लाड से मिल चुके हैं और इस कदम पर अपनी चिंताएं व्यक्त कर चुके हैं।



क्या है नई योजना?

नए प्रस्ताव के अनुसार, आईटी/आईटीईएस/बीपीओ क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी को एक दिन में 12 घंटे से अधिक काम करने की अनुमति दी जा सकती है और लगातार तीन महीनों में 125 घंटे से अधिक काम करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

केआईटीयू का क्या कहना

केआईटीयू के महासचिव सुहास अडिगा ने बताया, इससे आईटी/आईटीईएस कंपनियों को काम के दैनिक घंटे अनिश्चित काल तक बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह संशोधन कंपनियों को वर्तमान में मौजूद तीन शिफ्ट प्रणाली के बजाय दो शिफ्ट प्रणाली को अपनाने की अनुमति देगा और एक तिहाई कर्मचारियों को उनके रोजगार से बाहर कर दिया जाएगा। साथ ही आईटी कर्मचारियों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होगा। विरोध देखते हुए श्रम मंत्रीअंतिम फैसला करने से पहले चर्चा करने के लिए सहमत हो गए हैं। सरकार के फैसले का राज्य के आईटी उद्योग और उसके कर्मचारियों की भलाई के लिए दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है।

डाटा खपत में जियो ने चीन को पछाड़ा, बनी दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने कहा कि वह 'डेटा ट्रैफिक यानी खपत के मामले में चीनी कंपनियां को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। कंपनी ने बयान में कहा, प्रति व्यक्ति डेटा खपत बढ़कर 30.3 जीबी प्रति माह यानी प्रतिदिन एक जीबी से अधिक हो गई। इसके साथ वह डेटा ट्रैफिक के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बन गई है।

रिलायंस जियो के जून तिमाही के आंकड़ों के अनुसार डेटा खपत 32.8 प्रतिशत बढ़कर 44 अरब गीगाबाइट (जीबी) हो गई जो बीते साल इसी तिमाही में 33.2 अरब जीबी थी। बयान में कहा गया है, कंपनी के कुल ग्राहकों की संख्या लगभग 49 करोड़ पहुंच गई है, जिसमें 13 करोड़ 5जी उपयोगकर्ता शामिल हैं। इसके साथ अगर चीन को छोड़ दें तो जियो 5जी सेवाओं के मामले में सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश एम अंबानी ने कहा, टटगुणवत्तापूर्ण उच्च कवरेज वाला, किफायती इंटरनेट डिजिटल इंडिया की रीढ़ है और जियो को इसमें योगदान देने पर गर्व है। हमारे नये 'प्रीपेड प्लान, 5जी और एआई (कृत्रिम मेधा) के क्षेत्र में नवोन्मेष और सतत विकास को बढ़ावा देंगे। 'ग्राहक पहले दृष्टिकोण के साथ, अपने बेहतर नेटवर्क और नए सेवा प्रस्तावों के दम पर जियो बाजार में अपनी अगुवा वाली स्थिति को और मजबूत करेगी। कंपनी नेटवर्क पर वॉयस कॉलिंग चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में 1,420 अरब मिनट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले छह प्रतिशत अधिक है।



संक्षिप्त समाचार

ताइवान पर चीनी हमले का खतरा बढ़ा, 60 प्रतिशत ताइवानी हैं ड्रैगन से खौफजदा



ताइपे, एजेंसी। एक सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि ताइवान पर चीन के हमले का खतरा बढ़ गया है। ताइवान के लोगों ने खुद ये बात स्वीकार की है। ताइवान स्थित एकेडेमिया सिनिका द्वारा किए गए सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि ताइवान के लगभग 60 प्रतिशत निवासियों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में ताइवान के विरुद्ध चीन का खतरा बढ़ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एकेडेमिया सिनिका के यूरोपीय और अमेरिकी अध्ययन संस्थान के सहायक अनुसंधान फेलो जेम्स ली ने कहा, सर्वेक्षण में इस बात पर चर्चा की गई कि संयुक्त राज्य अमेरिका की विश्वसनीयता और समय के साथ इसमें किस तरह का बदलाव आया है और चीन का खतरा कितना बढ़ा है, साथ ही ताइवान के लोग अमेरिकी और चीनी संकेतों को किस तरह देखते हैं। खास बात ये है कि 80 फीसदी ताइवान के लोग मानते हैं कि चीन और ताइवान एक देश नहीं हैं। वहीं 13 फीसदी लोगों का मानना है कि चीन और ताइवान एक ही देश हैं। सर्वेक्षण रिपोर्ट में अमेरिकी विश्वसनीयता में 7.2 प्रतिशत अंकों की वृद्धि देखी गई है, जो साल 2023 के 34 प्रतिशत से बढ़कर इस साल 41 प्रतिशत हो गई है। ताइवान के लोग इस बात पर भी एकमत नहीं हैं कि अगर ट्रंप, अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो फिर अमेरिका ताइवान का बचाव करेगा या नहीं। यह सर्वेक्षण ऐसे समय हुआ है, जब चीन और ताइवान के बीच तनाव बढ़ रहा है। हाल ही में भी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के 22 पीएलए विमानों और 8 पीएलएएन जहाजों ने ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। ताइवान की सेना भी वार्षिक हान कुआंग सैन्य अभ्यास कर रही है। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हाल के वर्षों में ताइवान के लिए सैन्य खतरा बढ़ा है।

पाकिस्तान ने इस्राइली प्रधानमंत्री को बताया आतंकवादी, यहूदी देश के उत्पादों पर भी लगाया प्रतिबंध



इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सरकार ने कहा है कि वह इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को आतंकवादी मानती है। पाकिस्तान ने मांग की कि फलस्तीनियों के खिलाफ युद्ध अपराध के लिए नेतन्याहू को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के राजनीति और सार्वजनिक मामलों पर सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि नेतन्याहू एक आतंकवादी हैं और युद्ध अपराध के दोषी हैं। राणा सनाउल्लाह ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसी कंपनियों और उत्पादों की पहचान के लिए एक समिति भी गठित की गई है, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इस्राइल या फलस्तीनियों के खिलाफ युद्ध अपराध करने वाली ताकतों को बढ़ावा दे रही हैं। पाकिस्तान की धार्मिक और राजनीतिक पार्टी तहरीक ए लब्बैक पाकिस्तान के हजारों समर्थकों ने इस्लामाबाद में गाजा युद्ध के खिलाफ सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध कार्यक्रम में राणा सनाउल्लाह भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में तत्काल युद्ध विराम की मांग की और पाकिस्तानी सरकार से इस्राइली प्रधानमंत्री को आतंकवादी घोषित करने की अपील की। पाकिस्तान और इस्राइल के बीच सीधा कोई व्यापारिक संबंध नहीं है, लेकिन कई पश्चिमी ब्रांड इस्राइली उत्पाद पाकिस्तान में बेचते हैं। राणा सनाउल्लाह ने कहा कि हम न केवल इस्राइल का बहिष्कार करेंगे बल्कि इससे संबंधित सभी उत्पादों और उन कंपनियों का भी बहिष्कार करेंगे, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से क्रूर ताकतों की मदद कर रही हैं। ऐसे उत्पादों की पहचान के लिए एक समिति बनाई जाएगी। पाकिस्तान सरकार ने तहरीक ए लब्बैक पार्टी से ये वादा भी किया कि पाकिस्तानी सरकार महीने के अंत में फलस्तीनियों की मदद के लिए एक हजार टन से अधिक राहत सामग्री भेजेगी।

पाकिस्तान में इस साल पोलियो का 9वां मामला आया सामने

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में शनिवार को इस साल पोलियो का नौवां मामला सामने आया, जिससे इस गंभीर बीमारी को खत्म करने के देश के प्रयासों को झटका लगा है। जियो न्यूज की एक खबर के अनुसार पोलियो का यह मामला बलूचिस्तान प्रांत के झोब जिले में सामने आया। खबर के अनुसार प्रांत के झोब इलाके के हसनजई का डेढ़ साल का बच्चा पोलियो की चपेट में आया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रधानमंत्री के संयोजक डॉ. मलिक मुख्तार अहमद ने कहा कि इस साल देश में नौ बच्चे पोलियो वायरस से प्रभावित हुए हैं। पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में काम करने वाली आयशा रज़ा फारूक ने लोगों को अपने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलने की सलाह दी और कहा कि पोलियो को रोकने के लिए दवा की अधिक खुराक की जरूरत है।

इजरायल ने लेबनान पर किए हवाई हमले, चार बच्चों समेत सात लोग घायल



बेरूत, एजेंसी। इजरायल-हमास युद्ध के बीच इजरायली सेना गाजा के अलावा अन्य जगहों पर भी कार्रवाई कर रही है। इसी बीच इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान के विभिन्न इलाकों में हवाई हमले किए हैं। इसमें चार विस्थापित सीरियाई बच्चों सहित सात लोग घायल हो गए हैं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने शनिवार को बताया कि इजरायली ड्रोन और फाइटर विमानों ने हौला के दक्षिण-पूर्वी गांव में एक घर पर हवाई हमला किया, जिसमें तीन नागरिक घायल हो गए। इसके अलावा कई घर भी तबाह हो गए।

इसके साथ ही एक अन्य इजरायली ड्रोन ने दक्षिण-पूर्वी शहर मरजायून के बुर्ज अल-मुलुक क्षेत्र में भी हमला किया। इसकी चपेट में आने से वहां मौजूद चार सीरियाई बच्चे घायल हो गए। इजरायल के हवाई हमले के बीच हिजबुल्लाह ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकों ने अल-मनारा साइट के क्षेत्र में मौजूद इजरायली सैनिकों को निशाना बनाया है।

वहीं, लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बलों के प्रवक्ता एंड्रिया टेनेंटी ने शनिवार को कहा कि लेबनान और इजराइल के बीच कूटनीतिक समाधान संभव है। उन्होंने दोनों पक्षों से युद्ध विराम का भी आह्वान किया। टेनेंटी ने कहा कि लेबनान और इजराइल के दलों ने दुश्मनी को खत्म करने और स्थायी युद्ध विराम की दिशा में आगे बढ़ने के लिए संयुक्त राष्ट्र संकल्प 1701 के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान ही एकमात्र रास्ता है। हम तनाव कम करने व शांति की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संकल्प 1701 के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए अपनी शक्ति के मुताबिक सब कुछ करना जारी रखेंगे। बता दें कि 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमास के हमले के बाद हिजबुल्लाह द्वारा इजरायल की ओर रॉकेट दागे गए, जिसके बाद से ही लेबनान-इजरायल सीमा पर तनाव बढ़ा हुआ है। हालांकि, हिजबुल्लाह के हमलों का इजरायल की ओर से भी जवाब दिया गया और इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकानों पर जमकर हमले किए। इस बीच हिजबुल्लाह के महासचिव हसन नसरल्लाह ने चेतावनी दी है कि युद्ध छिड़ने की स्थिति में इजरायल की कोई भी जगह उनकी मिसाइलों से सुरक्षित नहीं रहेगी।

इजरायल ने यमन में हौथी तेल ठिकानों पर की बमबारी : इजरायल की सेना ने कहा है कि उसने यमन में हौथी मिलिशिया से जुड़े ठिकानों पर बमबारी की है। एक दिन पहले ही हौथी सैन्य समूह ने इजरायल के तेल अवीव में ड्रोन से हमला कर एक व्यक्ति को मार डाला था। यमनी हौथी सैन्य समूह ने दावा किया है कि इजरायली हमले में यमन के लाल सागर बंदरगाह शहर होदेदाह में तेल भंडार और बिजली सुविधाओं को निशाना बनाया गया, और कई लोग मारे गए या घायल हुए हैं। हौथी समूह के अल-मसीरा टीवी ने शनिवार को ये जानकारी दी। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने हौथी मिलिशिया के ÷सैन्य ठिकानों÷ को निशाना बनाया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने एक रिपोर्ट में कहा है कि हाल के महीनों में इजरायल के खिलाफ किए गए कई हमलों के जवाब में यह हमला किया गया। इससे पहले हौथी के शीर्ष वार्ताकार मोहम्मद अब्दुलसलाम ने कहा था इजरायली हमले हौथी सैन्य समूह को ÷इजरायली शहरों और जहाजों÷ को निशाना बनाने से नहीं रोक पाएंगे। होदेदाह में स्थानीय लोगों ने कहा कि घटनास्थल पर काले धुएं मीलों दूर से देखे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने लाल सागर के पास के क्षेत्र की घेराबंदी कर दी, जिसके बाद दमकल गाड़ियां और एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गईं। हौथी द्वारा संचालित टीवी ने कहा कि स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने अभी तक हताहतों की सही संख्या का खुलासा नहीं किया है। ये हमला हौथी समूह द्वारा तेल अवीव में एक इमारत पर बम से लदे ड्रोन हमले की जिम्मेदारी लेने के एक दिन बाद हुआ, जिसमें इजरायली मीडिया के अनुसार एक व्यक्ति की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। हौथियों ने कहा है कि तेल अवीव में शुक्रवार को किया गया ड्रोन हमला गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के समर्थन में किया गया था। इससे पहले, हौथियों ने गाजा के साथ एकजुटता दिखाने के लिए नवंबर 2023 से लाल सागर और अदन की खाड़ी में इजरायल से जुड़े जहाजों पर कई हमले किये हैं।

गर्लफ्रेंड ने मांगा फोन का पासवर्ड तो समुद्र कूद में गया लड़का, बोला- तैरकर चला जाऊंगा घर !

न्यूयॉर्क , एजेंसी। सोशल मीडिया पर पति-पत्नी और गर्लफ्रेंड-ब्वायफ्रेंड के बीच फोन पासवर्ड से जुड़े कई चटपटे किस्से देखने और सुनने को मिलते रहते हैं, लेकिन हाल ही में एक लड़के के साथ जो हुआ उसके बारे में लोग हैरान रह गए। यह मामला इन दिनों इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है।हैरानी की बात तो ये है कि जब गर्लफ्रेंड ने उससे फोन का पासवर्ड मांगा तो लड़के ने समुद्र में छलांग लगा दी।बताया जा रहा है कि लड़का अपनी गर्लफ्रेंड और पुलिस के सामने समुद्र में कूद गया क्योंकि वह अपने फोन का पासवर्ड अपनी गर्लफ्रेंड को नहीं देना चाहता था। मामला अमेरिका के फ्लोरिडा का बताया जा रहा है।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारी उसका पीछा करते रहे और लगभग 7 मिनट तक तैरकर वह लड़का समुद्र किनारे भी पहुंच गया। यूट्यूब चैनल अरेस्टेड आन कैम पर पूरा वीडियो अपलोड भी किया गया है। इसके साथ ही एक्स पर न्यूयार्क पोस्ट ने अपने हैंडल से तस्वीरें शेयर कर घटना की जानकारी दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में लड़का पुलिस से काफी देर तक बात और बहस करता नजर आ रहा है और अगले ही पल वो नाव से कूद जाता है।इस बीच कूदने से पहले वो पुलिस से ये भी पूछता है कि अगर वो कूद जाएगा तो क्या होगा। हालांकि, किनारे पहुंचने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस को समुद्र के इस इलाके में संदिग्ध नाव की सूचना मिली थी। पुलिस अधिकारियों ने लड़के और उसकी गर्लफ्रेंड से पहचान के लिए डॉक्यूमेंट मांगे लेकिन लड़का अपना पहचान पत्र पुलिस को नहीं दिखाना चाहता था। पुलिस के समझाने के बावजूद लड़का अपनी बात पर अड़ा रहा और कहता रहा और पुलिस से वारंट की मांग कर ली। इस बीच गर्लफ्रेंड उसे लगातार शांत होने के लिए कहती रही। इस दौरान गर्लफ्रेंड ने लड़के से उसका फोन मांगा, ताकि वो बॉस से बात करवाकर मामले को शांत कर सके लेकिन वो तैयार नहीं हुआ और नाव से समुद्र में कूद गया। उसकी गर्लफ्रेंड उसे पानी में कूदने पर ब्रेकअप करने की धमकी भी दे रही थी, लेकिन बावजूद इसके लड़के ने एक न मानी और वो देखते ही देखते पानी में कूद गया। सोशल मीडिया पर अब ये मामला जमकर वायरल हो रहा है।

पाकिस्तान में हिंदू लड़की की बरामदगी की मांग पर प्रदर्शन; ईशनिंदा के मामले में पुलिस स्टेशन पर हमला

कराची/ओकारा, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत से गायब हुई एक हिंदू लड़की के माता-पिता ने उसके रहस्यमय ढंग से लापता होने के बाद बरामदगी की मांग पर कराची में विरोध प्रदर्शन किया। 7 वर्षीय प्रिया कुमारी के 19 अगस्त, 2021 को पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में सुक्कुर के पास संगरार में घर के पास से मुहर्रम आशूरा जुलूस में शर्बत परोसते समय गायब होने की रिपोर्ट है। उसे ढूंढते हुए थक चुके उसके माता-पिता, राज कुमार पाल और उनकी पत्नी वीना कुमारी ने कराची के क्लिफ्टन इलाके में प्रसिद्ध तीन तलवार स्थल पर विरोध प्रदर्शन किया। इसका मकसद लोगों को याद दिलाना था कि उनकी बेटी अभी भी बरामद नहीं हुई है। राज ने कहा, उन्होंने हमसे फिर वादा किया है कि वे हमारी बेटी की तलाश कर रहे हैं और वह जल्द ही बरामद हो जाएगी। इसके बाद माता-पिता ने अपना विरोध खत्म कर दिया। एजेंसी ईशनिंदा के मामले में पुलिस स्टेशन पर हमला पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के ओकारा में बहलोलपुर गांव में ईशनिंदा की घटना के बाद पुलिस स्टेशन पर हमला करने की कोशिश में 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, मामले में 134 लोगों पर केस दर्ज किया गया है। मस्जिद के पास पवित्र पुस्तक के पन्नों को जलाने के बाद पुलिस ने संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया।

ट्रंप पर गोली चलाने वाले शूटर के स्कूल ने किए कई खुलासे, कहा- उसके साथ कभी कोई दुर्व्यवहार नहीं हुआ

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप गोली चलाने वाले 10वीं के छात्र थॉमस मैथ्यू क्रुक्स की मौत के बाद कई चौंकाने वाले दावे सामने आ रहे हैं। उनके स्कूल ने उनके राइफल टीम में शामिल होने समेत कई दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने पिछली सारी रिपोर्टों का खंडन कर दिया है।

13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया में डोनाल्ड ट्रंप की रैली के दौरान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने ट्रंप पर जानलेवा हमला किया था, लेकिन इस हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए थे और गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। बाद में सीक्रेट सर्विस एजेंट्स की जवाबी कार्रवाई में हमलावर क्रुक्स को मौके पर ही ढेर कर दिया गया था। ट्रंप पर हमले के बाद जब पुलिस ने थॉमस क्रुक्स के घर के घर छापा मारा तो उन्हें तलाशी में क्रुक्स की कार से विस्फोटक डिवाइस भी प्राप्त हुई। साथ ही उसके घर पर दर्जनभर हथियार भी बरामद हुए। जांच में ये भी पता चला है कि हमले से पहले हमलावर ने डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के बारे में ऑनलाइन सर्च किया था। हमलावर ने पेंसिल्वेनिया में ट्रंप की रैली की तारीख भी सर्च की थी। साथ ही अगस्त में होने वाले डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के बारे में भी सर्च किया था। जांच में ये भी पता चला है कि हमलावर ने हमले से कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। सोशल मीडिया मंच स्टीम पर साझा पोस्ट में हमलावर ने लिखा था कि 13 जुलाई को उसका भी प्रीमियर है और देखते हैं कि क्या होता है।



हाईस्कूल में पढ़ने वाले शूटर थॉमस मैथ्यू क्रूक्स ने पेंसिल्वेनिया रैली शूटिंग के बाद चौंकाने वाले दावे किए गए। लेकिन बेथेल पार्क हाईस्कूल ने उन दावों से इंकार किया कि क्रूक्स ने स्कल की राइफल टीम के लिए प्रयास किया था, उसे धमकाया गया था। स्कूल ने दावा किया कि उसके पास क्रूक्स के राइफल टीम के लिए प्रयास करने का कोई रिकॉर्ड ही नहीं है। यहां तक कि कोच को तक याद नहीं है, कि वे कभी उससे मिले हैं। उन्होंने कहा कि यह हो सकता है कि क्रूक्स अनौपचारिक रूप से अभ्यास में शामिल हुआ हो, शॉट लिया हो और फिर कभी वापस नहीं लौटा। स्कूल ने बताया कि हमारे पास उसके यहां आने का कोई रिकॉड नहीं है। स्कूल ने यह भी दावा किया कि उसके साथ स्कूल में किसी प्रकार की कोई घटना नहीं हुई। वहीं क्रूक्स के दो पूर्व सहपाठियों ने बताया कि उसने स्कूल की राइफल टीम के लिए प्रयाय किया था। लेकिन खराब निशानेबाजी के कारण उसे निकाल दिया गया था। पूर्व सहपाठी जेम्सन मर्फी ने कहा था कि उसने प्रयास किया और वह इतना हास्यास्पद रूप से खराब निशानेबाज था कि वह टीम में जगह नहीं बना पाया, पहले दिन के बाद ही टीम छोड़ दी। हाल ही में एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें क्रुक्स को धमकाते हुए दिखाया गया था। उन्होंने दावा किया कि रिकॉर्ड के अनुसार क्रूक्स ने शैक्षिणक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते थे, नियमित रूप से स्कूल जाते थे। उनके साथ कोई अनुशासनात्मक घटना नहीं हुई।

केन्या में सनकी सीरियल किलर ने 42 महिलाओं की बेरहमी से की हत्या, थाने के पास फेंकी लाशें

नैरोबी, एजेंसी। केन्या की राजधानी नैरोबी में एक सनकी सीरियल किलर के घर से हैरान करने वाली चीजें मिली हैं। वहीं सीरियल किलर का कबूलनामा भी बेहद डरावना है। पुलिस के मुताबिक कॉलिन्स जुमैसी खालुशा को लोग पिशाच कहते हैं। 33 साल के आरोपी ने अब तक कम से कम 42 महिलाओं की हत्या की है जिसमें उसकी पत्नी भी शामिल है। वह हत्या के बाद महिलाओं के शव की दुर्दशा कर देता था और फिर उसे नाइलॉन की बोरी में पैक कर देता था। आरोपी नैरोबी में ही एक पुलिस थाने के पास स्लम में जाकर इन लाशों को फेंक देता था। तलाशी के दौरान उसके घर से बांका, रबर के दस्ताने, सेलोटेप और लाइलॉन के बोरे मिले।

केन्या में इन दिनों लिंग आधारित हिंसा और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच यह केस सामने आया है। ऐसे में विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि सरकार प्रमुख मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इस मामले को तूल दे रही है। दरअसल नैरोबी के एक स्लम में जब 9 कंकाल पाए गए तब मामले की छानबीन शुरू हुई। यहां स्थानीय लोग कूड़ा फेंका



करते थे। उस में खालुशा शवों को फेंक जाता था। इसके बाद पास ही रहने वाले खालुशा ने स्वीकार किया कि वह महिलाओं को लालच देता है और फिर हत्या करके फेंक देता है।

कोर्ट में बताया गया कि खालुशा ने अपना जुर्म कबूल किया है। उसने 2022 से अब तक 42 महिलाओं की हत्या की जिसमें उसकी पत्नी भी शामिल है। खालुशा के घर से पुलिस को कई सारे मोबाइल फोन, आई कार्ड, नाइलॉन के बोरे मिले। खालुशा की शिकार हुई महिलाओं में 26 साल की जोसेफीन ओविनो भी थीं। एक दिन उन्हें एक फोन आया और इसके बाद वह लापता हो गईं। उनकी बहन पेरिस केया ने उनको ढूंढना शुरू किया और फिर पता चला कि कूड़े के ढेर पर उनका शव पाया गया।

फॉरेंसिक जांच में पता चला कि ज्यादातर शवों के धड़ मौजूद थे लेकिन सिर गायब थे। केवल एक पूरा शवपाया गया था। किसी भी शव पर गोलियों के निशान नहीं थे। एक का गला दबाकर मारा गयाथा। अब केन्या की पुलिसी की भी जमकर आलोचना हो रही है। लोगों का कहना है कि इतने दिनों मे पुलिस एक भी लापता महिला की तलाश नहीं कर पाई और ना ही उसे सीरियल किलर के बारे में पता चला। वहीं जहां शव फेंके जाते थे वह जगह पुलिस स्टेशन के ही पा है।

बता दें कि केन्या पहले से ही आर्थिक और राजनीतिक समस्या से जूझ रहा है। लोग भ्रष्टाचार और कर बढ़ाने को लेकर सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर चुके हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि प्रशासन खालुशा के केस के जरिए लोगों का ध्यान बांटना चाहता है। खालुशा के वकील ने कोर्ट में कहा कि उसकी मानसिक स्थिति और स्वास्थ्य पर गौर करना चाहए। कोर्ट ने खालुशा के हिरासत की अवधि बढ़ा दी है।

मलेशिया के नए सम्राट सुल्तान इब्राहिम की तोपों की सलामी के साथ धूमधाम से की गई ताजपोशी

कुआलालंपुर, एजेंसी। मलेशिया के नए अरबपति सम्राट सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर की शनिवार को परंपरा के अनुरूप तोपों की सलामी समेत पूरे धूमधाम के साथ ताजपोशी की गई। उन्होंने पांच साल के कार्यकाल के दौरान निष्पक्ष रूप से शासन करने का संकल्प लिया। वह एक अद्वितीय 'परिवर्तनशील राजशाही प्रणाली के तहत काम करेंगे। सुल्तान इब्राहिम (65) ने 31 जनवरी को शपथ ली थी। यहां के 'नेशनल पैलेस में आयोजित एक भव्य समारोह में 20 जुलाई को सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर का औपचारिक रूप से मलेशिया के 17वें सम्राट के रूप में राज्याभिषेक किया गया। नौ जातीय मलय राज्य के शासक देश की 'परिवर्तनशील राजशाही के तहत पांच साल के लिए मलेशिया के सम्राट बनते हैं, जिसकी शुरुआत 1957 में मलेशिया को ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद हुई थी। मलेशिया में 13 राज्य हैं लेकिन केवल नौ में शाही परिवार हैं, कुछ राज्यों की जड़ें सदियों पुराने मलय साम्राज्य से जुड़ी हैं जो अंग्रेजों द्वारा एक साथ लाए जाने तक स्वतंत्र राज्य थे। काले और सुनहरे रंग की पारंपरिक औपचारिक पोशाक और टोपी पहने सुल्तान इब्राहिम और रानी रजा जरीथ सोफिया को सिंहासन पर आसीन होने से पहले सैन्य सलामी दी गई। अन्य शाही परिवारों के प्रमुख, ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोलकिया और बहरीन के सुल्तान हमद ईसा



अल खलीफा सिंहासन के बगल में एक मंच पर बैठे थे। ताजपोशी की रस्म की शुरुआत में सुल्तान को कुरान की एक प्रति भेंट की गई जिसको उन्होंने चूम लिया। नये सम्राट को शक्ति का प्रतीक एक 'सोने का खंजर प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने अपनी सरकार की निष्ठा का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि शाही संस्था राष्ट्र की ताकत का एक स्तंभ है। इसके बाद उन्होंने सुल्तान इब्राहिम को मलेशिया का नया सम्राट घोषित किया। सुल्तान इब्राहिम ने अपने राज्याभिषेक भाषण में कहा, ''ईश्वर की इच्छा से, मैं अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक और ईमानदारी से पालन करूंगा और निष्पक्ष शासन करूंगा। उन्होंने अनवर की सरकार से लोगों की आजीविका में सुधार और देश के विकास को बढ़ावा देने के प्रयास तेज करने का भी आग्रह किया।

हिंसा के बीच अमेरिका ने जारी की नागरिकों के लिए एडवाइजरी, कहा- बांग्लादेश की यात्रा न करें

वॉशिंगटन, एजेंसी। पड़ोसी देश बांग्लादेश इन दिनों हिंसा की आग में झुलस रहा है। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मुद्दे शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन देशभर में उग्र रूप ले चुका है। हिंसा प्रभावित देश से लोग पलायन कर रहे हैं। इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने नागरिकों को सुझाव दिया है कि वह बांग्लादेश की यात्रा न करें। साथ ही अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों को उनकी मर्जी से देश वापस आने की अनुमति दी है। एडवाइजरी का स्तर बढ़ा दिया गया यह नया सुझाव ऐसे समय में दिया गया है, जब एक दिन पहले ही अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए नई यात्रा एडवाइजरी जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि यात्रा करने से पहले एक बार जरूर विचार करें। अगर बहुत ही जरूरी हो तो सावधानी से बांग्लादेश के लिए यात्रा करें। हालांकि, अब एडवाइजरी का स्तर बढ़ा दिया गया है।

भीड़भाड़ वाले इलाकों में अपराध के प्रति रहें सचेत : अमेरिका ने आगे यात्रियों से कहा कि ढाका और पूरे देश में संचार सेवाएं बंद हैं। इससे काउंसलिंग में देरी हो सकती है। यात्रियों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में अपराध के प्रति सचेत रहना होगा। एडवाइजरी में अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा है कि हमले बिना किसी चेतावनी के हो सकते हैं। इसलिए सार्वजनिक क्षेत्रों पर सतर्क रहने की जरूरत है। सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश के अमेरिकी दूतावास के कर्मचारियों पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। विदेश विभाग ने लोगों से प्रदर्शनों और राजनीतिक सभाओं में जाने से बचने के लिए कहा है।

40 से अधिक लोग मारे गए : बांग्लादेश में प्राधिकारियों ने पूरे देश में कड़ा कर्फ्यू लगा दिया है



तथा सैन्य कर्मियों ने राजधानी के कुछ हिस्सों में गश्त की है, ताकि हिंसा को रोका जा सके। सरकारी नौकरियों के आवंटन को लेकर कई दिनों से चल रही झड़पों में 40 से अधिक लोग मारे गए तथा सैकड़ों लोग घायल हो गए। अमेरिकी विदेश विभाग ने बांग्लादेश के लिए यात्रा एडवाइजरी स्तर बढ़ाकर स्तर चार यानी यात्रा न करें कर दिया है। कहा है कि नागरिक अशांति, अपराध और आतंकवाद के कारण बांग्लादेश की यात्रा न करें। साथ ही गैर-आपातकालीन अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों के लिए खुद की मर्जी से लौटने की अनुमति दी है। विदेश विभाग ने कहा कि बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में लूटपाट, सेंधमारी, हमले और अवैध मादक पदार्थों की तस्करी जैसे अपराध अधिकांश आपराधिक गतिविधियों का हिस्सा हैं, लेकिन ऐसे कोई संकेत नहीं हैं कि विदेशियों को उनकी राष्ट्रीयता के कारण निशाना बनाया जा रहा है। यह सभी अपराध समय और स्थान पर निर्भर होते हैं। हमले बिना किसी चेतावनी के हो सकते हैं एडवाइजरी में कहा गया है कि हमले बिना किसी चेतावनी या हल्की चेतावनी के हो सकते हैं और आतंकवादी सार्वजनिक क्षेत्रों जैसे पर्यटन स्थलों, परिवहन केंद्रों, बाजारों/शॉपिंग मॉल, रेस्तरां, पूजा स्थलों, स्कूल परिसरों और सरकारी सुविधाओं को निशाना बनाते हैं।

पेरिस ओलंपिक

13वां पदक जीतने पेरिस के खेल गांव पहुंची भारतीय पुरुष हॉकी टीम, खेल मंत्री ने वीडियो साझा किया



पेरिस, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय टीम की नजर अपने पदक का रंग बदलकर स्वर्ण पर टिकी होगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने पेरिस 2024 ओलंपिक अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को करेगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार शाम ओलंपिक 2024 से पहले पेरिस पहुंच गई। हॉकी इंडिया और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस खबर को साझा की। खेल मंत्री ने वीडियो भी शेयर किया है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 1980 के बाद पुरुष हॉकी का पहला स्वर्ण पदक जीतने उतरी है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने फैंस से टीम इंडिया का हौसला बढ़ाने की अपील की।

खेल मंत्री ने क्या लिखा?

हॉकी इंडिया ने लिखा- भारतीय पुरूष हॉकी टीम अपने सपनों का उड़ान भरने ओलंपिक गांव पहुंची। ओलंपिक सपना अब शुरू होता है! वहीं, खेल मंत्री ने लिखा- हमारी शानदार हॉकी टीम ओलंपिक गांव में बाकी दल के साथ शामिल होने के लिए पेरिस पहुंची है। आइए उनका हौसला बढ़ाएं क्योंकि उनकी नजर पदक पर है। हमें आप पर विश्वास है टीम। शुभकामनाएं!

पेरिस ओलिंपिक

पेरिस ओलिंपिक में भारत का एक ही वेटलिफ्टर, उम्मीदों का भार अकेले उठाएंगी मीराबाई चानू



पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलिंपिक में वेटलिफ्टिंग में भारत को मेडल दिलाने का पूरा दारोमदार स्टार वेटलिफ्टर साईखोम मीराबाई चानू पर होगा। वह एकमात्र भारतीय वेटलिफ्टर हैं जिन्होंने पेरिस खेलों के लिए क्वॉलिफाई किया है। इस बार उम्मीद होगी कि वह 49 किलोग्राम वेट कैटिगरी में ना केवल पदक जीतेंगी, बल्कि इसका रंग बदलकर चांदी से सोना भी कर देंगी। चानू ने तोक्यो ओलिंपिक 2020 में सिल्वर मेडल जीता था। तोक्यो में उन्होंने कुल 202 किलो वेट उठाकर मेडल जीता था। तोक्यो ओलिंपिक के बाद पेरिस तक पहुंचने का चानू का सफर हालांकि आसान नहीं रहा है। चोटों और इंजरी के सिलसिले ने उनके लिए काफी मुश्किलें पैदा की, जिसमें उन्हें कलाई और हिप इंजरी भी हुई। हालांकि, उन्होंने शानदार वापसी की है। बीते अप्रैल में फुकेट में हुए वर्ल्ड कप में उन्होंने 184 किलो वेट उठाकर पेरिस का टिकट कटाया। इस दफा मेडल लगभग पक्का करने के लिए उन्हें कम से कम 200 किलो का वजन उठाना होगा।

राहुल और पंत आईपीएल में छोड़ सकते है अपनी टीम की कप्तानी

नईदिल्ली, एजेंसी। मेगा आक्शन से पहले कई टीमें बड़ा बदलाव करते हुए नजर आ सकती है. जिसकी दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का नाम भी शामिल है. इन दोनों टीमों का प्रदर्शन पिछले आईपीएल सीजन में काफी खराब रहा था. जिसकी वजह से दोनों ही टीमें अपने कप्तान को बदलने के बारे में सोच रही है. कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है की केएल राहुल अगले सीजन में आरसीबी की कप्तानी करते हुए नजर आ सकते है तो वही दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा बन सकते है ।

पेरिस ओलंपिक

नीरज चोपड़ा की चोट पर आया बड़ा अपडेट

कोच बार्टोनिट्ज़ ने दी जानकारी



नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज ने 28 मई को एहतियातन ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से हटने का फैसला किया था क्योंकि उन्हें जांघ में कुछ दर्द महसूस हुआ था। उन्होंने 18 जून को फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर जोरदार वापसी की थी। फिर चोपड़ा ने सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भी नहीं खेलने का फैसला किया।

पेरिस ओलंपिक में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है और भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा से इसमे दमदार प्रदर्शन करने की उम्मीद है। ओलंपिक से ठीक पहले नीरज की चोट से चिंता बढ़ा दी थी, लेकिन अब उनके जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने इस बारे में बड़ा अपडेट दिया है। बार्टोनिट्ज ने नीरज की फिटनेस को लेकर सभी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि अब टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को किसी तरह की परेशानी नहीं है और अब वह कड़ी तैयारियों में जुट गए हैं।

जांघ में दर्द के कारण गोल्डन स्पाइक से हटे थे नीरज

नीरज ने 28 मई को एहतियातन ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से हटने का फैसला किया था क्योंकि उन्हें जांघ में कुछ दर्द महसूस हुआ था। उन्होंने 18 जून को फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर जोरदार वापसी की थी। फिर चोपड़ा ने सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भी नहीं खेलने का फैसला किया और कहा कि यह प्रतियोगिता उनके कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी। लेकिन फिटनेस देखी जाए तो उनका सत्र बिल्कुल सही नहीं रहा है।

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने वाले 26 वर्षीय नीरज 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए एक बार फिर देश के सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं। पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा छह अगस्त को क्वालीफिकेशन दौर से शुरू होगी जिससे अभी इसे शुरू होने में दो हफ्ते हैं।

चोट की कोई समस्या नहीं

बार्टोनिट्ज करीब पांच साल से नीरज से जुड़े हैं। बार्टोनिट्ज ने कहा कि अब चीजें पटरी पर आ गई हैं। उन्होंने कहा, सब कुछ योजना के अनुसार है। फिलहाल जांघ की चोट की कोई समस्या नहीं है, यह ठीक है। उम्मीद है कि ओलंपिक तक ऐसा ही रहेगा। ओलंपिक में भाला फेंक की स्पर्धा शुरू होने अभी दो सप्ताह का समय बचा है इसलिए ट्रेनिंग का स्तर बढ़ा दिया गया है। वह पूरा थ्रोइंग सत्र कर रहे हैं। हम सुबह में स्प्रिंटिंग, जंपिंग, थ्रोइंग या वेटलिफ्टिंग के सत्र रखते हैं। सुबह और शाम दो सत्र होते हैं जिसमें प्रत्येक दो से ढाई घंटे तक का होता है। बार्टोनिट्ज ने कहा कि नीरज का तरीका टोक्यो ओलंपिक से पहले अपनाए गए तरीके जैसा ही है जिसमें वह टूर्नामेंट के बजाय ट्रेनिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं और वह अपने ग्रोइन पर दबाव कम करने के लिए अपनी ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूती देने पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सामान्यत- भाला फेंकना तेजी से भागते हुए अच्छी तरह रुककर भाला फेंकने (ब्लॉकिंग) पर निर्भर करता है। भागते हुए आप जितनी अधिक ऊर्जा से आएंगे, उतना ही बेहतर होगा।

पदक की संभावना पर नहीं की भविष्यवाणी

इस सत्र में शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों में से किसी ने भी असाधारण प्रदर्शन नहीं किया है और बार्टोनिट्ज ने हमेशा की तरह कहा कि वह नीरज की पदक की संभावनाओं की भविष्यवाणी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ओलंपिक में काफी कुछ दांव पर लगा होता है और काफी दबाव होता है जिससे कुछ भी हो सकता है। आंकड़ों के आधार पर पदक का अनुमान लगाना मुश्किल है। सभी शीर्ष एथलीट अपनी सर्वश्रेष्ठ तैयारी कर रहे है। वे पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और पदक जीतना चाहते हैं। उनकी तरह ही हम भी दावा कर सकते हैं कि नीरज जीत सकते हैं। पर पदक जीतने की संभावना पक्षपातपूर्ण हो सकती हैं जिसमें गड़बड़ी भी हो सकती है।

मार्केज बने भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच

अनिलकुमार एआईएफएफ महासचिव नियुक्त किये गए



नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने आईएसएल टीम एफसी गोवा के स्पेनिश कोच मनोलो मार्केज को तत्काल प्रभाव से भारतीय सीनियर पुरुष टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है, जिससे उन्हें क्लब के प्रबंधन और 2024-25 सीज़न के लिए राष्ट्रीय टीम की दोहरी जिम्मेदारी दी गई है। मार्केज को इगोर स्टिमैक के उत्तराधिकारी के रूप में नामित करने का निर्णय, जिन्हें फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए अर्हता प्राप्त करने में टीम की विफलता के बाद बरकरार नहीं रखा गया था, एआईएफएफ की कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान लिया गया, जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शनिवार को यहां फुटबॉल हाउस में की थी। 2024-25 सीज़न के दौरान, मार्केज़ एफसी गोवा में पहली टीम के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे और पूर्णकालिक आधार पर राष्ट्रीय कोचिंग भूमिका संभालने से पहले दोनों जिम्मेदारियों को एक साथ संभालेंगे। एआईएफएफ ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में मार्केज़ के हवाले से कहा,भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का कोच बनना मेरे लिए सम्मान की बात है, एक ऐसा देश जिसे मैं अपना दूसरा घर मानता हूं। भारत और इसके लोग ऐसी चीज़ हैं जिनसे मैं जुड़ा हुआ महसूस करता हूं और जब से मैं पहली बार इस खूबसूरत देश में आया हूं तब से मैं खुद को इसका एक हिस्सा महसूस करता हूं। मैं अपने लाखों प्रशंसकों को सफलता दिलाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहता हूं। मार्केज़ ने एआईएफएफ मीडिया टीम को बताया, मैं एफसी गोवा का बहुत आभारी हूं कि उसने हमें आगामी सीज़न के दौरान राष्ट्रीय टीम की मदद करने की छूट दी, जबकि मैं अभी भी क्लब का मुख्य कोच हूं। मैं इस अवसर के लिए एआईएफएफ का आभारी हूं और हमें फुटबॉल के लिए महान काम करने की उम्मीद है। विकास पर टिप्पणी करते हुए, एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, हमें इस महत्वपूर्ण भूमिका में मार्केज़ का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है और उन्हें राष्ट्रीय कर्तव्य के लिए रिहा करने की उदारता के लिए एफसी गोवा के भी आभारी हैं। हम आने वाले वर्षों में मार्केज़ के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। एआईएफएफ, एफसी गोवा और मार्केज़ यह सुनिश्चित करने के लिए निकटता से सहयोग करेंगे कि दोनों नौकरियों के बीच न्यूनतम प्रभाव हो और सभी शामिल लोगों के लिए सर्वोत्तम संभव परिणाम प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। बार्सिलोना के 55 वर्षीय मनोलो मार्केज़ के पास भारतीय फुटबॉल और राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों, विशेषकर युवाओं को कोचिंग देने का व्यापक ज्ञान और अनुभव है। पिछले कुछ वर्षों में कई राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को उनकी हैदराबाद एफसी टीम से बुलाया गया था। मार्केज़ 2020 से भारत में कोचिंग कर रहे हैं। उन्होंने दो आईएसएल क्लबों को कोचिंग दी है - एफसी गोवा (2023-वर्तमान) में जाने से पहले उनका पहला कार्यकाल हैदराबाद एफसी (2020-23) के साथ था। वह 2021-22 में हैदराबाद एफसी के साथ आईएसएल कप विजेता हैं। कुल मिलाकर, मार्केज़ का स्पेन में एक व्यापक कोचिंग करियर था - लास पालमास (शीर्ष डिवीजन) और लास पालमास बी, एस्पेनयोल बी, बडालोना, प्रैट, यूरोपा (तीसरी डिवीजन)। अन्य घटनाक्रमों में, एआईएफएफ अध्यक्ष चौबे की सिफारिश के आधार पर, कार्यकारी समिति ने शनिवार को अनिलकुमार प्रभाकरन को महासंघ के महासचिव के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया।

कार्यकारी समिति ने एआईएफएफ कार्यकारी समिति और अन्य सभी उप-समितियों से अनिलकुमार का इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया है, जिसका वह हिस्सा थे। अनिलकुमार की नियुक्ति एआईएफएफ संविधान के अनुसार आंतरिक प्रोटोकॉल और प्रेरण प्रक्रियाओं के अधीन होगी और वह इसके पूरा होने पर कार्यभार संभालेंगे।

आईपीएल:2025

वीवीएस लक्ष्मण को मिला आईपीएल में कोचिंग का ऑफर, सितंबर में छोड़ सकते हैं एनसीए हेड का पद

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के खत्म हुए अभी दो महीने का समय भी नहीं हुआ है। इसके बाद भी फ्रेंचाइजियों ने अगले सीजन की तैयारी शुरू कर दी है। आईपीएल 2025 से पहले मेगा नीलामी होनी है। सभी को नए सिरे से टीम बनानी होगी। इसी वजह से फ्रेंचाइजी ने अभी से माथापच्ची शुरू कर दी है। इसके साथ ही सपोर्ट स्टाफ के लिए भी नए नए विकल्प तलाशे जा रहे हैं।



लक्ष्मण आईपीएल में दिखेंगे - आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने कोचिंग स्टाफ में वीवीएस लक्ष्मण को शामिल करने की दिलचस्पी दिखाई है। लक्ष्मण अभी बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट अकादमी के प्रमुख हैं। ऐसा माना जा रहा है कि लक्ष्मण बीसीसीआई से एनसीए में अपना कार्यकाल बढ़ाने की इच्छा नहीं रखते हैं। उनका कार्यकाल सितंबर में खत्म हो रहा है। राहुल द्रविड़ के भारतीय टीम के हेड कोच बनने के बाद उनकी जगह बीसीसीआई लक्ष्मण एनसीए प्रमुख बने थे।

टीम के हेड को नहीं बने लक्ष्मण - वीवीएस लक्ष्यम को पहले टीम इंडिया का मुख्य कोच बनाने के लिए बीसीसीआई की पहली पसंद बनाया गया था, लेकिन लक्ष्मण ने टीम के साथ ज्यादा यात्रा करने की अपनी अनिच्छा के कारण यह ऑफर ठुकरा दिया था। अभी तक कुछ भी पक्का नहीं है। लेकिन अ मैनेजमेंट ने लक्ष्मण से अनौपचारिक बातचीत की है। सूत्रों के मुताबिक, लक्ष्मण हैदराबाद से अपना बेस शिफ्ट करने के बाद एनसीए में जारी रहने के इच्छुक नहीं हैं। उन्हें कुछ समय से फ्रेंचाइजी से ऑफर मिल रहे हैं।

वर्ल्ड चेस ओलंपियाड में खेलेगी 9 साल की बोधन

चेस बोर्ड से ठोकर लगी तो इसे हॉबी बनाया, अब नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। बोधना शिवनंदन बुडापेस्ट चेस ओलंपियाड के लिए इंग्लैंड की ओर से क्वालिफाई किया है। चौथी क्लास में पढ़ने



वाली भारतीय मूल की ब्रिटिश बच्ची बोधना चेस में हाई लेवल पर इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने वाली सबसे कम उम्र की प्लेयर बन गई है।

यूट्यूब और ऑनलाइन चेस खेलकर बारीकियां सीखीं - बात 2020 की है, महामारी दुनियाभर में फैल रही थी। उसी वक्त लंदन में रहने वाले इंजीनियर शिवनंदन वेलायुधम के दोस्त को अचानक भारत लौटना पड़ा। वे अपना कुछ सामान लंदन में ही छोड़ गए। इन्हीं में से एक बैग में चेस बोर्ड था। शिव ने सामान फेंक दिया। वहीं पर खेल रही उनकी 5 साल की बेटी बोधना को बोर्ड से ठोकर लगी। उसने शिव से पूछा, तो उन्होंने चेस बोर्ड व मोहरे बेटी को दे दिए। हालांकि एक मोहरा कम था। बोधना की जिज्ञासा बढ़ती गई।

धैर्य रखकर हर चाल चलती है बोधना - इंग्लिश चेस फेडरेशन में इंटरनेशनल चेस के डायरेक्टर मैल्कम पेन कहते हैं, बोधना टीम में सबसे कम उम्र की प्लेयर है, उसकी दूसरी टीममेट लेन याओ 23 साल की हैं। पेन उसे पोजिशनल प्लयेर कहते हैं। वह मोहरों की स्थिति पर गहरी जानकारी रखती है। धैर्य रखकर हर चाल चलती है। इंग्लैंड के इंटरनेशनल मास्टर चेस प्लेयर लरिंस ट्रेंट को बोधना पर यकीन है कि वह ग्रेट प्लेयर बनेगी।

श्रेयांका पाटिल विमेंस एशिया कप से बाहर

बाएं हाथ की उंगली में फैक्चर तनुजा कंवर उनकी जगह टीम में शामिल



नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल बाएं हाथ में चोट की वजह से विमेंस एशिया कप 2024 से बाहर हो गई हैं। शनिवार को एशियन क्रिकेट काउंसिल की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि 21 साल की भारतीय ऑफ स्पिनर के बाएं हाथ की चौथी उंगली में फैक्चर हो गया है। श्रेयंका ने शुक्रवार को पाकिस्तान के खिलाफ 3.2 ओवर गेंदबाजी की और 14 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्हें बल्लेबाजी करने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि भारत ने 14.2 ओवर में सात विकेट खोकर जीत हासिल कर लिया। श्रेयांका ने भारत के लिए 3 वनडे में 5 विकेट और 12 टी-20 में 16 विकेट लिए।

पेरिस ओलंपिक से पहले फॉर्म में लौटे राफेल नडाल, नॉर्डिया ओपन के फाइनल में बनाई जगह, जानें



बस्ताड (स्वीडन), एजेंसी। नडाल और युवा सनसनी कार्लोस अल्कारेज पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर स्पेन के लिए पेरिस ओलंपिक में उतरेंगे। स्पेनिश टेनिस फेडरेशन इसकी घोषणा की थी। राफेल नडाल नॉर्डिया ओपन में डुजे अजदुकोविच को शनिवार को यहां 4-6, 6-3, 6-4 से हराकर 2022 फ्रेंच ओपन के बाद अपने पहले फाइनल में पहुंच गए। नडाल ने क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में इससे पहले 36वीं रैंकिंग पर काबिज मारियानो नवोन को चार घंटे तक चले मुकाबले में 6-7, 7-5, 7-5 से हराया था। उन्होंने अजदुकोविच के खिलाफ भी पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। नडाल ने 2005 में 19 वर्ष की उम्र में यहां खिताब जीता था जिसके बाद वह पहली बार यहां खेल रहे हैं। वह पेरिस में रोलां गैरो पर ओलंपिक में खेलने की तैयारी में हैं। उन्होंने पहले दौर में स्वीडन के महान खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग को हराया। 38 वर्ष के नडाल ने विंबलडन में भाग नहीं लिया था। वह पिछले डेढ़ साल से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं।

ओलंपिक में नडाल-अल्काराज की जोड़ी डबल्स में खेलेगी - नडाल और युवा सनसनी कार्लोस अल्कारेज पेरिस ओलंपिक में जोड़ी बनाकर स्पेन के लिए पेरिस ओलंपिक में उतरेंगे। स्पेनिश टेनिस फेडरेशन इसकी घोषणा की थी कि नडाल-अल्काराज ओलंपिक में डबल्स में खेलेंगे। अल्काराज को नडाल का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। नडाल उनके बचपन के हीरो रहे हैं। नडाल न सिर्फ 22 ग्रैंडस्लैम जीत चुके हैं बल्कि 2008 के बीजिंग ओलंपिक में उन्होंने सिंगल्स वर्ग का स्वर्ण और 2016 के रियो ओलंपिक में मार्क लोपेज के साथ मिलकर डबल्स का स्वर्ण जीता था।

स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने इस साल पेरिस में ही फ्रेंच ओपन का एकल वर्ग का खिताब जीता था। इसके बाद विंबलडन का खिताब भी अपने नाम किया था। अब वह नडाल के साथ पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पर निशाना साधने की कोशिश करेंगे। दोनों की जोड़ी युगल में खतरनाक साबित हो सकती है।

अर्जुन कपूर को चुभ रही है मलाइका अरोड़ा से दूरी?



ब्रेकअप के बीच फिर किया क्रिप्टिक पोस्ट, फिर दिखी टीस

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के बीच ब्रेकअप की खबरें लगातार चर्चा में है। कपल कई मौकों पर पहले जहां साथ नजर आता था। वहीं, अब ये अलग-अलग दिखाई देने लगे हैं। हाल ही में जहां एक्टर अंबानी का शादी में नजर आए। वहीं, एक्ट्रेस वेकेशन पर थीं। वहां, से वह तस्वीरें पोस्ट कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक मिस्ट्री मैन के साथ भी फोटो शेयर की थी। हालांकि दोनों ने कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है कि उनका ब्रेकअप हुआ है।



अब एक्टर ने एक बार फिर से इंस्टा पोस्ट करके सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। जिससे ऐसा लग रहा है कि वह एक्ट्रेस से दूरी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें उनकी कमी खल रही है। वह उन्हें याद कर रहे हैं। अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में एक नोट शेयर किया है। इसमें लिखा था, पॉजिटिव रहने का मतलब ये नहीं कि चीजें ठीक हो जाएंगी। बल्कि इसका मतलब ये है कि आप ठीक रहेंगे, चाहे चीजें कैसे भी हों। इससे पहले एक्टर ने जून महीने में भी ऐसा ही कुछ नोट पोस्ट किया था। जिसमें लिखा था, जीवन में हमारे पास दो ऑप्शन होते हैं। या तो हम अपने अतीत में ही खो जाएं या फिर भविष्य के बारे में सोचें और आगे बढ़ें।



ड्रीम गर्ल 2 के बाद, फिर एक साथ काम करेंगे आयुष्मान खुराना और राज शांडिल्य

करण जौहर के साथ अभी तक बिना शीर्षक वाली जासूसी कॉमेडी और दिनेश विजान के साथ वैम्पायर्स ऑफ विजयनगर की शूटिंग पूरी करने के बाद आयुष्मान खुराना राज शांडिल्य की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। 2019 में, आयुष्मान खुराना ने पहली बार राज शांडिल्य के साथ मिलकर एक बेहतरीन कॉमिक एंटरटेनर, ड्रीम गर्ल बनाई और यह फिल्म हिट साबित हुई, जो अभिनेता की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। 4 साल बाद, फिल्म को एक फ्रैंचाइज़ी में बदल दिया गया और सीक्वल भी बड़े पर्दे पर एक बड़ी हिट साबित हुआ। दो बैक-टू-बैक सफ़लताओं के साथ, आयुष्मान और राज के बीच एक तालमेल विकसित हुआ है। प्राप्त समाचारों के अनुसार अब यह जोड़ी अपने 3रे सहयोग के लिए बातचीत कर रहे हैं। राज ने एक मजेदार पारिवारिक कॉमेडी लिखी है और आयुष्मान ने इस फिल्म में काम करने में अपनी रुचि दिखाई है। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया, यह फिल्म एक स्टैंडअलोन कॉमेडी फिल्म है, न कि ड्रीम गर्ल 3।

राज एक हटके कॉमिक एंटरटेनर लिख रहे हैं और आयुष्मान फिल्म के मूल विचार से प्रभावित हैं। एक महीने में फिल्म की कहानी पूरी हो जाएगी, उसके बाद कहानी सुनाई जाएगी। राज फिलहाल विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में व्यस्त हैं, वहीं आयुष्मान करण जौहर और गुनीत मोंगा द्वारा निर्मित अभी तक बिना शीर्षक वाली कॉमेडी फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इसके बाद वह अक्टूबर में दिनेश विजान के लिए वैम्पायर्स ऑफ विजय नगर में काम करेंगे। सूत्र ने कहा, शूटिंग की टाइमलाइन को लेकर दोनों ही टैलेंट एकमत हैं। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ, तो अभी तक बिना शीर्षक वाली कॉमिक कैपर मार्च-2024 तक फ्लोर पर आ जाएगी, जब वे अपनी मौजूदा प्रतिबद्धताओं को पूरा कर लेंगे। अभी तक कथानक का विवरण गुप्त रखा गया है, लेकिन यह एक अनोखी कॉमेडी है, जो पारिवारिक दर्शकों को पसंद आएगी। सूत्र ने निष्कर्ष निकाला, ÷यह भारत के हृदय स्थल पर आधारित एक कॉमेडी एंटरटेनर है, लेकिन इसमें एक अलग तरह का मुद्दा है। कोशिश है कि हैट्रिक बनाई जाए और आयुष्मान और राज दोनों ही स्क्रिप्ट को लेकर बहुत खास हैं।

कंगुवा में तीन अलग-अलग लुक में नजर आएंगे सूर्या

10 अक्टूबर को होगा प्रदर्शन

सूर्या अभिनीत फिल्म कंगुवा इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित रिलीज़ में से एक है। शिवा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में तमिल सुपरस्टार न केवल एक नए अवतार में हैं, बल्कि यह एक अलग ही अवतार है! जबकि निर्माता सूर्या के रोमांचकारी परिवर्तनों को दिखाने वाले दिलचस्प पोस्टरों के साथ दर्शकों को रोमांचित कर रहे हैं, आपको बता दें कि वे एक आश्चर्य के लिए तैयार हैं क्योंकि वे अभिनेता को तीन बिल्कुल अलग-अलग अवतारों में देखेंगे।



जी हां, दर्शकों को सुपरस्टार के तीन अलग-अलग रूप देखने को मिलेंगे जो फिल्म का हिस्सा होंगे। अब तक हमने कंगुवा से सूर्या की गहन और रोमांचकारी झलकियाँ देखी हैं, लेकिन उनके लुक के साथ और भी आश्चर्य की बात है। प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, कंगुवा में सूर्या तीन अलग-अलग लुक में नज़र आएंगे।

अभिनेता ने फिल्म में अपनी भूमिका के लिए बहुत बड़ा बदलाव किया है। प्रत्येक किरदार का लुक अलग होगा जो पहले कभी नहीं देखा गया है और यह फिल्म की कहानी में एक अलग तरह की साज़िश जोड़ेगा। बता दें कि सूर्या ने तमिल नव वर्ष के दौरान एक पोस्टर जारी करते हुए अपने दो लुक पहले ही जारी कर दिए थे, जिसमें अभिनेता ने एक योद्धा के रूप में अपना अवतार दिखाया था और दूसरा आधुनिक समय का अवतार था।

कंगुवा की बात करें तो यह इस साल की सबसे महंगी फिल्मों में से एक है, जिसका अनुमानित बजट 350 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके अलावा, इस फिल्म को भारत के विभिन्न महाद्वीपों के सात अलग-अलग देशों में शूट किया गया है। निर्माताओं के दिमाग में एक बहुत ही खास लुक था, और यह एक बहुत ही अनोखी फिल्म होने का वादा करती है जो हमें प्रागैतिहासिक काल में वापस ले जाती है। निर्माताओं ने एक्शन और सिनेमैटोग्राफी जैसे तकनीकी विभागों के लिए हॉलीवुड से विशेषज्ञों को काम पर रखा है और इसमें 10,000 से अधिक लोगों की विशेषता वाले सबसे बड़े युद्ध दृश्यों में से एक सहित महाकाव्य दृश्य हैं। दिशा पटानी और बॉबी देओल की मुख्य भूमिकाओं वाली यह फिल्म 10 अक्टूबर, 2024 को हिंदी सहित कई भाषाओं में रिलीज़ होने वाली है।

तलाक की घोषणा के बाद

नताशा अपने होम टाउन में ले रही है खूब आनंद

मॉडल और अभिनेत्री नताशा ने हार्दिक पंड्या से तलाक की घोषणा करने के बाद अब वह बेटे अगस्त्या के साथ सर्बिया के लिए रवाना हो चुकी है।अपने होमटाउन सर्बिया पहुंचकर उन्होंने कुछ फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए. बता दें , नताशा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए साझा करती हुई नज़र आती है और बेटे अगस्त्या के साथ की गई गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियोज भी देखे गया है। जिन्हे देखने के बाद लग रहा है वह मूव ऑन हो गई है । तस्वीरों में देखा जा सकता हैं नताशा ने काली टी शर्ट, बहुरंगी शॉर्ट्स,एक टोपी और धुप का चश्मा पहना हुआ है, वह साइकिलिंग का आनंद ले रही है उनके चेहरे पर स्माइल दिखी । इन तस्वीरों में नताशा बेहद खूबसूरत लग रही है ।



नताशा से दूर होते ही इस अभिनेत्री के करीब आ गए हार्दिक?



सोशल मीडिया पर हार्दिक और नताशा के तलाक के चर्चे अभी बंद नहीं हुए थे कि एक और अफवाह ने जन्म ले लिया है। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे और टीम इंडिया के क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने अब आधिकारिक तौर पर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को फॉलो करना शुरू कर दिया है। उन्होंने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में एक साथ डांस करने के बाद एक- दूसरे को फॉलो किया है।

जेनेलिया ने फ्लॉन्ट किया तीन आर वाला टैटू

हार्टबीट से बताया रिश्ता कितना खास

एक्ट्रेस जेनेलिया देशमुख सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक खास तस्वीर साझा की है। इसमें उनके हाथ में मेहंदी से तीन आर लिखा हुआ है। इन तीन आर का मतलब पति रितेश देशमुख और उनके दो बेटों रियान और राहिल है। इस मेंहदी से जेनेलिया ने अपने परिवार के प्रति प्यार का इजहार किया। तस्वीर में वह कहीं दूर देखती नजर आ रही हैं। उन्होंने गाल पर अपना हाथ रखा हुआ है और तीन आर वाला मेंहदी टैटू फ्लॉन्ट कर रही हैं। टैटू के साथ हार्टबीट लाइन भी है। जेनेलिया और रितेश की शादी को 12 साल हो चुके हैं। दोनों ने एक-दूसरे को नौ साल तक डेट किया और 3 फरवरी 2012 को शादी की। उन्होंने पहले पारंपरिक मराठी रीति रिवाज से और फिर ईसाई रीति-रिवाज से शादी की। इस कपल ने शादी के दो साल बाद 2014 में अपने पहले बेटे रियान का स्वागत किया और 2016 में बेटे राहिल का जन्म हुआ। जेनेलिया जैसी हंसमुख और चुलबुली हैं उतनी ही संवेदनशील भी उनका अनूठा अंदाजा फैंस को काफी पसंद भी है। अनूठा उनका नाम भी और इस नाम के पीछे एक दिलचस्प किस्सा है। दरअसल, जेनेलिया की मां का नाम जेनेट और उनके पिता का नाम नील है। माता-पिता के नाम को मिलाकर उनका नाम जेनेलिया रखा गया। एक्ट्रेस नेशनल लेवल फुटबॉल प्लेयर रह चुकी हैं। उन्होंने अपना करियर बतौर मॉडल शुरु किया था और सबसे पहले एक कमर्शियल एड में अमिताभ बच्चन के साथ नजर आई थीं।



प्रभास के साथ पर्दे पर रोमांस करेंगी यह पाकिस्तानी अभिनेत्री!

हनु राघवपुडी की फिल्म में मिला मौका

साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी फिल्म कल्कि 2898 एडी की सफलता का आनंद ले रहे हैं। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं, इसके बाद अब प्रभास अपनी अगली फिल्म की तैयारियों में व्यस्त रहेंगे। इसके बाद प्रभास मारुति द्वारा निर्देशित हॉरर कॉमेडी फिल्म द राजा साब में अभिनय करेंगे। इसके साथ ही प्रभास ने हनु राघवपुडी के साथ एक नई फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, जिस पर नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हनु राघवपुडी के साथ प्रभास की नई फिल्म एक पीरियड रोमांटिक एक्शन ड्रामा होगी। अब सोशल मीडिया पर फिल्म में मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के नाम की चर्चा तेज हो गई है। कहा जा रहा है कि निर्माताओं ने प्रभास के साथ रोमांस का तड़का लगाने वाली अभिनेत्री को चुन लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रभास के साथ पाकिस्तानी अभिनेत्री सजल अली को कास्ट किया जाएगा।



राज और डीके की सीरीज में शामिल होंगी वामिका गब्बी? आदित्य रॉय और सामंथा रुथ के साथ आएंगी नजर

आदित्य रॉय कपूर और सामंथा रुथ प्रभु ने कथित तौर पर राज और डीके की नेटफ्लिक्स सीरीज के लिए हाथ मिलाया है। वहीं अब इस सीरीज में वामिका गब्बी के शामिल होने की चर्चाएं हैं।

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर ने अपनी आने वाली वेब सीरीज के लिए राज और डीके के साथ हाथ मिलाया है। चर्चा है कि इस सीरीज में कई बेहतरीन अभिनेत्रियां अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरेंगी। सोशल मीडिया पर खबर आई थी कि शो में मुख्य भूमिका निभाने के लिए साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु को चुना गया है। वहीं, अब सीरीज में एक और अभिनेत्री के शामिल होने की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, आदित्य और सामंथा के साथ वामिका गब्बी भी इस सीरीज में काम करेंगी।

राही अनिल बर्वे करेंगे निर्देशन

ऐसी खबरें थीं कि इस सीरीज का नाम अस्थायी रूप से रक्तबीज रखा गया है और यह एक्शन जॉनर में आती है। हालांकि, बाद में कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि सीरीज का नाम फिलहाल रक्त ब्रह्मांड है और यह एक पीरियड फैंटेसी होगी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि राज और डीके केवल शो रनर होंगे और इसका निर्देशन तुम्बाड फेम राही अनिल बर्वे करेंगे।

कलाकारों को पसंद आई कहानी

वहीं अब ताजा जानकारी के अनुसार, वामिका भी इस टीम का हिस्सा होंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, राही ने एक रहस्यमयी, काल्पनिक दुनिया बनाई है, जिसे भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं दिखाया गया। आदित्य, सामंथा और वामिका को सीरीज की कहानी और दृश्य ने प्रभावित किया है, जिसके बाद उन्होंने इसके लिए तुरंत हां कह दी और वे इस सीरीज में अभिनय करने के लिए उत्साहित हैं।

आदित्य-सामंथा ने शुरू की तैयारी

यह एक खास प्रोजेक्ट है, जिसे राही तुम्बाड के आने से पहले बनाने की सोच रहे थे।



-साभार एजेंसी